शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 123

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दो दिवसीय राज्यस्तरीय ग्रामीण व स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन

गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी प्रतियोगिताएं होंगी

फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन करते खेल निदेशक व अन्य.

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में उद्घाटन किया गया. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक संदीप कुमार, विशिष्ट अतिथि झारखंड के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, संयुक्त निदेशक साझा के राज किशोर खाखा, विभागीय खेल उपनिदेशक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया. इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी की प्रतियोगिता आयोजित की गई है.

इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी संदीप कुमार, रूपा रानी तिर्की, उपवन बाड़ा, मारकस हेमरोम, उमेश लोहरा एवं शिवेंद्र कुमार को प्रतीक चिह्न एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. इस प्रतियोगिता को सफल संचालन में विभागीय प्रशिक्षक भरत कुमार शाह, गोपाल तिर्की, सुनील महली, अनमोल टोप्पो,काली चरण महतो, अंगद हंसराज,राजू साहू, हरीश कुमार, प्रेम पूर्ति, अख्तर हुसैन, बलराम,मोहन कुमार,जोलेन केरकेट्टा, संदीप उरांव, रेमंड मिंज, सुदीप कुजूर एवं कई गणमान्य प्रशिक्षक ने अहम भूमिका निभाई.

प्रतियोगिता में राज्यभर से आये खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण.

भाजपा इसी माह करेगी आदिवासी सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा

ब्यूरो। रांची

झारखंड में अगस्त के आखिरी सप्ताह से विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारी की रफ्तार तेज हो जाएगी. सत्ताधारी झामुमो-कांग्रेस, राजद सहित भाजपा ने अभी से ही चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी का दौरा बढ़ने लगेगा, तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बारे में भी फैसला हो जाएगा. सत्ता पक्ष जहां नई-नई लोकलुभावन योजनाएं शुरू कर दो-तीन महीने में अपना वोट बैंक पुख्ता करने में जुटा है, वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा सत्ता पक्ष की बखिया उधेड़ने में जुटी है. सत्ता पक्ष के साथ ही साथ भाजपा ने भी आदिवासी सुरक्षित सीटों पर फोकस कर रखा है.

दोनों पक्षों की चुनावी रणनीति के केंद्र में फिलहाल जनजातियों के लिए सुरक्षित 28 सीटें हैं. इसे देखते हुए भाजपा ने भी रणनीति तैयार की है. भाजपा इसा माह के अंत तक आदिवासी सीटों के लिए उम्मीदवारो की घोषणा कर सकती है. उधर सत्ता पक्ष में सीटों का बंटवारा होने के बाद ही प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है.

झामुमो लगातार ललकार रहा है भाजपा को

झारखंड मुक्ति मोर्चा भी तैयारी तेज करेगा. संगठान की मजबूती के लिए प्रखंड से लेकर जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के वरीय पदाधिकारी बैठक कर चुके हैं. उन बैठकों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वचुर्अल माध्यम से संबोधित भी करते रहे हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश भी दे चुके हैं. कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कह चुके है कि भाजपा को कल चुनाव करना हो, तो आज ही करा ले. इस बार असलियत का पता चल जाएगा.

खास बातें

- अगस्त के आखिरी सप्ताह से चुनाव की तैयारी तेज होगी
- सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी रणनीति बनाने में जुटे

भाजपा जल्द कर सकती है उम्मीदवारों की घोषणा

भाजपा इस बार झारखंड को लेकर पूरी तरह से सीरियस है. सूत्रों के अनुसार चुनाव तिथि घोषित होने से पहले ही आदिवासी रिजर्व सीटों और कम अंतर से हारी हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है .यह घोषणा इसी महीने के अंत में हो सकती है. भाजपा के टारगेट में 28 आरक्षित आदिवासी सीटें और 9 एससी सीटें है. इस बार भाजपा 28 में से आधी से अधिक सीटों पर जीत के लिए काम कर रही है. वही उत्तरी छोटानगपुर और पलामू प्रमडंल में भाजपा खुद को मजबूत मान रही है.

कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदलेंगे की बात भी कांग्रेस खेमे में उठी है. इस पर भी मंथन चल रहा है. दिल्ली में इसके लिए विचार- विमर्श चल रहा है. जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने प्रदेश के 20 चुनिंदा नेताओं को दिल्ली बुलाया था. पार्टी के नेताओं से एक-एक कर मुलाकात की. केंद्रीय महासचिव से मिलने वाले कुछ ऐसे नेता भी थे, जो खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार हैं. कांग्रेस के नेता प्रदेश में आदिवासी चेहरा देने की भी मांग कर रहे हैं, तो कोई ओबीसी कार्ड खेलने का सुझाव दे रहा है.

14 अगस्त को बलिदान दिवस मनाएगा राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ

रांची। देश विभाजन का दर्द सबसे ज्यादा पंजाबियों ने ही झेला है. इसलिए पंजाबियों की शीर्ष संस्था राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ ने हर वर्ष 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लिया है. यह जानकारी महासंघ के झारखंड शाखा के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण चावला ने दी. बताया कि विभाजन की नफरत और हिंसा के कारण लाखों परिवारों को विस्थापित होना पड़ा. विभाजन की विभीषिका की वजह से पंजाबी अपने ही देश में शरणार्थी बनकर भटकते रहे. महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश सेठ ने पंजाबी परिवार के कठिनतम संघर्ष व बलिदान की याद में 14 अगस्त को बलिदान दिवस के रूप में मनाने की अपील की है. उन्होंने देश भर के तमाम पंजाबी संस्थानों से शांतिपूर्वक बलिदान दिवस मनाते हुए शाम सात बजे एक मोमबत्ती या दीया जलाकर आदरांजलि देने की अपील की है.

कोर्ट की खबरें

आलमगीर आलम को झटका, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

संवाददाता। रांची

शुक्रवार को टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने आलमगीर की बेल खारिज कर दी है. इससे पहले बुधवार को बचाव पक्ष यानी आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी. इसके बाद शुक्रवार को ईडी की ओर से बहस की गई. बहस के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने आलमगीर आलम को पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताते हुए जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया था. दोनों पक्षों की बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर पहले फैसला सुरक्षित रख लिया है. लेकिन फिर बेल याचिका को खारिज कर दिया. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ भी कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ़्तारी हो चुकी है.

कमलेश से और चार दिन पूछताछ जारी रखेगी ईडी, कोर्ट ने दी अनुमति

रांची। पत्रकार से जमीन कारोबारी बने कमलेश कुमार की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एजेंसी ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में उसे पेश किया. इसके बाद एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए रिमांड अवधि को विस्तार दिया जाए, जिसके बाद कोर्ट ने ईडी को कमलेश को 4 दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमति दी है. बता दें कि लैंड स्कैम से जुड़े केस में ईडी ने पिछले महीने कमलेश के घर पर छापेमारी की थी. जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपये कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे.

सरकार ने निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए 20 तक आवेदन मांगे

रांची। राज्य सरकार ने राज्य निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है. इस पद के लिए 20 अगस्त तक आवेदन मंगाए गये हैं. इस पद के लिए पूर्व में भी विज्ञापन (पीआर नं 303322, 27-7-24) जारी किया गया था और आवेदन मंगाए गये थे. इसे निरस्त करते फिर से योग्य कैंडिडेट से आवेदन करने को कहा गया है. समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, झारखंड की ओर से इसके लिए विज्ञापन जारी किया गया है. इसके अनुसार, आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए इच्छुक और योग्यता रखने वाले सरकारी सेवा में कार्यरत पदाधिकारी, रिटायर्ड अफसर एवं गैर सरकारी व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं. जारी विज्ञापन के मुताबिक, राज्य निःशक्तता आयुक्त को पूर्णकालिक आधार पर तीन सालों की अवधि के लिए नियुक्त किया जायेगा. जरूरत पड़ने पर 1-1 साल की अवधि के लिए कुल दो बार अवधि विस्तार दिया जा सकता है. इस पद के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष की होनी चाहिये. आयुक्त पद के लिए कार्यरत सरकारी सेवक के मामले में नियुक्ति के समय उन्हें प्राप्त हो रहा वेतनमान ही देय होगा. रिटायर्ड अफसरों के मामले में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार गणना कर वेतनमान देय होगा. गैर सरकारी व्यक्ति के मामले में 60 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे. साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित अन्य भत्ते भी उन्हें मिलेंगे.

कृषि मंत्री से मिले राजद नेता, किया आग्रह

किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए

संवाददाता। रांची

प्रदेश राजद ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के दो लाख रुपये तक के ऋण माफ करने के फैसले का स्वागत किया है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव व महासचिव कैलाश यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके धुर्वा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात कर बधाई दी. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, डेयरी और मछलीपालन करनेवालों की सब्सिडी के संबंध में बातचीत की. कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. किसानों को हर हाल में समय पर खाद-बीच उपलब्ध कराने को कहा गया.

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बताया कि पूर्व में सरकार द्वारा महज 50 हजार रु ऋण माफी की योजना थी, लेकिन जब दीपिका पांडेय सिंह ने कृषि मंत्री का पदभार संभाला, तो उन्होंने पहला फैसला राज्य के किसानों का दो लाख रु तक ऋण माफी का लिया था. उनके इस फैसले से लगभग 4.75 लाख किसानों को लाभ मिलेगा. कृषि मंत्री ने निश्चिच तौर पर ऐतिहासिक काम किया है.यादव ने कहा कि कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आश्वस्त किया कि निश्चित रूप से ऐसा हीं होगा और अब शिकायत का मौका नहीं मिलेगा .प्रतिनिधिमंडल में रामकुमार यादव, शब्बर फातमी, चंद्रशेखर भगत, महादेव ठाकुर, उमेश निषाद भी शामिल थे.

कृषि मंत्री से मिलते राजद अध्यक्ष संजय यादव, कैलाश यादव व अन्य.

कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने राज्यपाल से भेंट की

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की. राज्यपाल को उन्होंने बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में "विश्व आदिवासी दिवस" के अवसर पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. मौके पर विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे.

कार्रवाई अमन साहू गिरोह के अपराधी के पास से मोबाइल बरामद

सिमडेगा जेल में एटीएस की छापेमारी

संवाददाता। रांची

झारखंड एटीएस ने सिमडेगा जेल में गुरुवार को छापेमारी कर जेल में बंद अमन साहू गिरोह के अपराधी आकाश राय उर्फ मोनू के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया. एटीएस को सूचना मिली थी कि अपराधी जेल में रहते हुए मोबाइल का उपयोग कर जेल से ही आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. इस खबर के बाद एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा ने सिमडेगा पुलिस की मदद से जेल में करीब पांच घंटे तक छापेमारी की. इसके बाद एक निर्माणाधीन बैरक के पास से मेटल डिटेक्टर की मदद से जमीन के नीचे छुपा कर रखा गया एक स्मार्ट फोन बरामद किया.

साल 2021 में आकाश राय हुआ था गिरफ्तार

पुलिस ने साल 2021 में अवैध हथियारों के साथ आकाश राय को गिरफ्तार किया था. तब से ही वह जेल में बंद है. लेकिन जेल से ही वर्चस्व कायम रखे हुए है. पिछले दो सालों से वह सिमडेगा जेल में बंद है. जेल कर्मियों की मिलीभगत से आकाश राय जेल में मोबाइल उपलब्ध करवा लेता है और फिर उसी से कारोबारियों को धमकी देता है. इसके बाद अपने गुर्गों को आपराधिक कांडों को अंजाम देने का निर्देश देता है.

गढ़वा और छत्तीसगढ़ में जेल से कराया कांड

जानकारी के मुताबिक जेल से जो मोबाइल बरामद हुआ है, उसी के माध्यम से आकाश राय अपने बॉस गैंगस्टर अमन साव और कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई से संपर्क करता था. आकाश राय के कहने पर ही गढ़वा और छत्तीसगढ़ में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था. एटीएस की टीम अब आकाश राय के मोबाइल का कॉल डिटेल्स खंगाल रही है. आकाश के मोबाइल में कई तरह के चौंकाने वाली जानकारियां भी मिली हैं, जो एटीएस की जांच की दिशा को और बेहतर करेगी.

क्लासिफाइड

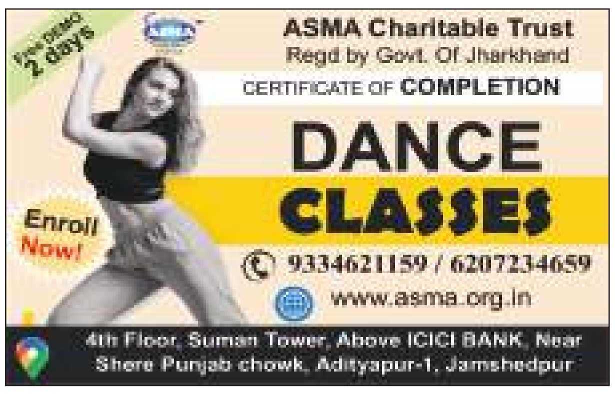

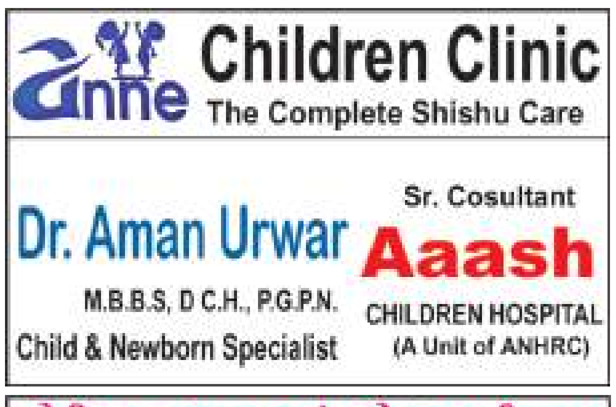

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.9	26.3
जमशेदपुर	34.3	24.7
डालटनगंज	32.0	26.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 123 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिल कर प्रयास करना होगा

हमें विरासत में मिला है संघर्ष: मुख्यमंत्री

रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ, उमड़ी भारी भीड़

राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद शिबू सोरेन व सीएम हेमंत ने किया उद्घाटन, कल्पना भी रहीं मौजूद

प्रवीण कुमार। रांची

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2024 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ. उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्य अतिथि एवं राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष -सह- राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे. कार्यक्रमकी अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है. यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता-संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश -दुनिया में पहचान दिलाने का एक प्रयास है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है. इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है. यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत- नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है.

आदिवासी महोत्सव समारोह में राज्यपाल, सांसद शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री मंच पर. फोटो- रमीज

जनजातीय सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है. आदि काल से ही आदिवासियों की सभ्यता –संस्कृति और परंपरा काफी समृद्ध रही है. दुनिया में अलग–अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय वास करते हैं, लेकिन उनके सभ्यता –संस्कृति में कहीं न कहीं एकरूपता देखने को मिलती रहती है. जनजातीय कला– संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित करने के साथ समृद्ध करने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत हमेशा बना रहे. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों को विरासत में संघर्ष मिला है. यहां के आदिवासियों ने अपनी सभ्यता– संस्कृति और मान–सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया. जल– जंगल –जमीन की रक्षा की खातिर लंबा संघर्ष किया. हमें गर्व है अपने उन वीरों पर, जिन्होंने अन्याय, शोषण एवं देश–राज्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया.

वीरों और शहीदों की धरती रही है झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सदियों से वीरों और शहीदों की धरती रही है. चाहे आजादी के पहले की बात हो या आजादी के बाद अथवा अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई. बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, भैरव– चांद, फूलो झानो, नीलाम्बर पीताम्बर, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुधु भगत, टाना भगत, निर्मल महतो और विनोद बिहारी महतो जैसे अनेक वीर हुए हैं, जिन्होंने अन्याय –शोषण, आदिवासी–मूलवासी के हक–अधिकार, और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दे दी. अपने इन वीर शहीदों को नमन है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों को बहुत संघर्ष के बाद मुकाम हासिल होता है. इसके लिए उन्हें एक लम्बी लड़ाई लड़नी होती है. ऐसे में आदिवासी समाज कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सरकार तो प्रयास कर ही रही है. आपको भी अपनी भूमिका निभानी होगी. आप आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ है.

12 पुस्तकों का विमोचन, 257 लोगों को मिला वन पट्टा

इस महोत्सव में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, अध्यक्ष राज समन्वय समिति शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्यों ने डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित 12 पुस्तकों का विमोचन किया. वहीं, 257 हीं लोगों के बीच 73 हज़ार 5 सौ 83 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस महोत्सव में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा एवं आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित कई वरीय अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद रहे.

झारखंड में पेसा कानून शीघ्र लागू करे सरकार : राज्यपाल

ब्यरो। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में पेसा नियमावाली नहीं बनाये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि जनजातीय समुदाय की पारंपरिक शासन व्यवस्था को राज्य में लागू करना जरूरी है. वर्तमान में देश में झारखंड ही एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां पेसा कानून लागू नहीं है. मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे शीघ्र इस कानून को राज्य में लागू करायें. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय की आबादी लगभग 27 प्रतिशत है. यहां 32 अनुसूचित जनजातियां रहती हैं. जनजाति समाज हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है. जिन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान और संस्कृति के माध्यम से हमारे देश की विविधता को और भी समृद्ध किया है. हालांकि, आज भी हमारे आदिवासी समुदाय को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर हमें और अधिक काम करने की आवश्यकता है. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ लोगों को मिले. वे शुक्रवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे.

आदिवासी समुदाय की संस्कृति को संरक्षित करने का संकल्प लें

राज्यपाल ने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और इसे संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आदिवासी समाज में दहेज–प्रथा जैसी कुरीतियां नहीं हैं, लेकिन डायन–प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियां आज भी मौजूद हैं, जिसे जागरूक होकर हम सबको दूर करना होगा. सरकार छात्रवृत्ति योजनाएं चला रही हैं. हमारे छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं. उन्होंने अल्पायु में ही इतिहास रच दिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया.

- शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर राज्य में काम करने की जरूरत

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मालगाड़ी फिर बेपटरी हुई, कोई हताहत नहीं

गुवाहाटी/कटिहार। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कुमेदपुर रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए.पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 10:45 बजे हुई. मालगाड़ी के कुल पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है.

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) बिल, 2024 पेश किया. इसमें प्रावधान है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार नॉमिनी तक दर्ज करा सकेगा. अभी तक एक ही नॉमिनी होता था. अगर यह बिल संसद से पारित होता है, तो अब नॉमिनी को बढ़ा कर चार तक किया जा सकेगा.

बड़े फैसलों का दिन: सुप्रीम कोर्ट ने एक ही दिन दिए तीन बड़े आदेश

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत, जेल से निकले बाहर

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आबकारी नीति से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को रिहा करने का आदेश जारी कर दिया. विशेष जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया के अधिवक्ताओं की ओर से मुचलकों और जमानत राशियों के भुगतान को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया. देर शाम सिसोदिया जेल से बाहर आ गए. आम आदमी पार्टी के नेताओं -कार्यकर्ताओं ने सिसोदिया का जोरदार स्वागत किया. इससे पूर्व कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को जमानत दे दी गई. सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद थे. कथित शराब घोटाले में ट्रायल शुरू होने में हुई देरी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में जमानत दे दी है. इसके बाद आम आदमी पार्टी ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है और कहा कि सत्य की जीत हुई है. सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और

- 10 लाख का मुचलका, हफ्ते में दो दिन थाने में हाजिरी, इन शर्तों पर मिली जमानत

जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर 6 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था. शुक्रवार को इस पर फैसला देते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि 17 महीने की लंबी कैद और मुकदमा शुरू न होने के कारण उन्हें सुनवाई के अधिकार से वंचित किया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि 400 से ज्यादा गवाहों को देखते हुए जल्द ही इसका ट्रायल पूरा होने की संभावना भी नहीं दिखती.

इन शर्तों पर मिली है जमानत : मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो समाज के सम्मानित व्यक्ति हैं और उनके भागने की आशंका भी नहीं है.

-शेष पेज 11 पर

नहीं टलेगी नीट यूजी की परीक्षा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को होने वाली नीट–पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग से संबंधित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते. पीठ ने कहा, हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं. संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं. यह एक आदर्श दुनिया नहीं है. हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं. याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट–पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक परीक्षा सुबह और एक दोपहर बाद होनी है. याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है.

हिजाब पर ही बैन क्यों? तिलक और बिंदी पर भी क्यों न लगे...

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण आदेश में मुंबई के एक कॉलेज द्वारा जारी सर्कुलर पर रोक लगा दी, जिसमें कॉलेज परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस आदेश पर सवाल उठाया और धार्मिक प्रतीकों पर चुनिंदा प्रतिबंध लगाने के कॉलेज के निर्णय की आलोचना की. लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेज के इस निर्देश पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि इरादा एक समान ड्रेस कोड लागू करने का था, तो केवल हिजाब, नकाब और बुर्का जैसे इस्लामी परिधानों पर ही प्रतिबंध क्यों लगाया गया? जस्टिस संजय कुमार ने यह भी पूछा कि यदि कॉलेज वास्तव में एक निष्पक्ष और समान नीति लागू करना चाहता था तो क्या तिलक और बिंदी जैसे अन्य धार्मिक चिह्नों पर भी प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए था?

क्या है मामला : यह मामला उस समय सामने आया जब विज्ञान डिग्री के दूसरे और तीसरे वर्ष की नौ

- सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के एक कॉलेज के आदेश पर जताया कड़ा एतराज

छात्राओं ने कॉलेज के इस निर्देश को चुनौती दी. उन्होंने इसेअपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देखा, जिसमें धर्म का पालन करने का अधिकार, निजता का अधिकार और पसंद का अधिकार शामिल है. छात्राओं का तर्क था कि कॉलेज का यह निर्णय न केवल संविधान द्वारा प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन करता है, बल्कि उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाता है. इससे पहले, बॉम्बे हाईकोर्ट ने कॉलेज के इस प्रतिबंध के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट नेइस फैसलेको चुनौती देनेवाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कॉलेज के सर्कुलर पर रोक लगा दी.

-शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर एक्शन

शाह ने बनाई कमेटी

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर शुरू हुए बवाल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से उनकी कुर्सी छीन ली. इसके बाद से ही बांग्लादेश में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई समेत अन्य) के खिलाफ हिंसा भड़क गई है. इस मामले पर अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर एक कमेटी का गठन किया गया है. ये कमेटी बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मौजूदा हालात का जायजा लेगी. इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत करके वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति का संरक्षण सुनिश्चित कराएंगे. इस समिति में विभिन्न विशेषज्ञ, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि और कूटनीतिक अधिकारी शामिल हैं, जो बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर काम करेंगे.समिति का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की स्थिति का विश्लेषण करना, उनके सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाना है.

-शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी सरकार

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय बांग्लादेश में रह रहे भारतीय हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए वहां की अंतरिम सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी. साथ ही गृह मंत्रालय की ये कमेटी

भारत–बांग्लादेश के बॉर्डर पर हालात का भी नजर बनाए रखेगी. गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ''एक्स'' पर पोस्ट करते हुए लिखा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत–बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है. ये समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी, जिससे वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे.

बढ़ी तकरार सभापति जगदीप धनकड़ से आर-पार के मूड में पूरा विपक्ष, पक्षपात का लगाया आरोप

पद से हटाने के लिए आ सकता है महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी। नयी दिल्ली

संपूर्ण विपक्ष राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है. राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टोन पर सवाल उठाए.

सभापति जगदीप धनखड़ भड़के और उन्हें मर्यादित आचरण की नसीहत दे डाली. इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने दादागीरी नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए वॉकआउट कर दिया. राज्यसभा में विपक्ष के आचरण को अमर्यादित बताते हुए जेपी नड्डा द्वारा लाया गया निंदा प्रस्ताव भी पारित हुआ. हंगामे और निंदा प्रस्ताव के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

कहां से शुरू हुआ विवाद

दरअसल राज्यसभा में शून्यकाल की कार्यवाही पूरी होने के बाद प्रश्नकाल शुरू होने से पहले विपक्ष ने मल्लिकार्जुन खरगे को लेकर घनश्याम तिवाड़ी की ओर से की गई टिप्पणी का मुद्दा उठा दिया. कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि कुछ आपत्तिजनक बातें कही गई थीं. इस पर आपने कहा था कि रूलिंग देंगे. उन्होंने सवाल किया कि वह रूलिंग क्या है? इसके जवाब में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और घनश्याम तिवाड़ी, दोनों ही मेरे चैंबर में आए थे. एक–एक चीज पर नजर डाली गई.

जयराम रमेश ने उठाई माफी की मांग

उन्होंने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने कहा था कि अगर कुछ भी आपत्तिजनक हो तो मैं सदन में माफी मांगने के लिए तैयार हूं. खरगे जी भी इस पर सहमत थे कि कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, उस समय समझ नहीं आया. उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे की प्रशंसा में घनश्याम तिवाड़ी ने श्रेष्ठतम बातें कही थीं. कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था. इस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बातें सदन को भी जाननी चाहिए. सभापति ने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने संसदीय भाषा में अपनी बातें कहीं. जयराम रमेश ने माफी मांगने की मांग की. इस पर सभापति ने कहा कि प्रशंसा के लिए कोई माफी नहीं मांगता. वे माफी नहीं मांगेंगे. प्रमोद तिवारी ने कहा कि जो शब्द कहे थे, वह दोहराना नहीं चाहता. जो टोन थी, वह विपक्ष के नेता के लिए ठीक नहीं थी. जयराम रमेश ने कहा कि परिवारवाद का आरोप था, परिवारवाद की बात थी.

क्या कहता है अनुच्छेद 67? : अनुच्छेद 67 (बी) कहता है कि उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित और लोकसभा द्वारा सहमत एक प्रस्ताव द्वारा उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है. इसके लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए.

-शेष पेज 11 पर

शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन सौंपनी है रिपोर्ट

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित, 31 सदस्य नामित

एजेंसी। नयी दिल्ली

- संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई

संसद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के गठन की खातिर लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों को नामित करने के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी.

इस जेपीसी में लोस से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है. उनमें भाजपा के 8 व कांग्रेस के 3 सांसद शामिल हैं. रास से शामिल सदस्यों में से 4 भाजपा के व 1-1 सदस्य कांग्रेस, टीएमसी, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के हैं. एक मनोनीत सदस्य को भी समिति में रखा गया है. इस प्रकार इस समिति के कुल सदस्यों की संख्या 31 हो गई.

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई. समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है. सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन बिल गुरुवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद जेपीसी के पास भेजने का फैसला हुआ था. रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया था. इस बीच, शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई.

ये हैं समिति में शामिल

लोकसभा सदस्यों में भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को इस समिति में शामिल किया गया है, जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इसका सदस्य बनाया गया है. सपा के सदस्य मौलाना मोहिबुल्ला नदवी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेदेपा के लावू श्रीकृष्णा, जदयू के दिलेश्वर कामत, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (एसपी) के सुरेश गोपीनाथ म्हत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोजपा (आर) के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं.

- शेष पेज 11 पर

शहर में आज

1. भाकपा माले और मासस की प्रेस वार्ता, प्रेस क्लब में दोपहर 2 बजे|
2. राजद कार्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम दोपहर 3 बजे
3. पोस्टल एंड आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक, रांची जीपीओ में दोपहर 12 बजे
4. प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

आदिवासी दिवस पर मंत्री ने दी शुभकामनाएं

रांची । केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विश्व आदिवासी दिवस पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति के उपासक और संस्कृति के संरक्षक हैं. आदिवासी समाज जो सदियों से अपनी अनूठी जीवन शैली से अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और ज्ञान के साथ मानव को समृद्ध करते आए हैं, संघर्ष, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक हैं. आदिवासियों का आदर्श पूर्ण जीवन निस्वार्थ भाव से प्राकृतिक और मानव समाज के लिए किया गया. उनका कार्य हम सब के लिए अनुकरणीय है. भगवान राम के काल की बात हो या भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, हर कदम पर आदिवासी समाज ने त्याग, संघर्ष, वीरता और बलिदान की अद्भुत मिसाल पेश किया है. आपकी जीवनशैली अनुकरणीय है.

257 ग्रामसभा सभा को मिला सामुदायिक पट्टा

रांची। झारखंड आदिवासी महोत्सव के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, अध्यक्ष राज समन्वय समिति-सह-राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन और माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और मंच पर मौजूद थे. उन्होंने 257 ग्राम सभा के बीच 73 हजार पांच सौ 83 एकड़ सामुदायिक वनपट्टा का वितरण किया गया.

कम्युनिस्ट आंदोलन के प्रमुख स्तंभ थे बुद्धदेव

रांची। सीपीएम राज्य कार्यालय में शुक्रवार को बुद्धदेव भट्टाचार्य की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता सुखनाथ लोहरा ने की. मौके पर पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि बुद्धदेव भट्टाचार्य भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन के एक प्रमुख स्तंभ थे. उन्होंने वाम मोर्चा सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में पं. बंगाल के औद्योगिकरण के लिए अथक प्रयास किया. वे एक कवि और लेखक के रूप में भी जाने जाते थे. वे एक अत्यन्त सरल व्यक्तित्व के राजनेता थे. जिन्होंने सादगीपूर्ण जीवन बिताया. मुख्यमंत्री रहते हुए भी वे मात्र दो कमरे के आवास में रहते थे. उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले पद्मविभूषण पुरस्कार को भी लेने से इंकार कर दिया था. सचिव मंडल सदस्य समीर दास ने कहा कि पं बंगाल में वाम मोर्चा की सरकार एक जनपक्षीय सरकार थी, जिसने ऐतिहासिक भूमि सुधार लागू कर ग्रामीण बंगाल को एक नई दिशा दी और पूरे राज्य को अनाज के मामले में आत्म निर्भर बनाया. कृषि के विकास के बाद वहां उद्योगों का विकास शुरू किया गया था.

फोटो : रमीज

विश्व आदिवासी दिवस पर राजधानी में रही कार्यक्रमों की धूम, अधिकार यात्रा निकाली गई, लोकगीतों पर झूमे आदिवासी

धर्म, संस्कृति व सभ्यता बचाने का लिया संकल्प

बसंत मुडा। रांची

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की की अगुवाई में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अधिकार यात्रा निकाली गई, जिसमें आदिवासियों के सरना धर्म कोड की मांग की गई. आदिवासी दर्शन में नदी, नाला, पहाड़, पर्वत, धर्म संस्कृति, सभ्यता और परंपरा को बचाने का संकल्प लिया. वहीं यात्रा में खोड़हा दल अपनी रीति रिवाज और वेशभूषा के साथ शामिल हुए और आदिवासी पहचान की झलकियां दिखाईं. वहीं केंद्रीय सरना समिति का अध्यक्ष अजय तिर्की ने खोड़हा दल में आये सभी दलो को पांच मुर्गियां, एक सखुवा का पेड़ और पांच हजार नकद पुरस्कार दिया गया. वही अजय तिर्की ने कहा कि देश में आदिवासियों पर अत्याचार, शोषण बढ़ रहा है. आदिवासियों का हक और अधिकार की बात सरकार के मुख्य द्वार पर पहुंचे और जल, ज़गल और जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित हो. हसदेव जंगल की कटाई पर रोक लगाई जाए. क्योंकि जंगल ही आदिवासियों की पहचान है. राज्य भर में आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है. इसपर जल्द रोक लगाई जाए और उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि नशा पान से दूर रहें. मौके पर कुमार राजा,जोय चक्रवर्ती, जितेन्द्र गुप्ता, राहुल उरांव,अशोक लोहरा, प्रकाश हंस,रुपचंद, संतोष तिर्की, कैलाश तिर्की छोटु आदिवासी, अरविंद लकड़ा समेत अन्य शामिल थे.

समाज को एकजुट रखने की जरूरत

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप के नेतृत्व में पिस्का मोड़ से अल्बर्ट एक्का चौक तक रैली निकाली गई. प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि आज आदिवासी समाज को हर हाल में एकजुटता बनाए रखने की जरूरत है, क्योंकि देशभर का आदिवासी समाज अपने इतिहास के सबसे निर्णायक अस्तित्व की लड़ाई का सामना कर रहा है. आदिवासी ही प्रकृति के रक्षक हैं, संस्कृति ही आदिवासियों की पहचान है, जल जंगल जमीन की रक्षा करें. पुरखों ने समृद्ध संस्कृति दी है, वैचारिक रूप से मजबूत बनें. सिर्फ नाचने-गाने के लिए आदिवासी दिवस नहीं है. यह सचेत होने का समय है. भाषा जब तक जिंदा है, तब तक आदिवासियत है. ताकतवर लोग आदिवासी की जमीन लूटने में लगे हुए है. भाषा एवं संस्कृति को गैर जनजातीय विवाह के माध्यम से समाप्त किया जा रहा है. इसे बचाने की आवश्यकता है. मौके पर दिनेश उरांव, धरमू उरांव, भोला तिर्की, सती तिर्की, लालू उरांव, अनिता उरांव, गुड्डु उरांव, कुलदीप उरांव, बुधनी उरांव, प्रमिला उरांव, संगीता गाड़ी, रीता खलखो, नीलम उरांव, पिंकी कुजूर, सुनिता कुजूर, वृद्धि उरांव, सीटीओ उरांव, पार्वती उरांव, शोभा तिर्की, नुरी तिर्की आदि मौजूद थे. बाइक रैली से आदिवासी अस्तित्व बचाने का संदेश दिया.

आदिवासी हितों की सुरक्षा हो

भारत आदिवासी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज कच्छप ने कहा कि देश में आदिवासियों के लिए जो नियम कानून बने हैं . उन्हें लागू किया जाए, ताकि देश के आदिवासियों को अपना हक अधिकार मिल सके . आदिवासियों की धर्म, संस्कृति और विरासत को बचाना है . जल, जंगल औऱ जमीन की रक्षा करनी है . पूरे देश में हालात खराब हैं . देश में जनविरोधी काम हो रहा है . आदिवासी हितों की सुरक्षा के लिए काम करना होगा . आदिम जनजाति के लिए सुरक्षा नहीं हो पा रही है . अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासी दर्शन से ही देश दुनिया बचेगी . बौद्धिक रूप से आदिवासियों को जागरूक होना होगा . आदिवासियों की सुरक्षा के लिए राजनीति और बुद्धिजीवियों को आगे आने की जरूरत है . धर्म संस्कृति को संवारना होगा . मौके पर सुरेद्र लिंडा, अभय भुटकुंवर ,कंदरसी मुंडा, सुरेद्र लिंडा नंदलाल करमाली, किशुन लिंडा,ईसा केरकेट्टा, किस्टूमनी आदि शामिल थे .

'कानून का पालन नहीं'

आदिवासी मूलवासी सदान मोर्चा के अध्यक्ष सुरज टोप्पो और संरक्षक रंजित टोप्पो ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर युवा जाग चुके हैं . झारखंड के राजनीतिक दलों ने आदिवासियों के हक अधिकार दिलाने में सफल नहीं हुए, बल्कि राज्य के आदिवासी नेताओं के रहते राज्य में सीएनटी एक्ट/ एसपीटी एक्ट कानून पालन नहीं हो पा रहा है . झारखंड के 23 साल पूरे हो गये हैं . आज राज्य में हजारों एकड़ जमीन आदिवासियों के हाथों से निकल गई है .

'आदिवासी पर हमला'

अनिल उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज पर चौतरफा हमला हो रहा है . जमीन दिनदहाड़े लूटी जा रही है . यह बात युवा पीढ़ी समझ चुकी है . अब युवा नई उलगुलाल करने का संकल्प लिया है .ये संकल्प आदिवासियों के जल जंगल व जमीन की सुरक्षा की गारंटी होगी .क्योकि अब जमीन कारोबारी को चिन्हित किया जाएगा . उनके ऊपर कारवाई की जाएगी ताकि आदिवासियों के अस्तित्व को बचाना बहुत जरूररू है . जल, जंगल औऱ जमीन बचेगी तभी आदिवासी बचेगी .

सम्मान समारोह में आजसू प्रमुख ने कहा

बिना किसी पद-पावर के आदिवासी समाज ने की है प्रकृति की रक्षा

संवाददाता। रांची

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन का सामना कर रही है, इस समस्या से निपटने का समाधान प्रकृति सेवक आदिवासी समाज के जीवन शैली में छिपा है. प्रकृति संवर्धन, सामूहिकता और संतुलन आदिवासी जीवन का अभिन्न भाग है. बिना किसी पद और पावर के आदिवासी समाज ने प्रकृति की रक्षा करने का काम किया है. लोगों में आदिवासी दर्शन होना जरूरी है.

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने सिल्ली में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित आदिवासी अखड़ा सह सम्मान समारोह में कही. इस दौरान सिल्ली विधानसभा के सभी ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया. उन्होंने कहा कि पंचायती व्यवस्था से जुड़े ग्राम प्रधान, सरपंच को शक्तियां देनी होगी. प्रारंभिक निर्णय लेने का अधिकार ग्राम प्रधान के पास होनी चाहिए, हर फैसले में शासन का हस्तक्षेप न हो, इस व्यवस्था को स्थापित करने और सुदृढ़ करने की हमारी तैयारी है. अपनी आवश्यकताओं, हक और अधिकारों के लिए मुखर होना जरूरी है. आदिवासी अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए हमें संगठित होकर कार्य करना है.

राज्यभर में आदिवासी अखड़ा का आयोजन

आजसू पार्टी द्वारा पूरे राज्य में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी अखड़ा का आयोजन किया गया . मौके पर आदिवासी कला, संस्कृति और सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गये . साथ ही आदिवासी वीर शहीदों की शौर्य गाथा एवं बलिदान पर चर्चा के साथ समाज में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया . मौके पर पौधा वितरण भी किया गया . मौके पर सिल्ली राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंहदेव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष चितरंजन महतो, जितेंद्र बड़ाईक, जयपाल सिंह, संजय सिद्धार्थ, चितरंजन महतो, गौतम साहू, जितेंद्र बड़ाईक, आरती देवी, सिल्ली प्रखंड पदाधिकारी रेनुबाला, दिपद भंजन सिंह मुंडा, सुसैन प्रमाणिक, बादल सिंह मुंडा, अनिल मांझी, शर्मिला कुमारी आदि शामिल थे .

आदिवासी महोत्सव में लोगों को भा रहा पारंपरिक वाद्ययंत्र और व्यंजन

शुभम किशोर रांची

रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का शानदार आगाज हुआ. राज्य के कोने-कोने से पहुंचे हजारों की संख्या में लोगों ने महोत्सव के पहले दिन लुत्फ उठाया. पारंपरिक परिधान में पहुंचे लोगों के बीच अलग अलग वेशभूषा में आए लोगों ने आदिवासी दिवस की रौनक बढ़ा दी. सभी लोग मांदर के ताल पर खूब थिरके.

झारखंड आदिवासी महोत्सव में लगे प्रदर्शनी हॉल में अलग-अलग राज्यों से विभिन्न प्रकार के ट्राइबल स्टॉल लगाए गए हैं. इनमें पारंपरिक परिधान, हैंटमेड प्रोडक्टस के साथ लोगों को जागरूक करने के लिए कई स्टॉल लगाए गए हैं. इन स्टॉलों में एक स्टॉल चला अखरा लोगों को काफी आकर्षित कर रहा है. इस स्टॉल में संथाल ट्राइब का वाद्ययंत्र मुख्य आकर्षण का केंद्र है. इसके अलावा इस स्टॉल में मांदर और नगाड़ा भी उपलब्ध हैं. पारंपरिक व्यंजन का लोगों ने लिया मजा आदिवासी महोत्सव में राज्य के कई जिलों से आए लोगों ने पारंपरिक व्यंजन के स्टॉल लगाए हैं. इनमें पाजपोड़ा रोटी, मडुआ रोटी, मालपुआ, पीठा, घुस्का, छिलका रोटी, चावल का लड्डू, गुंडली का हलवा, डम्बू जैसे वेज खाने के अलवा नॉन वेज में पत्ते में सेंका हुआ चिकन, बिरयानी लोगों ने खूब चाव से खाए. यहां पर खाने के सामान की क़ीमत 20 रुपये से शुरू है.

प्रकृति जिंदा रहेगी तो हम जिंदा रहेंगे : डॉ. एसएन मुंडा

- डीएसपीएमयू रांची में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

संवाददाता रांची

डीएसपीएमयू में कार्यक्रम के दौरान पूर्व कुलपति डॉ. सत्यनारायण मुंडा व अन्य.

अपनी भाषा संस्कृति, पहचान एवं हक अधिकार को पहचानना होगा. इसको संजोकर रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. प्रकृति जिंदा रहेगी तो हम जिंदा रहेंगे. अपनी भाषा संस्कृति को यथा संभव देश विदेश के कोने - कोने में प्रचार प्रसार करने की जरूरत है. यह बात डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सभागार में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. सत्यनारायण मुंडा ने कहीं. उन्होंने कहा कि यूनेस्को की ओर से विश्व आदिवासी दिवस मनाने के पीछे यही मुख्य उद्देश्य है.

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के एनसीसी के केप्टन डॉ. गणेश चंद्र बास्के ने यूनिस्को की ओर से इस दिवस को मनाने के बाद जल, जंगल, जमीन का संरक्षण के लिए विश्व के आदिवासी एकजुट होने लगे. इसकी शुरुआत 2007 से शुरू हो गई है. इन्होंने राज्य एवं राष्ट्र के निर्माण में आदिवासियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला. झारखंड में 241 एवं पूरे भारत में 559 आदिवासी समुदाय के होने की बात कही. उन्होंने आदिवासियों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि दिन के दिन जंगल कटने के फलस्वरूप जंगली जानवरों का प्रकोप आदिवासियों पर बढ़ गया है. आदिवासी यदि अपने आपका सम्मान करना सीख लें तो समाज का सम्मान स्वतः बढ़ जायेगा. इतिहासकार डॉ. दिवाकर मिंज ने आदिवासियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ापन, हिचकिचाहट, आदिवासियत, स्वाभिमान होने से ही स्वलंबी होने की बात कही. साथ ही उन्होंने उरांव जनजाति में पाये जाने वाले 64 गोत्रों की विभिन्न विशेषताओं का जिक्र विस्तार पूर्वक किया. मौके पर सहायक प्राध्यापक दिलदार पूर्ति, संताली विभाग के संतोष मुर्मू, डॉ. डूमनी माई मुर्मू, खड़िया के शांति केरकेट्टा, मुंडारी विभाग के डॉ. दशमी ओड़ेया समेत अन्य शिक्षक, कमर्चारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

कार्यक्रम निकाली बाइक रैली, अल्बर्ट एक्का चौक पर बीस हजार फलदार पौधे का किया गया वितरण

चडरी सरना समिति ने अनोखे अंदाज में मनाया आदिवासी दिवस

संवाददाता। रांची

विश्व आदिवासी दिवस में चडरी सरना समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को अनोखे अंदाज में आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया. केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में अल्बर्ट एक्का चौक पर 20 हजार फलदार पौधे का निःशुल्क वितरण किया. उन पौधों में सखुआ, आम, आंवला, अनार, अमरूद, करम, सागवान, कटहल आदि शामिल थे.

इस अवसर पर अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड प्रदेश में सरकार द्वारा आदिवासी महोत्सव मनाया जा रहा है. वहीं दूसरी तरफ आदिवासी समाज के साथ अत्याचार, शोषण, आदिवासी समाज का हो रहा लगातार धर्मांतरण, जल, जंगल, जमीन की लूट के साथ ही आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, रीति, रिवाज व परंपरा की लूट हो रही है. आदिवासियों भाई बहनों के साथ लगातार बलात्कार और हत्या हो रही है. वहीं आदिवासी मुख्यमंत्री आदिवासी महोत्सव मना रहे हैं. आदिवासी समाज पूरी तरह सुरक्षित एवं विकसित नहीं हो जाता, तब तक आदिवासी महोत्सव मनाना उचित नहीं है. केंद्रीय सरना समिति विश्व आदिवासी दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया. मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि प्रकृति एवं पर्यावरण को बनाए रखने पर ही हम सभी सुरक्षित रह सकते हैं. हम सुरक्षित रहेंगे. तब ही अपने धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचा पाएंगे. नई पीढ़ी पूर्वजों द्वारा दी गई पारंपरिक रूढ़िवादी धर्म संस्कृति रीति रिवाज व्यवस्था को बचाए एवं बरकरार रखे.

मौके पर विधायक सीपी सिंह, पूर्व उप महापौर संजीव विजयवर्गीय, कोतवाली डीएपी प्रकाश सोय, कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत सिन्हा, केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, जगलाल पहान, सुरेंद्र लिंडा, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा, शोभा कच्छप, जगन्नाथ तिर्की, किरण तिर्की, अशोक उरांव, विश्वास उरांव समेत अन्य शामिल थे. अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद और ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट आदिवासी संगठन के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर रांची के तेलंगा खड़िया चौक लावडीह से आरंभ होकर परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक में समापन किया गया. इस दौरान लगभग 22 किलोमीटर का सफर तय किया गया. इस अवसर पर हर चौक-चौराहों पर शहीदों के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष पवन तिर्की ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के जनजातियों को एक सूत्र में बांधने के सराहनीय कदम है. इससे आदिवासी संस्कृति परंपरा और उनके अधिकारों को बचाने के लिए किया गया है. राज्य और केंद्र सरकार दोनों ने आदिवासियों के हित के लिए आज तक सुदृढ़ बनाने का कार्य नहीं किया है.

खास बातें

- पर्यावरण को बचाने से ही हम सुरक्षित रह सकते हैं : पहान
- नई पीढ़ी पर अपनी संस्कृति सभ्यता बचाने की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने मनाया अगस्त क्रांति दिवस, शहीदों को किया याद

संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शुक्रवार को अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया. इस मौके पर नेताओं व कार्यकर्ताओं ने शहीदों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को याद किया. वक्ताओं ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में 9 अगस्त 1942 का दिन स्वतंत्रता आंदोलन का एक निर्णायक मोड़ था. मौके पर अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति, निरंजन पासवान, जगदीश साहू, गुंजन सिंह, राजेश सिन्हा, सन्नी, नेली नाथन, बेलस तिर्की, प्रभात कुमार, प्रशांत पांडे, जितेंद्र त्रिवेदी, नरेंद्र कुमार लाल, अनुकूल मिश्रा, राजीव चौधरी, रीता चौधरी, पिंकी सिंह, अनीता टोप्पो, संजय सरैया आदि उपस्थित थे.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, ~~मूल्य~~ : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 123

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 10

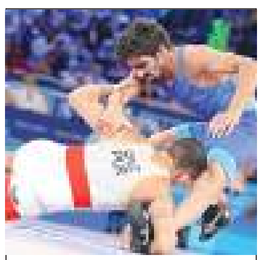

अमन ने भी दिलाया कुश्ती में ब्रॉन्ज

पेरिस। ओलंपिक 2024 में भारत के अमन सहरावत ने 57 किलोग्राम वर्ग में परचम लहरा दिया. अमन ने कड़े मुकाबले में प्यूर्टो रीको के रेसलर को 13-5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया. इस तरह पेरिस ओलंपिक के 14वें दिन भारत की झोली में छठा मेडल आ गया है. भारत के अमन सहरावत ने पहले ही राउंड में अपना दबदबा बनाते हुए अपने विरोधी पर 6-3 की बढ़त बना ली थी. इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमन ने अपनी बढ़त को बरकरार रखा था.आखिर के बचे हुए दो मिनट के खेल में अमन ने प्यूर्टो रीको के रेसलर पर 8-5 की बढ़त बना ली थी. आखिर के बचे हुए एक मिनट में तो अमन ने 12-5 की लीड हासिल कर ली थी. समय खत्म होने के साथ ही अमन ने 13 पॉइंट लेकर मैच को अपने नाम कर लिया.

खिलाड़ियों की भूमि झारखंड के साथ सरासर अन्याय

हेमंत ने 'खेलो इंडिया स्कीम' में केंद्र से राज्यों को मिलने वाली मदद पर उठाया सवाल

संवाददाता।रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेलो इंडिया स्कीम के तहत केंद्र सरकार से राज्यों को मिलने वाली धनराशि पर सवाल उठाया है. उन्होंने शुक्रवार की रात करीब 10.40 बजे अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स (फेसबुक व एक्स) पर पोस्ट कर कहा है कि झारखंड को सिर्फ नौ करोड़ रुपए का मिलना सरासर अन्याय है. झारखंड को गोवा के बाद सबसे कम राशि मिली है. गोवा को 4.24 करोड़ रुपए मिले हैं, जबकि झारखंड को 9.63 करोड़ रुपए. हालांकि लिस्ट देख कर स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि यह किस वित्तीय वर्ष का है. हेमंत सोरेन ने इस योजना के तहत राज्यों के मिलने वाली राशि की लिस्ट भी शेयर की है. लिस्ट में राज्यों के सामने आवंटित राशि अंकित है. लिस्ट में एक जगह पर हॉकी का चिन्ह है. वहां 426.13 करोड़ रुपए दर्ज है. यह राशि गुजरात सरकार को दी गई है. यह राशि उत्तर प्रदेश से 12 करोड़ कम है, लेकिन अन्य किसी भी राज्य की राश 300 करोड़ अधिक नही है.

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया स्कीम के तहत राज्यों को मिलने वाली राशि पर सवाल उठ रहे हैं. सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि गुजरात सरकार को इतनी अधिक राशि दी जाती है, जबकि शायद ही वहां का कोई खिलाड़ी ओलंपिक में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पा रहा है. जबकि हरियाणा और मणिपुर जैसे राज्य, जहां के कई खिलाड़ी अच्छे प्रदर्शन करते हैं, उन राज्यों को सिर्फ क्रमशः 66.59 करोड़ व 46.71 करोड़ रुपए मिले हैं.

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से सांसद कीर्ति आजाद ने भी शुक्रवार की सुबह में सोशल मीडिया एक्स पर इस आवंटन लिस्ट को जारी किया था. उन्होंने सवाल उठाया था कि मणिपुर व हरियाणा राज्य, जहां के ओलंपियंस सबसे अधिक मेडल देश के लिए लाते हैं, उन्हें कितनी कम राशि मिलती है और गुजरात को कितनी अधिक, जहां से कोई भी खिलाड़ी कभी उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं करता (क्रिकेट को छोड़ कर). उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया स्कीम के तहत राज्यों में खेल की आधारभूत संरचना के विकास के लिए केंद्र सरकार सालाना दो हजार करोड़ से अधिक रुपए खर्च करती है.

राज्य किसको कितनी धनराशि (करोड़ में)

राज्य	धनराशि	राज्य	धनराशि
आंध्र प्रदेश	21.91	महाराष्ट्र	87.43
अरुणाचल प्रदेश	148.91	मणिपुर	46.71
असम	43.68	मेघालय	16.28
बिहार	20.34	मिजोरम	31.73
छत्तीसगढ़	19.66	नगालैंड	45.75
दिल्ली	69.99	ओडिशा	34.25
गोवा	4.24	पुड्डुचेरी	8.75
गुजरात	426.13	पंजाब	78.02
हरियाणा	66.59	राजस्थान	107.33
हिमाचल प्रदेश	17.48	सिक्किम	24.64
जम्मू कश्मीर	18.84	तमिलनाडु	20.40
झारखंड	9.63	तेलंगाना	17.77
कर्नाटक	109.11	त्रिपुरा	32.30
केरल	50.00	उत्तर प्रदेश	438.27
लद्दाख	13.58	पश्चिम बंगाल	22.22
मध्य प्रदेश	94.06	कुल	2168.78

इनकम टैक्स ने की पवन बजाज की कंपनी कोसी कंसल्टेंट पर बड़ी कार्रवाई

रांची में खरीदी 1457 एकड़ भूमि जब्त मालिक कोई, कब्जा किसी और का

विनीत आभा उपाध्याय।रांची

रांची की बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी कोसी कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के अरबों रुपए के भूखंड को आयकर विभाग ने अटैच कर लिया है. यह कंपनी काफी विवादों में रही है. रांची के अलग अलग इलाकों में कोसी कंसल्टेंट ने दूसरी कंस्ट्रक्शन कंपनियों के साथ मिलकर बहुमंजिली इमारतें खड़ी की हैं. इसके साथ ही इस कंपनीके नाम से हजारों एकड़ भूमि खरीदी गयी है. जिसमें करोड़ों रुपए का इन्वेस्टमेंट किया गया है.

आयकर विभाग वर्ष 2022 से यह पता करने में लगा था कि कोसी कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड ने कंपनी के पैन नंबर एएबीसीके **एच से वित्तीय वर्ष 2020-2021 में कितने फ़्लैट और जमीन की खरीद-बिक्री की गयी है.

1457 एकड़ भूमि भूमि गैरमजरुआ, रैयती और वन भूमि नेचर की है : कोसी कंसल्टेंट द्वारा की गई भूमि की खरीद-बिक्री की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद आयकर विभाग ने रांची जिले के बुंडू अनुमंडल के कोड़दा गांव की 1457 एकड़ भूमि को अटैच कर लिया है. यह भूमि गैरमजरुआ, रैयती और वन भूमि नेचर की है. जिसकी रजिस्ट्री वर्ष 2018 में हुई थी. जमीन की खरीदारी बिल्डर पवन बजाज की कंपनी शाकंभरी बिल्डर्स और कोशी कंसल्टेंट ने की थी. इस जमीन की खरीद बिक्री के मामले में इनकम टैक्स विभाग वर्ष 2021 में तीन अलग अलग जगहों पर छापेमारी भी कर चुका है. जिन कंपनियों पर आयकर ने छापेमारी की थी उसमें शाकंभरी बिल्डर प्राइवेट लिमिटेड, कोसी कंसलटेंट लिमिटेड और सनसिटी इंपैक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल है.

दो कंपनियों ने 27 फरवरी 2019 को जिले में दो बड़े भूखंडों की खरीद की

इन तीनों कंपनियों में से दो कंपनियों ने 27 फरवरी 2019 को रांची जिले में दो बड़े भूखंड़ों की खरीद की है. पहली डीड में जमीन शाकंबरी बिल्डर्स के मालिक चंद्रेश बजाज को बेची गयी है. चंद्रेश बजाज पवन बजाज के पुत्र हैं. पवन बजाज भाजपा के आजीवन निधि के सदस्य भी रहे हैं. दूसरी डीड में कोसी कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड ने जमीन खरीदी है. जिसके मालिक राहुल कुमार हैं, जो शैलेंद्र कुमार के पुत्र हैं. वो उन्नाव उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं.

साल 2021 में बजाज के ठिकानों पर की गई कार्रवाई

उसी छापेमारी में उक्त जमीन से संबंधित दस्तावेज मिले थे. हालांकि, जांच में इस जमीन का मालिकाना हक किसी दूसरे के नाम पर मिला. आयकर विभाग ने जब इस जमीन के कागजात की तह को खंगाला तो बेनामी संपति से जुड़ा मामला सामने आया. इसके बाद ही इसकी अस्थाई रूप से जब्ती की गई है.

बिहार-झारखंड की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

अस्थाई रूप से जब्ती का यह मामला नियमानुसार आयकर विभाग के सक्षम प्राधिकार के यहां सुनवाई के लिए जाएगा. सक्षम प्राधिकार की सहमति के बाद ही इसकी स्थाई रूप से जब्ती होगी. यह बिहार-झारखंड में अब तक की सबसे बड़ी जब्ती बताई जा रही है. इस जमीन की कीमत अरबों में आंकी जा रही है. आयकर विभाग ने कोसी कसल्टेंट के माध्यम से हुई जमीन व फ्लैट की खरीद-बिक्री की जानकारी जुटानी शुरू की थी, जिसके बाद उक्त जमीन की जानकारी मिली थी. उक्त जमीन गैरमजरूआ, रैयती व वन भूमि की है, जिसकी रजिस्ट्री गलत तरीके से हुई थी.

बड़ी पहल: अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सुविधाएं बढ़ेंगी

अब हर सेंटर में स्पेशलिस्ट डॉक्टर मरीजों का करेंगे इलाज

आकर्ष अनिकेत।रांची

राजधानी के लोगों को घर के आसपास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले हैं. अब विभाग ने वेलनेस सेंटर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है, ताकि लोगों को और भी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकें. वेलनेस सेंटर में डॉक्टरों की संख्या भी बढ़ायी जा रही है.

हर सेंटर के लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर की व्यवस्था की जा रही है, ताकि लोगों को इलाज के लिए रिम्स या सदर अस्पताल जाने की जरूरत न पड़े. पहले चरण में इन सेंटरों पर महिलाओं और बच्चों के लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति की जा रही है. वैक्सीनेशन की भी शुरुआत इन सेंटरों में की जा चुकी है. अब बच्चों यार्म्बवती महिलाओं को वैक्सीनेशन के लिए दूसरे अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा. वेसनेस सेंटर में ही सुविधाएं मिलने से रिम्स व सदर का लोड भी थोड़ा कम हो सकेगा.

रांची शहर में संचालित हैं 24 वेलनेस सेंटर : बता दें कि 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के मद्देनजर रांची नगर निगम क्षेत्र में कुल 24 जगहों पर अर्बन हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का संचालन किया जा रहा है. स्वास्थ विभाग ने इन सेंटर को सुचारू रूप से चलाने और शहर के लोगों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 99 पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सक सहित अन्य चिकित्साकर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गयी है. वेलनेस सेंटर के लिए 33 डॉक्टर, 33 स्टाफ नर्स और 33 मल्टीपर्पस वर्कर की सेवा ली जाएगी. फिलहाल ये नियुक्तियां 11 माह के लिए संविदा पर की जा रही है. चिकित्सकों सहित चिकित्साकर्मियों की साक्षात्कार की प्रक्रिया रांची नगर निगम कार्यालय में पूरी की जा चुकी है. वाक इन इंटरव्यू के माध्यम से योग्य कैंडिडेट्स का चयन के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. पूरी प्रक्रिया सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी आनंद शेखर झा की देखरेख में की गयी है. जल्द ही डॉक्टर्स को सेंटरों पर ड्यूटी के लिए तैनात कर दिया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

मंईयां योजना के पंजीयन में तेजी पर सीएम ने जताई खुशी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना के पंजीयन में आई तेजी पर प्रसन्नता जाहिर की है. शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट डाल कर सोरेन ने अपनी खुशी का इजहार किया है. सीएम ने पोस्ट पर लिखा है- शानदार, शुक्रवार शाम 5 बजे तक 14 लाख बहनों का पंजीयन हो चुका है. सिर्फ़ गुरुवार से लेकर शुक्रवार तक में ही 7 लाख बहनों का पंजीयन हुआ, जो बेमिसाल टीम वर्क है. हर बहन सरलता से आवेदन कर रही हैं, उम्मीद है कि 15 तक हम 48 लाख बहनों को सम्मान र से जोड़ने के लक्ष्य को पार कर जाएंगे.

राष्ट्रीयता का जागरण है हर घर तिरंगा कार्यक्रम

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व हर घर तिरंगा कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रभारी डॉ. गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित होंगे. यह कार्यक्रम अब हर भारतवासी का कार्यक्रम बन चुका है. यह राष्ट्रीय भाव को जागृत करने का कार्यक्रम है. डॉ पासवान शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तीन प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे.

किसानों की कर्ज माफी के लिए राजद ने की सराहना

रांची। प्रदेश राजद ने राज्य सरकार के किसानों के दो लाख रुपये तक के ऋण माफ करने के फैसले का स्वागत किया है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव व महासचिव कैलाश यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं ने शुक्रवार को कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके धुर्वा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की और कर्ज माफी के लिए उन्हें बधाई दी. इस दौरान राजद नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, डेयरी और मछलीपालन करने वालों को सब्सिडी देने के संबंध में भी बातचीत की.

होमगार्ड जवानों का वेतन दोगुना करने की तैयारी, जल्द फैसला

प्रमुख संवाददाता।रांची

- अभी मिलता है 15 हजार मानदेय, बढ़ कर हो जाएगा 32 हजार

राज्य के होमगार्ड के जवानों का वेतन बढ़ाने की तैयारी तेजी से चल रही है. जवानों का दोगुना से अधिक मानदेय बढ़ेगा. गृह विभाग, कैबिनेट व मुख्य सचिव स्तर पर फाइल तेजी से घूम रही है. सब ठीक रहा, तो अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर निर्णय लिया जा सकता है.हालांकि, गृह विभाग ने इसकी फाइल तैयार कर कैबिनेट भेजी था, लेकिन मुख्य सचिव स्तर से यह कह कर लौटा दी गई थी कि विचारि-विमर्श और विस्तृत अध्ययन के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा. इस वजह से सात अगस्त की कैबिनेट बैठक में इसका प्रस्ताव नहीं आ सका. सूत्रों के अनुसार वर्तमान में होमगार्ड जवानों को 15000 रुपए मानदेय मिलता है, इसे बढ़ा कर अब 32,600 रुपए तक किया जाएगा. अब नये सिरे से कैबिनेट सचिव स्तर से इस फाइल को बढ़ा दी गई है. इस पर अब सरकार जल्द ही निर्णय लेगी. इसका लाभ पहले काम कर रहे 19 हजार से अधिक जवानों को मिलेगा, साथ ही नये बहाल हुए जवानों को भी वेतन बढ़ोतरी का लाभ दिया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में होगा निर्णय सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2024 को होमगार्ड जवानों को पुलिसकर्मियों की तरह समान काम, समान वेतन देने के झारखंड हाइकोर्ट के आदेश के खिलाफ सरकार की अर्जी को खारिज कर दिया था.

झारखंड में आज होगी भारी बारिश

रांची। झारखंड में मॉनसून पिछले 24 घंटे में कमजोर रहा. हालांकि कुछ जगहों पर अच्छी बारिश हुई. शनिवार को भारी बारिश होगी. कई जगह आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है. इसे लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है। यह जानकारी एयरपोर्ट स्थित रांची मौसम केंद्र ने दी. मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है. मौसम केंद्र के अनुसार 10 से 12 अगस्त तक राज्य में कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की प्रबल संभावना है. केंद्र के अनुसार राज्य में 13 से 15 अगस्त तक राज्य के ग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. केंद्र के अनुसार शनिवार को उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है.

होटल अशोक के कर्मचारियों ने दिया धरना

15 अगस्त को आत्मदाह की दी चेतावनी

संवाददाता।रांची

होटल रांची अशोक के कर्मचारियों ने शुक्रवार को होटल के पिछले गेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया. होटल के कर्मचारी बकाये वेतन कि मांग और होटल के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने को लेकर प्रदर्शन कर रहे है.

होटल के वरिष्ठ कर्मचारी पंकज कुमार ने कहा कि होटल हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण झारखंड सरकार में उनका समायोजन नहीं हुआ है. जिस वजह से पिछले दो वर्षों से अधिक का वेतन नहीं उन्हें नही मिला है. उन्होने कहा कि सरकार आदिवासी दिवस मना रही है, लेकिन होटल के एक आदिवासी कर्मचारी महादेव उरांव का होटल हस्तांतरण का इंतजार करते -करते ब्रेन स्टोक से मौत हो गया. दो वर्षों से अधिक समय बीतने के बावजूद उसके परिवार को उसके बकाए वेतन का भुगतान नहीं किया गया है जो शर्मनाक है. पंकज ने कहा कि केंद्र और झारखंड सरकार चाहती है कि हम बचे हुए कर्मचारी स्वैच्छिक सेवानिवृति ले लें. लेकिन जब हमने उनकी इच्छा के अनुरूप काम नहीं किया तो हमें उनके द्वारा प्रताडना दी जा रही है. वो कुछ भी करें हम स्वैच्छिक सेवानिवृति नहीं लेंगे चाहे मर ही क्यूं न जाएं.

दीपक कुमार सहाय ने कहा केंद्र सरकार और बिहार सरकार दोनों मिली हुई है इसलिए हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा रही है. अब हमारे सामने मरने के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है. इसलिए 15 अगस्त को हम होटल के समक्ष आत्मदाह करने के लिए विवश हैं. वहीं ओमप्रकाश ने कहा अब लड़ाई आर-पार की है. अब हम आत्मदाह करेंगे या सरकार हमारी हत्या करवा दे यही एक विकल्प है. जीतू सिंह और बिरेंद्र प्रसाद ठाकुर रो-रोकर बुरा हाल था. उन्होंने कहा कि सरकार ने हमारा परिवार तबाह कर दिया है. हमारा वर्तमान और भविष्य दोनों खतरे में आ गया है.

धरने पर बैठे होटल अशोक के कर्मचारी.

चंपत राय ने किया तपोवन मंदिर नवनिर्माण का भूमि पूजन और अनावरण

- गणमान्यों संग सीएम हेमंत सोरेन ने भी सपत्नीक दर्ज करायी उपस्थिति
- अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर बना तपोन मंदिर जल्द लुभाएगा

राजन बॉबी।रांची

श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि के शुभ मौके पर शुक्रवार को श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर, निवारणपुर के नवनिर्माण को लेकर भूमि पूजन किया गया. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने पूजन कर प्रस्तावित प्रारूप का अनावरण किया. इसमें बड़ी संख्या में माननीयों और गणमान्यो के साथ सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन संग खास तौर से उपस्थिति दर्ज कराई. सुबह आठ से साढ़े नौ बजे तक पूजन-अनुष्ठान चला. तपोवन मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण, हनुमानगढ़ी मंदिर, हरियाणा के रामाश्रय शरण, लाल साहेब दरबार, कनक भवन अयोध्या के रामनरेश शरण आदि के सान्निध्य में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. चंपत राय ने बतौर यजमान हिस्सा लिया.

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर भारत की परंपराओं को जिंदा रखने का एक माध्यम है. अयोध्या राम मंदिर का संघर्ष किसी के खिलाफ नहीं था. यह तो सच्चाई को प्राप्त करने लिए था. सोते समाज को जगाने की लड़ाई थी. अयोध्या में तीन हजार से ज्यादा मंदिर हैं, लेकिन राम जन्म भूमि की बात अलग है. यह बंजर भूमि नहीं थी, विदेशी आक्रांताओं ने यहां बने मंदिर को तोड दिया था. उन्होंने अपनी बातों को और भी स्पष्ट करते हुए स्वतंत्रता की लड़ाई और कारगिल युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि कारगिल की चोटियों पर पड़ोसी देश के सैनिक आ गए थे, जो राष्ट्र के लिए अपमान था, चोटियों पर बर्फ के अलावा कुछ नहीं होता, फिर भी चोटी पर अधिकार बनाए रखने के लिए न जाने कितने सैनिक शहीद हुए.

श्रीराम जानकी मंदिर का शिलान्यास करते अतिथिगण.

सीएम हेमंत सोरेन ने भी किया मंदिर में सहयोग का वादा.

तपोवन मंदिर के नवनिर्माण में देंगे पूर्ण सहयोग : सीएम

सीएम ऐमंत सोरेन ने कहा कि श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण में सभी का सहयोग जरूरी है. ऐतिहासिक-धार्मिक स्थलों को संरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. तपोवन मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी कड़ी का हिस्सा है, इस मंदिर को एक प्रतीक के रूप में विकसित किया जा रहा है, इसमें हम भी पूर्व सहयोग देंगे. इससे पहले मुख्यमंत्री ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ साधु-संतों का आशीर्वाद लिया, मंदिर में विराजमान देवी-देवताओं के दर्शन भी किए.

चंपत राय ने किया सभागार और हॉल का शिलान्यास

रांची। संकट मोचन हनुमान मंदि, मेन रोड में शुक्रवार को वातानुकूलित सभागार और हॉल का शिलान्यास श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के महासचिव चंपत राय ने किया. कहा कि यह समाज के लिए बहुउपयोगी होगा. मौके पर उन्होंने मंदिर के महंत सूर्यनारायण दास त्यागी से भी मुलाकात की. जरूरतमंदों को हॉल निशुल्क भी उपलब्ध कराया जाएगा. विधायक सीपी सिंह, गुरुद्वारा के ग्रंथी विक्रमजीत सिंह, चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री, अशोक चौधरी, पवन पोद्दार, अशोक पुरोहित, आनंद चौरसिया आदि मौके पर मौजूद थे.

इन्होंने निभाई कार्यक्रम में भागीदारी

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय, विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, पूर्व विधायक समरी लाल, पूर्व विधायक यदुनाथ पांडेय, पूर्व सांसद अजय मारू, विहिप के विरेंद्र विमल, भाजपा नेता रमेश सिंह, भाजपा नेता राजीव रंजन मिश्रा, आजसू के मुनचुन राय, कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू, पूर्व मुख्य सचिव एनएन पांडेय, पूर्व आइएएस डॉ. माधव, सेवा भारती के गुरुशरण, ज्योतिषाचार्य दिव्यानंद सुनील बर्मन, धर्मेंद्र तिवारी आदि ने इसमें मुख्य रूप से भागीदारी निभाई.

कामयाबी : पलामू पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 51 से अधिक हमलों का आरोपी है सीताराम रजवार

10 लाख का इनामी माओवादी जोनल कमांडर धराया

- झरगडा गांव से सटे झपिया पहाड़ के जंगल से गिरफ्तारी

संवाददाता। मेदिनीनगर

प्रेस वार्ता में जानकारी देते एसपी रिष्मा रमेशन.

पलामू पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान में पुलिस ने इनामी माओवादी जोनल कमांडर सीताराम रजवार उर्फ रमनजी को गिरफ्तार किया है. नक्सली रजवार पर 51 से अधिक हमलों का आरोप है. यह जानकारी प्रेस वार्ता में एसपी रिष्मा रमेशन ने देते हुए बताया कि हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश महतो को सूचना मिली कि प्रतिबंधित माओवादी संगठन के नितेश यादव अपने दस्ते के सीताराम रजवार, संजय यादव एवं अन्य के साथ झरगडा से सटे झपिया पहाड़ के जंगल में बडी घटना को अंजाम देने के लिए रुका है. इसके बाद हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय यादव व लठेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर यादव के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल दो भागों में विभक्त होकर मौके पर पहुचा, तभी पुलिस को देख 4-5 लोग जंगल की तरफ भागने लगे. रात्रि व जंगल का फायदा उठा कर एक व्यक्ति को छोड़ कर बाकी सभी भागने में सफल रहे. भाग रहे एक व्यक्ति को दल ने पकड लिया. पुलिस के पूछने पर उसने अपना नाम माओवादी कमांडर सीताराम रजवार (65) बताया. तलाशी लेने पर उसके पाजामे से काले रंग का पर्स जिस पर माओवादी सहयोगी राजेन्द्र सिंह द्वारा उसे भेजी गई एक चिट्ठी मिली. बता दें कि सीताराम रजवार बिहार के औरंगाबाद के नबीनगर स्थित एनटीपीसी थाना क्षेत्र का निवासी है और दो दशक से भी अधिक समय से वह प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी में सक्रिय था.

सीताराम रजवार एक दस्ता सदस्य के रूप में शामिल हुआ और अपने कार्य की बदौलत जोनल कमांडर बन गया. अभी वह माओवादी जोनल कमांडर है तथा उसे जोन-2 की कमान मिली थी. उस पर सरकार की ओर से 10 लाख का इनाम घोषित है. छापेमारी दल में हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश महतो, हुसैनाबाद थानेदार संजय यादव, लठेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर, एएसआई बुधदेव उरॉव, दिनेश राम, उपेन्द्र, जवान रंजन टुटी, परमेश्वर, उदय, हरेन्द्र, अंजय गुप्ता, अमित, विवेक, रंजीत कुमार, रामपुकार साव, वीर अमर सिंह, बिरेन्द्र कुमार, इशाक मुर्मू शामिल थे.

पलामू के 28 तथा बिहार के 23 कांडों में था वांछित

पलामू पुलिस की गिरफ्त में आए सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार पर पलामू जिले के विभिन्न थानों में 28 तथा बिहार के औरंगाबाद व गया जिलों के विभिन्न थानों में 23 कुल 51 कांडों में वह वांछित है. वर्तमान में उसे हुसैनाबाद थाना कांड सं0-288/23, दिनांक- 15.11.2023, धारा-385/386/387 भादवि, 17 सीएलए एक्ट एवं 10/13 यूएपी एक्ट में गिरफ्तार किया गया है.

चतरा में टीपीसी उग्रवादियों का उत्पात : थानेदार ने आगजनी की योजना विफल की

कोल ट्रांसपोर्टिंग में लगे हाइवा पर की फायरिंग

संवाददाता। चतरा

जिले में देर रात टीपीसी उग्रवादियो का उत्पात देखने को मिला. गुरुवार देर रात जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के सतवाहिया में उग्रवादियों ने गोलीबारी की.

इस घटना के बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर डीआईजी सुनील भास्कर ने एसडीपीओ और थाना प्रभारी को अलर्ट किया है, डीआईजी ने कहा कि उग्रवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलायें और नाइट पेट्रोलिंग भी लगातार करते रहें. किसी भी कीमत पर बड़ी घटना नहीं होनी चाहिए.

पिपरवार थानेदार की तत्परता से आगजनी की योजना विफल : लातेहार जिले के हेरहैंज की तरफ से 15 की संख्या में आये उग्रवादियों ने कोल ट्रांसपोर्टिंग में लगी अलग-अलग कंपनियों के हाइवा को रोक दिया. जिसके बाद एक हाइवा की बॉडी में गोली मारी तो किसी का गोली मार कर शीशा फोड़ दिया. साथ ही ड्राइवर का मोबाइल फेंक दिया और हाइवा में लोड कोयला सड़क पर गिरवा दिया.

हाइवा पर लगा गोली का निशान.

उग्रवादी सभी हाइवा में आग लगाने की योजना में लगे थे. तभी सूचना मिलते ही पांच मिनट के अंदर पिपरवार थाना प्रभारी सदलबल के मौके पहुंचे और उग्रवादियों का पीछा किया. लेकिन उग्रवादी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गये.

छोड़ा पर्चा, लेवी देने के बाद ही काम करने को कहा

इस घटना के बाद टीपीसी का जोनल सदस्य अभिषेक के नाम से मौके पर पर्चा भी छोड़ा गया. उसमें कहा गया है कि इस रोड में चलने वाली सभी कंपनियों को सूचित किया जाता है, कि टीपीसी से बात करके ही काम चालू करें. संगठन की जो सहयोग राशि होती है, उसे जमा करें. अगर संगठन की बात अनसुनी करते हैं, तो संगठन के द्वारा फौजी कार्रवाई की जाएगी. जिसमें जान माल की जो भी क्षति होगा. इसके जिम्मेदार कंपनी और कंपनी के अंदर काम करने वाले स्वयं होंगे. वहीं उग्रवादियों ने 906061137 अपना नंबर भी दिया है.

ब्रीफ खबरें

पेट्रोल पंप के सामने से बाइक की चोरी

रातू। ब्रजपुर पेट्रोल पंप के सामने से अज्ञात चोरों मोटरसाइकिल जेएच 01 ए एन 3115 को लेकर फरार हो गये. मामले को लेकर भुक्तभोगी तारूप ग्राम निवासी जितवाहन महतो ने रातू थाना में आवेदन दिया. आवेदन में कहा कि ब्रजपुर पेट्रोल पंप के सामने से देकर शुक्रवार की शाम 4:30 बजे अपने मोटरसाइकिल चोरी हो गयी.गाड़ी सरिता देवी के नाम पर है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

स्कॉर्पियो की टक्कर से दो युवक घायल

तमाड़। थाना क्षेत्र के एनएच 33 पर जोजोडीह मोड़ के पास स्कॉर्पियो की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो युवक घायल हो गए. स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को रिम्स भेजा गया. घायल की पहचान कुबासाल के आसियान पुर्ती और बगालडीह के रोशन के रूप में हुई है. दोनों युवक स्कूटी सेतमाड़ की तरफ जा रहे थे. हादसे के बाद स्कूटी सवार दोनों युवक सड़क से 50 फीट दूर जा गिरे. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों युवक हेलमेट पहनने की वजह से दोनों युवकों की जान बच गई. स्कॉर्पियो का अगला बोनट सड़क पर गिर गया.

डीएवी विवेकानंद में मना आदिवासी दिवस

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ों में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षकों द्वारा आदिवासी जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. सभी आदिवासी शिक्षक शिक्षकाएं अपने पारंपरिक विशभूषा में आए थे. और स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी पूरे विश्व में निवास करते हैं और आदिवासी प्रकृति के संरक्षक होते हैं.जयपाल सिंह मुंडा भी यहीं के थे जिन्होंने देश के हॉकी टीम की कप्तानी की और भारत को हॉकी में गोल्ड मेडल दिलाई.

रिंग रोड की मरम्मत कराने की मांग

नामकुम । आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने कहा रिंग रोड चालू हुवे मात्र अभी 06 माह हीं हुऐ हैं. परंतु रोड़ की स्थिति इतनी भयावह हो गयी है कि कई जगह गड्ढे बन गये है.आए दिन चार पहिया एवं दो पहिये वाहनों की दुर्घटना घटती रहती है. रोड में कई जगह प्रशासन ने ऑनवे कर गाड़ियों की परिचालन किया जा रहा है, इसी बीच नामकुम उपप्रमुख रांची जिला आजसू पार्टी महिला अध्यक्ष ने कहा आर के एस रोड कम्पनी अपने संज्ञान में लेते हुऐ तत्काल रोड को मरम्मत कराए . नहीं तो आजसू पार्टी आन्दोलन करने को बाध्य होगी. इस बीच केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, सावित्री देवी,वीणा देवी भी मौजूद रहे

करंट लगने से अधेड़ की मौत,लोगों में शोक

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के सोनाहातू गांव निवासी 45 वर्षीय सुरेश अहीर बिजली के तार की चपेट में आने से तत्काल मौत हो गया है. घटना शनिवार दिन के एक बजे की है. ग्रामीणों का कहना है कि सुरेश अहीर अपने पत्नी और बेटा के साथ खेत में काम कर रहा था. उन्होंने पत्नी और बेटे को नास्ता करने जाने की बात बोलकर खेत से निकला और अचानक 11 हजार वोल्ट के तार वाले बिजली के खंभे मे चढ़ गया. पोल में चढ़ते ही बिजली के तार की चपेट में आ गया .

सदर डीएसपी- थानेदार से परेशान युवा व्यवसायी ने लगाई डीजीपी से गुहार

हुज़ूर...ये पुलिसवाले हैं या रंगदार,देते हैं धमकी, कहते हैं-यहां तो चलेगी दादागीरी

संवाददाता। रांची

पुलिस विभाग के मुखिया डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दो दिन पहले ही चैंबर भवन में व्यवसायियों के साथ बैठक कर आश्वासन दिया था कि बेखौफ हो कारोबार करें, किसी किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी. पुलिस व्यवसायियों को सुरक्षा देने के साथ ही साथ हर तरह से सहयोग करेगी. लेकिन डीजीपी के आश्वासन के बावजूद राजधानी रांची के सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार और सदर डीएसपी की मनमानी से कोकर के एक युवा होटल व्यवसायी परेशान हो गये हैं.

परेशान हो कॉकटेल बार एवं पार्क स्ट्रीट होटल के संचालक युवा व्यवसायी अनिल कुमार चौरसिया ने कहा कि पुलिस का यहीं रवैया रहा, तो वे कारोबार समेट कर रांची छोड़ देंगे. सदर थानेदार की दादागीरी से परेशान व्यवसायी अनिल कुमार चौरसिया उर्फ छुन्नू ने डीजीपी से मामले की लिखित शिकायत कर डीएसपी व थानेदार के आतंक से छुटकारा दिलाने की मांग की है. डीजीपी से शिकायत कर कहा, हुजूर...ये पुलिस हैं या रंगदार, देते हैं धमकी, कहते हैं, यहां तो चलेगी उनकी ही दादागीरी. कहते हैं -मैं हूं इलाके का थानेदार, चलेगी मेरी मर्जी, वर्ना...जानते ही हो. रेड कर दबाव डाला जाता है कि मंथली सेट करो, तभी बार चला सकोगे. वर्ना रेड तो पड़ेगा हीं. और अवैध धंधे के आरोप में जेल भी भेज दिया जाएगा. ग्राहकों को भी परेशान करते हैं.

पीड़ित व्यवसायी के थानेदार पर आरोप

- कहते हैं -मैं हूं इलाके का थानेदार, चलेगी मेरी मर्जी, वर्ना...जानते ही हो
- मंथली सेट करो, नहीं तो धंधा-पानी समेट लो, क्योंकि हर दिन पड़ेगा छापा

जांच के नाम पर होटलकर्मियों और ग्राहकों को करते हैं परेशान : चौरसिया ने कहा कहा कि होटल व बार खुले काफी दिन हो गए हैं, कभी सदर थाना पुलिस ने परेशान नहीं किया था. लेकिन, जबसे सदर थानेदार कुलदीप कुमार बने हैं, तभी से जांच के नाम पर उन्हें परेशान किया जा रहा है.

जांच के नाम पर हर दो दिन पर बार में रेड कर कर्मियों के साथ ही साथ ग्राहकों को भी बेवजह परेशान किया जा रहा है. कहा कि सदर डीएसपी और सदर थानेदार से परेशान हो चुके है. हर माह पांच से छह बार होटल और बार में रेड के नाम पर ग्राहकों को तंग किया जाता है. इन सब के पीछे मुख्य उद्देश्य सिर्फ पैसों की अवैध वसूली है. सदर थानेदार कुलदीप कुमार अपने चालक हेमंत से कॉल कर बुलवाते हैं और धमकाते हुए कहते हैं कि हर माह का पैसा थाना में भेजवाते रहो और शांति से अपना बार व होटल चलाते रहो. पैसे नहीं भेजोगे तो जानते ही हो क्या होगा. रेड तो पड़ेगा ही, जेल भी भेज देंगे. कोई कुछ नहीं कर सकेगा. कोई न बचाएगा.

उत्पाद विभाग का नहीं, मेरा आदेश चलेगा, 10 बजे बार बंद करो

पीड़ित व्यवसायी अनिल चौरसिया का कहना है कि झारखंड सरकार के उत्पाद विभाग का लिखित आदेश है कि बार रात 12 बजे बंद करना है, जबकि सदर थानेदार का कहना है कि इलाके में तो उनकी ही मर्जी चलेगी. बार तो हर हाल में 10 से 11 बजे के बीच बंद करना ही होगा. वर्ना... जानते ही हो. चौरसिया का कहना है कि रेड के नाम पर सदर पुलिस न सिर्फ होटलककर्मियों से बल्कि ग्राहकों के साथ भी बदसलूकी करती है, बल्कि कई दफा जबरन उन्हें पूछताछ के बहाने थाना ले जाकर परेशान करती है. कभी-कभी तो हाजत में डाल कर परेशान करती है. सदर पुलिस की कारस्तानी की वजह से धीरे-धीरे बार में ग्राहकों की संख्या हर दिन कम हो रही है और आर्थिक व मानसिक नुकसान ज्यादा हो रहा है.

न्यूज अपडेट

टिकट कालाबाजारी करने के आरोप में एक गिरफ्तार

सिल्ली/मुरी। ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रेलवे सुरक्षा बल मुरी और सीआईबी रेलवे सुरक्षा बल रांची ने संयुक्त रूप से साहिल टूर एवं ट्रेवल्स दुकान में छापामारी कर सज्जाद हुसैन को रेलवे टिकट की कालाबाजारी करने के आरोप में गिरफ्तार किया. रेल थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि उक्त व्यक्ति निजी आई डी का उपयोग कर टिकट की कालाबाजारी कर व्यवसाय में संलिप्त था. पुलिस ने एक तत्काल ई टिकट लगभग 700 का एवं आठ पुराने एवं उपयोग किए गए तत्काल ई टिकट जिसका मूल्य लगभग 15000 रुपए साथ ही टिकट बनाने में उपयोग किए गए डेल कंपनी का लैपटॉप भी जब्त किया. छापेमारी दल में आईपीएफ सीआईबी रांची के बी के सिन्हा, सहायक अवर निरीक्षक एस के गुप्ता, आरपीएफ पोस्ट मुरी के अवर निरीक्षक बसंत मल्लिक,महेश कुमार शामिल रहे.

झिरी से दो बच्चों की मां प्रेमी संग हुई फरार

रातू। रातू थाना क्षेत्र के हनुमान नगर कमड़े झिरी निवासी मंटू कुमार जायसवाल ने शुक्रवार को अपनी पत्नी शोभा देवी, (27) के लापता होने का मामला रातू थाना में दर्ज कराया. इस संबंध में बताया कि आठ अगस्त से पत्नी शोभा देवी किसी आदिल सैफी के साथ फरार हो गयी है. उसके बच्चों ने फोन पर उसे जानकारी दी कि मम्मी घर पर नहीं हूं. वह अपना काम छोड़कर घर पहुंचा तब उसकी खोजबीन की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला. तलाशी लेने पर पाया कि वह अपने साथ 2 लाख रुपया नगद, दो सोने की चेन दो टॉप मंगलसूत्र तीन अंगूठी दो झूम के तीन पायल चांदी के चैन भी अपने साथ लेटी गई है.

मांडर में अलग-अलग हादसों में चार घायल

मांडर। थाना क्षेत्र मेंअलग अलग सड़क हादसों में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए. पहली घटना मांडर टांगरबसली रोड में बूढ़ाखुखरा बिसाही मोड़ के निकट की है, पुनगी गांव जा रहे विनोद उरांव और लुंदई उरांव एक कुत्ते को बचाने के क्रम मेंस ड़क पर गिरकर घायल हो गए. वहीं चटवल मोड़ के पास सड़क पार कर रही लुसिया उराइन को बाइक सवार ने धक्का मार कर घायल कर दिया. उसे मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बादरिम्स रेफर किया गया. वहीं रांची मेदिनीनगर मुख्य पथ पर मिशन चौक के पास एक बाइक सवार नेआगे चल रहे एक ट्रक में टक्कर मार दी. घायल शोएब अंसारी चान्हो थाना क्षेत्र के सुकुरहुट्टू निवासी को स्थानीय लोगों की मदद से कांस्टेंट लीवेंस अस्पताल मांडर में भर्ती कराया गया.

वज्रपात से दो युवतियों की मौत, तीन घायल

तमाड़। थाना क्षेत्र के रायडीह, हिन्द्रीडीह, बाबईकुंडी और पुंडिदिरी गांव मेंअलग-अलग जगहों पर हुए वज्रपात से दो युवतियों की मौत हो गई और तीन महिलाएं घायल हो गई. सभी घटना शुक्रवार की शाम साढ़े चार बजे की है. पहली घटना बाबईकुंडी गांव में घटी, जहां अड़की के सोनपुर गांव से एक टेम्पो से 12 महिलाएं धनरोपनी करने बाबईकुंडी गांव आई थी. सभी महिलाएं खेत में धनरोपनी कर रही थी उसी दौरान वज्रपात से 16 वर्षीय नवमी कुमारी घटनास्थल पर मौत हो गई. पुंडिदिरी गांव के शिव मंदिर टोला निवासी 16 वर्षीय रीना कुमारी की धनरोपनी के दौरान वज्रपात सेमौत हो गई. घायलों में रायडीह गांव निवासी विनोता देवी, सुगा कुमारी, हिन्द्रडीह निवासी सिवानी देवी भी खेत में धनरोपनी के दौरान घायल हो गई.

तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा ने की बैठक

कांके। भाजपा पिठोरिया मंडल की बैठक पिठोरिया चौक स्थित मंडल कार्यालय में हुई. इस बैठक की अध्यक्षता में मंडल अध्यक्ष गोपाल महतो ने किया. बैठक में प्रभारी नसीब लाल महतो ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व किए जाने वाले कार्यक्रम तिरंगा यात्रा, हर घर में तिरंगा लागने के बारे में जानकारी दी. बूथ स्तर पर कार्यक्रमों को करने को कहा.इस बैठक में मनोज राम, मुन्नी मुंडा, अनिल केशरी, शंकर महतो, सुरेंद्र गोप,सुरेश राम,मीरा देवी, उषा देवी, बबलू मिश्रा, रंधीर केशरी, दीपक दास, अखिलेश्वर पाठक,जनक गुप्ता, मोतीलाल महतो, निशांत बानो,उदय महतो, अभिषेक चौबे आदि शामिल थे.

पार्वती के परिजनों को सरकारी लाभ दे सरकार : आरती

नामकुम। सोदाग पंचायत के बांडा गांव निवासी मोती सिंह बड़ाइक की छोटी पुत्री पार्वती कुमारी की सर्पदंश से मौत हो गई. मौत की सूचना पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और प्रदेश एसटी मोर्चा की नेत्री अंजली लकड़ा पीड़ित परिवार से मुलाकात करने बांडा पहुंची . बांडा पहुंच पीड़ित से बात करने पर उन्होंने बताया कि पार्वती बाल गोविंद उच्च विद्यालय तुपुदाना के वर्ग दस की छात्रा थी . सभी बच्चों में छोटी पार्वती पढ़ने में होशियार और पिता की दुलारी थी किंतु 27 जुलाई की सुबह करैत सांप ने उसे सोते हुए अवस्था में काट लिया था.

सोनाहातू में वन विभाग ने किया पौधरोपण

सोनाहातू। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वन विभाग ने बारेंदा पहाड़ एवं बनडीह क्षेत्र में पौधरोपण किया . एचसीएफ अमरनाथ भगत के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने बारेंदा पहाड़ी में पौधरोपण किया गया. उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाने का कोशिश किया जाये ताकि पर्यावरण की रक्षा हो सके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करके पौधा रोपण करे, कम से कम एक व्यक्ति एक पेड़ जरूरत लगाने की कोशिश करें.बनडीह क्षेत्र में लगभग 60 हजार पेड़ लगाने का हमारा लक्ष्य है. मौके पर वनपाल दिलीप मुंडा, वनरक्षी करमा होरो, वन विभाग के अधिकारी सहित मुखिया सुभद्रा देवी, प्रकाश सिंह मुंडा, आमीन, सोनू धनन्जय प्रमाणिक, शिवचरण सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे.

खलारी में देवेन्द्र बाबु सेवा संस्थान ने किया पौधरोपण

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र में देवेन्द्र बाबु सेवा संस्थान एवं अंबेडकर विचार मंच के द्वारा क्षेत्र में कई जगहों पर पौधरोपण रोपण किया .संस्थान के तत्वावधान में चलाए जा रहे पेड़ पौधा लगाओ , जीवन बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर खलारी के पहाड़ी मंदिर परिसर, सरना स्थल बुकबुका, अंबेडकर पार्क डकरा, शिव मंदिर मोहन नगर, यूनियन कार्यालय खलारी सहित दर्जनोंजगहों पर फलदार पौधों लगाया गया. संस्थान द्वारा दो हजार पौधों का वितरण एवं रोपण पिछले डेढ़ माह में किया जा चुका है, इस अवसर पर राजन सिंह राजा, रवीन्द्र नाथ चौधरी, सुरेन्द्र चौहान, इम्तियाज अंसारी, रवि उरांव, देवपाल मुंडा, कन्हाई पासी, टुन्नू साव, राजेश तुरी, मनोज तुरी, सतेन्द्र खरवार समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

पेंशनर समाज व इटकी बुद्धिजीवी ने किया भिक्षाटन

इटकी। पीएचसी में डॉक्टर के पदस्थापन और संसाधन युक्त बनाने के लिए सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित के लिए पेंशनर समाज ने शुक्रवार को भिक्षाटन किया.भिक्षाटन का आयोजन जामा मस्जिद के बाहर किया गया. प्रतिनिधियों के आह्वान पर मुस्लिम संप्रदाय के नमाजियों तथा अन्य लोगों द्वारा भीख के रूप में स्वेच्छा से राशि दिया गया. कार्यक्रम में लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भिक्षाटन का दूसरा चरण रविवार को मुख्य सीएनआई चर्च में किए जाने की बात आयोजकों द्वारा दिया गया. कार्यक्रम में पेंशनर समाज व बुद्धिजीवी मंच के प्रतिनिधिगण, उप प्रमुख परवेज राजा, आजसू जिला सचिव मुर्तजा आलम, देवेंद्र महतो, अजीत केशरी, मो सुलुम सहित अन्य शामिल थे.

अब आदिवासियों को अपनी लड़ाई बौद्धिक तरीके से लड़नी है: विधायक

मंच पर उपस्थित विधायक व अन्य.

संवाददाता। मांडर

विभिन्न आदिवासी संगठनों ने शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जुलूस निकाल . इस अवसर पर मांडर पल्ली (गिरजा घर) के प्रांगण में भिखारीयट स्त्ररीय कार्यक्रम का आयोजन किया. एवं जुलूस निकाला गया जो मांडर पल्ली से शुरू हो टागरबसली मोड़ तक गया इस जुलूस मे मांडर भिखारीयट के आठ पल्ली के मसीही विश्वासियों ने हिस्सा लिया . समारोह में मुख्य रूप से स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व विधायक बंधु तिर्की ,अंचलाधिकारी मांडर, बीडीओ मांडर, खलारी डी एस पी, सर्किल इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी राहूल कुमार मौजूद थे. इस मौके पर अतिथियों को पगड़ी पहना कर व गमछा दे कर स्वागत किया गया. समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने कभी लाठी-काठी एवं तीर-धनुष से अपनी लड़ाई को लड़ा लेकिन अब बदले हुए समय के अनुरूप, वर्तमान समय में आदिवासियों को अपनी लड़ाई बौद्धिक तरीके से लड़ने की जरूरत है. श्रीमती तिर्की ने कहा कि आज शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है जिसका उपयोग कर हम अपनी कमियों और कमजोरियों को दूर कर सकते हैं. श्रीमती तिर्की ने सभी से आह्वान किया कि सभी आपसी एकजुटता बरकरार रखते हुए हमेशा आगे बढ़ें और एक-दूसरे की हमेशा सहयोग की भावना रखे.आज के समारोह में सभी महिला-पुरुष अपने पारंपरिक पोशाक पहने हुए थे. इस अवसर पर पल्ली परोहित प्रश्न तिर्की, फादर जॉन सालेन्द्र टोप्पो, निर्मल एक्का, नेल्सन तिर्की, अरुण खलखो, बर्बारा पल्ली परोहित सहित, पेत्रुस खलखो, बिबयाना एक्का, ईमानवेल तिग्गा आदि शामिल थे.

रेल कर्मियों ने धूमधाम से आदिवासी दिवस मनाया

सिल्ली/मुरी । आदिवासी समुदाय के रेल कर्मचारियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर रेलवे के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं उनके परिवार के सदस्य, साथ ही मेंस कांग्रेस, मेंस यूनियन के मंडल समन्वय उपस्थित हुए. रेलवे सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में एडीआरएम गति शक्ति, रेलवे सीएमएस डॉ राजू तिर्की, डॉ नीलम दयाल,प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व शिक्षा मंत्री बधू तिर्की, अनु. जनजाति आयोग केंद्रीय सदस्य आशा लकड़ा, मंडल सचिव विनोद उरांव आदि शामिल थे.

संस्कृति, परंपरा को सहेजना हमारी जिम्मेदारी : रामावतार

नामकुम । विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर भाजपा नेता सह जिप सदस्य राम अवतार केरकेट्टा और मुखिया कार्मेला कच्छप के नेतृत्व में खिजरी पंचायत के तुम्बा गुटु गांव में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर ग्रामीणों के बिच 201 फलदार पौधा बुजुर्ग महिलाओं व पुरुषों के बीच साड़ी व धोती लुंगी गंजी का वितरण ''किया गया. इस अवसर पर जिप सदस्य रामावतार केरकेट्टा ने बताया कि झारखंड कि तसवीर आदिवासी समाज और गाँव से ही संवरेगी आदिवासी समाज में ईमानदारी के साथ साथ क्रियाशीलता भी है.

रातू में विश्व आदिवासी दिवस पर निकला जुलूस, उमड़ी भीड़

जुलूस में उमड़ी लोगों की भीड़.

संवाददाता। रातू

प्रखंड के विभिन्न स्थानों में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. मुख्य कार्यक्रम तिलता जतरा बगीचा में आयोजित किया गया. यहां से मोटर साइकिल जुलूस निकला. चट्टी में स्व कार्तिक उरांव, कमड़े में भगवान बिरसा मुंडा, होचर में स्व बीरेंद्र भगत तथा दलादिली चौक में शहीद सुभाष मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी. तिलता ओवरब्रीज में स्वतंत्रता सेनानी वीर बुद्धू भगत चौक का नामकरण किया गया. संचालन सोमनाथ उरांव ने किया. जुलूस में सभी वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया. इसमें मुकेश भगत, चारे भगत, नारायण उरांव, कुशल उरांव, विमल उरांव, सिंदबाज खान, शुक्रा उरांव, गोयंदा उरांव, तुलसी उरांव, शमीम मंसुरी आदि शामिल थे.

ओरमांझी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

ओरमांझी। प्रोजेक्ट 2 उच्च विद्यालय सदमा स्कूल में बाबूलाल महली की अध्यक्षता में आदिवासी सरना 22 पड़हा समिति सदमा ओरमांझी कांके क्षेत्र ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया . 22 पड़हा के आदिवासी महिलाएं पुरुष छोटे बच्चे समिति के पदाधिकारियों ने अपने ड्रेस में नारा लगाया. सबसे पहले मैदान से भगवान बिरसा मुंडा स्टेचू सदमा चौक पहुंच कर माल्यार्पण करके कार्यक्रम स्थल पहुंचे. कांके क्षेत्र के उलातु पंचायत के पूर्व मुखिया एतवा उरांव वो एंजल गार्डन सदमा स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र उरांव दिनों को संरक्षक के रूप में पद भार दिया गया .

राहे गूंज परिवार ने किया मैराथन दौड़ का आयोजन

राहे। गूंज परिवार के तत्वाधान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर और राहे प्रखंड में युवक-युवतियो के बीच मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया. भगत सिंह चौक गोमदा से लेकर कापीडीह स्कूल तक छह किलोमीटर का मैराथन दौड़ का आयोजन हुआ. दौड़ का उद्घाटन प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, महिला प्रखंड अध्यक्ष मीरा महतो, वीरेंद्र महतो, हलधर पांडेय, संतोष हजाम, संजय मुंडा, ने संयुक्त रूप से झंडा दिखा कर दिया. मैराथन दौड़ में युवती वर्ग से प्रथम स्थान दीपिका कुमारी, द्वितीय स्थान मोनिका कुमारी ,और तृतीय स्थान फूल कुमारी को मिला. तीनों झारखंड आवासीय विद्यालय के छात्राएं हैं.

प्रतियोगिता **क्रांति क्लब मदई ने फुटबॉल टूर्नामेंट का किया आयोजन**

पेनाल्टी शूट आउट में रानी चांचो ने जीता मुकाबला

संवाददाता। चान्हो

विजेता टीम को पुरस्कार देते भाजपा नेता सन्नी टप्पो व अन्य.

प्रखण्ड के मदई मैदान में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर क्रांति क्लब मदई द्वारा फुटबॉल मैच के फाइनल मुक़ाबले का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेता सन्नी टोप्पो, विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य आशुतोष तिवारी, मुखिया भोला उरांव ने बॉल किक कर मैच का उद्घाटन किया. फाइनल मुक़ाबला आर सी रानीचाचो और युवा विकास संघ झींझरी के बीच खेला गया. खेल में हर पल रोमांच बना रहा. अंतिम क्षण तक किसी भी टीम के तरफ से कोई गोल नहीं किया जा सका. पेनाल्टी शूट आउट में आर सी रानी चांचो चार के मुकाबले पांच गोल से विजयी रही. मौके पर बोलते हुए सन्नी टोप्पो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा भरी हुई है. उन्हें एक प्लेटफार्म की जरूरत है. इस तरह की मुकाबला से अपना प्रतिभा निखारने का मौका मिलता है. आदिवासी दिवस के इस पावन मौके पर हमें एकजुट होकर अपनी सभ्यता संस्कृति को बचाना पड़ेगा. पश्चिमी सभ्यता को त्यागकर झारखंडी परंपरा को आगे बढ़ाना होगा. वहीं आशुतोष तिवारी ने कहा कि प्रतिभा को निखारकर आगे ले जाना है. आज बहुत ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रौशन कर रहे हैं. इससे पहले महिला फुटबॉल का फाइनल मैच आदिवासी युवा क्लब चुटियो और शहीद सुनील सिंह क्लब हुरहुरी के बीच खेला गया. हुरहुरी की टीम शानदार खेलते हुए एक गोल से विजयी हुए. खेल के दौरान खिलाडी रितु लकड़ा घायल हो गयी. टूर्नामेंट की शुरुआत चार अगस्त को हुई थी.

ब्रीफ खबरें

मंत्री से मिले अंजुमन तरक्की के प्रतिनिधि

रांची। अंजुमन तरक्की उर्दू (हिंद) झारखंड का प्रतिनिधिमंडल उर्दू की समस्याओं को लेकर एमजेड खान के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से मिलकर सात सूत्री मांगों की पूर्ति का ज्ञापन सौंपा. उन्होंने अनुरोध किया कि बिहार से उर्दू शिक्षकों के 4401 स्थानांतरित पदों में मात्र 689 पदों पर नियुक्ति हुई है. शेष 3701 पदों पर 24 साल के पश्चात भी नियुक्ति नहीं हो पाई है, जो चिंताजनक है. राज्यकृत विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों के सैंकड़ों पद रिक्त पड़े हुए हैं. मंत्री से उर्दू अकादमी के गठन व उर्दू निदेशकों की नियुक्ति की भी बात कही गई. मंत्री ने उचित कार्यवाई का आश्वासन दिया.

नशा उन्मूलन पर संतोष बीएड कॉलेज में कार्यक्रम

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन में आदिवासी दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए नशा उन्मूलन जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया. लाइफ सेवर्स के अतुल गेरा, डीएलएसए के राजेश सिन्हा और एनसीबी के मनोहर मंजुल ने नशे के दुरुपयोग और दुष्प्रभावों पर एक सत्र का संचालन किया. अतुल गेरा ने कहा कि यदि रांची में नशे की समस्या पर नियंत्रण पाया जाए, तो अपराध दर में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आ सकती है. एनसीबी के मनोहर मंजुल ने कहा कि झारखंड में नशे की समस्या को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भूमिका महत्वपूर्ण है.

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में मना आदिवासी दिवस

रांची। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में विश्व आदिवासी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत 'हो' भाषा में प्रार्थना के साथ हुई, जिसे कक्षा 11वीं की छात्रा खुशबू रानी टोपनो ने प्रस्तुत किया. इसके बाद इस प्रार्थना का हिंदी अनुवाद 11वीं की छात्रा भाव्या रंजन ने किया. 11वीं की विभा रानी सिंह ने 'आदिवासी समाज' के महत्व नागपुरी भाषा में भाषण किया. विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सिमी मेहता ने विद्यार्थियों से कहा कि दुनिया भर में स्वदेशी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा के लिए आदिवासी दिवस मनाया जाता है.

सरला बिरला विवि में कार्यशाला का आयोजन

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल और आईक्यूएसी के सहयोग से 'आंत्रेप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन एज करियर ऑपर्च्युनिटी' विषय पर विवि परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया. सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो एसबी डांडिन, आईआईसी अध्यक्ष व डीन डॉ. पंकज गोस्वामी, उपाध्यक्ष व डीन डॉ. संदीप कुमार, डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का शुभारंभ किया. मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. एसबी डांडिन ने विद्यार्थियों को उनके कौशल के समुचित उपयोग के लिए उचित मार्गदर्शन लेने का सुझाव दिया. उन्होंने मुकेश अंबानी, रतन टाटा, नारायणमूर्ति जैसे सफल उद्यमियों की सफलता यात्रा से सीख लेने की आवश्यकता पर जोर दिया.

पहाड़ी मंदिर में सुबह पांच बजे हुई सरकारी पूजा, मुख्य मंदिर का पट खुलते ही उमड़े दर्शनार्थी

नागपंचमी पर देवालयों में उमड़ी आस्था, शिव को जलाभिषेक

संवाददाता । रांची

नागपंचमी पर शुक्रवार को देवालयों में आस्था उमड़ी. बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रीशिव का जलाभिषेक कर नाग राज की पूजा-अर्चना की. रोग-शोक से छुटकारे के साथ सुख-समृद्धि और शांति की कामनाएं की. काल सर्प दोष से मुक्ति का वर भी मांगा.वैसे तो शहर के सभी शिवालयों में भक्तों का तांता सुबह से लगा रहा, लेकिन पहाड़ी मंदिर और सुरेश्वर धाम, चुटिया में अत्यधिक भीड़ रही. पहाड़ी मंदिर में सुबह पांच बजे सरकारी पूजा हुई. इसके बाद मुख्य मंदिर का पट खुलते ही दर्शनार्थी उमड़ पड़े. दिन निकलते भारी भीड़ एकत्रित हो गयी. दिन के तीन बजे तक जलार्पण का सिलसिला चलता रहा. शाम ढलते ही श्रृंगार प्रारंभ हुआ. श्रद्धालुओं ने पुष्प और चांदी से बाबा का श्रृंगार किया. आरती उतारी. भोग लगा, प्रसाद बांटा. रात साढ़े आठ बजे श्यन आरती के साथ पट बंद हुआ. इधर शहर के अन्य शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता सुबह से दोपहर बाद तक लगा रहा, सांझ ढलते पुष्प श्रृंगार कर भोले बाबा की आरती उतारी गयी.

पहाड़ी मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु.

आकर्षण रही नाग गुफा

पहाड़ी मंदिर की नाग गुफा दर्शनार्थियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रही. भक्तों ने नाग देव की पूजा-अर्चना कर, उन्हें दूध और लावा आदि का भोग भी लगाया. माना जाता है कि दर्शनार्थियों के अर्पित दूध और लावा खाने को नाग देवता जरूर आते हैं. कई मौकों पर श्रद्धालुओं ने नाग राज का साक्षात दर्शन भी किया है. इसी लालसा में नागपचंमी पर भक्तगण दूध-लावा के साथ यहां खिंचे चले आये.

सपेरों की रही चांदी

पहाड़ी मंदिर में सपेरों की चांदी रही. मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर पहुंच मार्ग तक बड़ी संख्या में सपेरे एकत्रित थे. पूजन को आने वाले भक्तों पर निगाह पड़ते ही सभी ऐसे लपकते, जैसे कि कोई मुराद पूरी करने आ रहा हो. आस्थावानों पर नजर पड़ते ही झट दर्शन करा सर्प माथे लगा देते. गले में लपेट देते. मजबूरन भक्त कुछ न कुछ नेग चढ़ा आगे बढ़ जाता. नाग देव का दर्शन करा कर भक्तो से दान लेने का सिलसिला सुबह से दोपहर बाद तक चलता रहा.

जीईएल चर्च के नये मॉडरेटर और डिप्टी मॉडरेटर का पदस्थापन

परमेश्वर के वचन पर ध्यान देने की जरूरत : मार्शल केरकेट्टा

संवाददाता ।रांची

जीईएल चर्च के नये मॉडरेटर मार्शल केरकेट्टा और डिप्टी मॉडरेटर मुरेल बिलुंग ने शुक्रवार को कलिसिया के कार्यो को ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करने का शपथ लिया. इससे पहले बेथेसदा बालिका विद्यालय के छात्रों ने मुख्य गेट से भव्य रूप से मांदर के थाप पर स्वागत किया. उन्हें नाचते गाते चर्च परिसर में ले जाया गया. जहां उन्हें पदस्थापन किया गया. बेदी में मौजूद नये मॉडरेटर, डिप्टी मॉडरेटर, बिशप जूली भेंगरा, बिशप जॉनसन लकड़ा समेत अन्य लोगों के कलिसिया महिलाओं ने हाथ धोकर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी. विशेष विनती की गई. कार्यक्रम का संचालन डिप्टी मॉडरेटर ने किया. अध्यक्षता पूर्व मॉडरेटर जोहन डांग ने की. दोनों मॉडरेटरों को पदस्थापन पूर्व मॉडरेटर जॉहन डांग ने कराया.

इस अवसर पर नये मॉडरेटर मार्शल केरकेट्टा ने कहा कि ईश्वर का वचन सुनना है. परमेश्वर के वचन पर ध्यान देने की जरूरत है. ईश्वर के बिना हम नहीं रह सकते हैं. इसलिए कलिसिया को प्रेम वचन से जीवन जीना चाहिए. पवित्रता के लिए विश्वासियो को प्रेरित करना चाहिए.ईश्वर का वचन मे बने रहे. इसके बिना कलिसिया आदर्श को अपने कामों में नही ला सकते हैं. दयालुता आध्यात्मिक रूप से जीवन को सुंदर बनाता है.

कलिसिया को आध्यात्मिक जीवन जीना चाहिए. पुरोहितों को जीवन ईश्वर का अनुभव को प्राप्त करते हैं. इसलिए ईश्वरीय वचन से परिपूर्ण होना चाहिए. हमें प्रेम, विश्वास, आदर्श पर चलना चाहिए. लोगो को वचनों से प्रेरित करे.

ईश्वर के मन को सुनें. तब हमारा ध्यान केंद्रित होगा. इसी में एकता बनी रहती है. जब मसीही एकता होगी. तभी आनंद मिलेगा. मसीही एकता में ईश्वर का वचन सुनें. कलिसिया के लिए आदर्श बन सकें और विश्वासी मजबूत बन सकें. मौके पर जुली भेंगरा, आलोक मिंज, आसिसन बागे, जोससन लकड़ा, रेव्ह निरल बागे, अनुराग बागे, जेनरल सेक्रेट्री ईश्वर दत कंडुलना समेत गोस्नवर शिक्षण संस्थानो के प्राचार्य उपस्थित थे.

पदस्थापना समारोह में जीईएल चर्च के मॉडरेटर और डिप्टी मॉडरेटर.

खास बातें

- बेथेसदा बालिका विद्यालय के छात्रों ने किया स्वागत नृत्य
- कलिसिया के कार्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करने की ली शपथ

शिक्षक से लेकर मॉडरेटर तक सफर

नये मॉडरेटर मार्शल केरकेट्टा ने शिक्षक से लेकर मॉडरेटर बनने तक सफर तय किया है. उनका पैतृक गांव कामडारा थाना के अंतर्गत ग्राम तुरबुल है. इनकी शिक्षा मेरामपुर विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ थियोलॉजिकल, मास्टर ऑफ थियोलॉजिकल की पढ़ाई पूरी की. बिशप बनने से पूर्व मार्शल केरकेट्टा गोस्नर कॉलेज के प्रध्यापक थे. उसके पहले प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षक थे. इनकी पत्नी कलिसिया में पुरोहित हैं, जो जमशेदपुर में पदस्थापित हैं.

खेलगांव में खेलो इंडिया वूमेन लीग आज और कल

रांची। भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाले खेलो इंडिया वूमेन साइकिलिंग लीग (ईस्ट जोन) का आयोजन 10- 11 अगस्त को साइकलिंग वेलोडर्म, खेलगांव (रांची) में आयोजित होगा. इसका उद्घाटन 10 अगस्त को अपराह्न 3:30 बजे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे. विशिष्ट अतिथि के रूप में कांके विधायक समरी लाल एवं इंडियन बैंक के निदेशक बालमुकुंद सहाय के अलावा रांची साइ के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे. इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए तकनीकी रूप से ईस्ट जोन के इंचार्ज अभिजीत सेठ पश्चिम बंगाल से रांची पहुंच गए हैं. खेलो इंडिया की पर्यवेक्षक के रूप में कुलदीप मलिक एवं नाडा की तरफ से सचिन गोयल भी रांची पहुंच गए हैं. इस प्रतियोगिता में कुल सात राज्यों के महिला खिलाड़ी भाग लेंगी, जिसमें झारखंड उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम और मणिपुर की टीम शामिल है. यह जानकारी झारखंड साइकलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने दी है.

रिम्स गर्ल्स हॉस्टल में चोरी

रांची । रिम्स कैंपस के गर्ल्स हॉस्टल नंबर 7- 8 में प्रवेश कर अज्ञात चोर बर्तन चोरी कर फरार हो गये. इस संबंध में डीन (छात्र कल्याण) ने बरियातू थाने में एफआईआर करने के निर्देश दिए हैं. चोर बर्तन (परात) चोरी करते हुए सीसीटीवी में कैद हो चुका है.

बिजली टैरिफ में बढ़ोतरी के निर्णय पर पुनर्विचार हो :चैंबर

संवाददाता । रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा बिजली टैरिफ में बढ़ोतरी के साथ ही फिर से लोड आधारित फिक्स्ड चार्ज में वृद्धि के प्रस्ताव पर नाराजगी जताते हुए झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इसे अव्यवहारिक बताया. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि झारखंड विद्युत नियामक आयोग ने फरवरी 2024 में ही वित्तीय वर्ष (2023-24) के लिए बिजली टैरिफ की घोषणा की थी जो एक मार्च 2024 से प्रभावी हुई है, अब पुनः वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए टैरिफ में बढ़ोत्तरी के निर्णय से व्यापार व उद्योग जगत के अलावा आमजन चिंतित हैं. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बिजली टैरिफ में बढ़ोत्तरी अनुचित है तथा इससे राज्यवासी प्रभावित होंगे. झारखंड राज्य नियामक आयोग के चेयरमेन और उर्जा सचिव को पत्राचार करते हुए कहा गया कि यह वास्तविकता है कि प्रत्येक वर्ष बिजली टैरिफ में बढ़ोत्तरी के बावजूद जेबीवीएनएल द्वारा उपभोक्ताओं को क्वालिटी एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति नहीं की जाती है. राज्य के सभी जिलों में पावरकट का वर्षों पुराना सिलसिला अभी भी जारी है, क्यों नहीं, बिजली टैरिफ में वृद्धि की भांति जेबीवीएनएल द्वारा क्वालिटी बिजली मुहैया कराने का प्रयास किया जाता है. यह आग्रह किया गया कि जब तक जेबीवीएनएल अपने उपभोक्ताओं को क्वालिटी एवं क्वांटिटी बिजली आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होता, तब तक इस टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव को शिथिल रखा जाए.

इंद्रधनुष ने बिखेरी आजादी की तरंग

जेवीएम, श्यामली

संवाददाता । रांची

जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के दयानंद प्रेक्षागृह में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'इंद्रधनुष-2024' का भव्य आयोजन हुआ. स्वदेश व राष्ट्र प्रेम की थीम पर आधारित इस वार्षिकोत्सव में विद्यालय की छठी से आठवीं तक विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुल सचिव विजय कुमार सिंह, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्रेष्ठ गौतम, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष संदीप सिन्हा, फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नीरज सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि ज्योति सिन्हा, नीना सिन्हा व विदिशा जाना एवं वरीय शिक्षक विजय कुमार तथा यास्मीन नूरी ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. मौके पर स्कूल के बच्चों ने मातृभूमि भारत और इसके प्रति गहरे प्रेम भावना को नृत्य-शैली में जश्न के रूप में प्रस्तुत किया. अतिथियों ने नन्हें मंच संचालक वेद राज और अनाबिया के साथ कार्यक्रम की खूब सराहना की.

इंद्रधनुष-2024 की शाम ने हमें देशभक्ति के रंग में डूबो दिया. वार्षिकोत्सव में बच्चों के माता-पिता भी शामिल हुए.प्राचार्य समरजीत जाना ने कहा कि विद्यालय में सांस्कृतिक आयोजन के बिना बच्चों का मानसिक विकास पूरा नहीं हो पाता है. विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष संदीप सिन्हा ने कहा कि इंद्रधनुष ने सचमुच आज़ादी की सतरंगी छटा बिखेरी है.

वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के छात्र-छात्राएं.

न्यूज अपडेट

मेकॉन में तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ

रांची । इस्पात महिला विकास सहयोग समिति के तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया. मेकॉन कम्यूनिटी हॉल में आयोजित मेले का उद्घाटन आईएफएससी दीक्षा प्रसाद ने रिबन काट कर किया. इस अवसर पर महिलाओं द्वारा लगाये गए मेले की सराहना की. साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि जंगल से प्राप्त संसाधनों से जुड़े सामानों से, छोटे से बड़े पैमाने पर उद्योग बना सकते हैं जैसे रेशम की साड़ी, मधु, बांस से बने सामान इत्यादि. समिति की पेट्रॉन सोनी वर्मा ने मेले को संबोधित करते हुए बताया कि यह मेला विगत 36 सालों से चल रहा है, जिसमें छोटे बच्चों को पढ़ाया जाता है एवं सिलाई, कड़ाई बुनाई, बड़ी, पापड़ भी बना कर गरीब महिलाओं को रोजगार दी जाती है. मंच का संचालन निशि चंद्रा ने किया. समारोह में मेकॉन की निक्की राज, रूपाली दीक्षित तथा समिति के कार्यकारिणी सदस्य प्रमिला गुप्ता, विनीता प्रकाश, देवदत्ता साहा, संगीता सिन्हा, मोनिका राधा माला मौजूद थी.

चैंबर भवन में दो दिवसीय ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन

रांची । चैंबर भवन में दो दिवसीय ट्रेड लाइसेंस कैंप का शुक्रवार को संपन्न हो गया. कैंप में कुल 10 लोगों ने अपने लाइसेंस संबंधित कार्य पूरे कराये. चार अन्य लोगों ने अपना होल्डिंग टैक्स भी जमा कराया. कैंप में अधिकांश लोग क्वेरी के लिए भी आये, जिनका आवेदन किसी कारण से रिजेक्ट हो गया था. चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा ने कहा कि व्यापारियों की सुविधा के लिए चैंबर की पहल पर कैंप का आयोजन कराया गया, ताकि व्यापारियों को सुविधा मिले. आगे भी ऐसे कैंप आयोजित किये जायेंगे. मौके पर चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, शैलेश अग्रवाल, अरुण जोशी समेत निगम की ओर से शक्ति कुमार, रीतिक कुमार, सागर प्रजापति शामिल थे.

सरला बिरला विवि में नेचुरोपैथी कार्यशाला प्रारंभ

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय नेचुरोपैथी कार्यशाला प्रारंभ हुई, जिसका उद्घाटन कुल सचिव प्रो. विजय कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) नीलिमा पाठक, सह सकायाअध्यक्ष डॉ. राधा माधव झा, कार्यक्रम समन्वयक आशुतोष द्विवेदी, प्रधानाचार्य डॉ. सुभानी बाड़ा ने दीप प्रज्वलित किया. डॉ. राधा माधव झा ने स्वागत भाषण किया तथा डॉ. नीलिमा पाठक ने नेचुरोपैथी के महत्व पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर मुख्य रूप से अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, पंकज केसरी, अंजना कुमारी सिंह, गीता दास, रूपा कुमारी, संतोष कुमार, शिव कुमार, अभिजीत कुमार एवं अन्य विद्यार्थी गण उपस्थित थे. कार्यशाला में विभिन्न विभाग के शिक्षक गण शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी गणों ने भी नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति का पूर्ण लाभ उठाया.

सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में पौधारोपण

रांची। अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड स्थित सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, न्यू अशोक नगर में शुक्रवार को 40 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया. इस दौरान विद्यालय परिसर में नीम, पीपल, सीसम, आम जैसे पौधे लगाये गये. इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रावणी पांडेय ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम को सुंदर और रोचक बनाने के लिए वृक्षारोपण की महत्व पर रोशनी डालने के लिए कक्षा प्रथम की छात्रा देवेन्या द्विवेदी और कक्षा द्वितीय की छात्रा प्रिशा भारद्वाज ने सुंदर कविता प्रस्तुत की. साथ ही कक्षा तृतीय की छात्रा श्रेया शर्मा, खुशबू कुमारी, दानिन साजिद और अविनिशा सिन्हा के द्वारा वृक्ष लगाने की महत्ता पर स्लोगन प्रस्तुत किए गए जिसमें उन्होंने बताया कि एक वृक्ष 100 पुत्र के समान होता है.

राणी सती विद्यालय में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को राणी सती विद्यालय में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हेमलता भारती एवं उनकी टीम (सिनर्जी ग्लोबल हॉस्पिटल एवं लाइफ केयर हॉस्पिटल) उपस्थित थीं. शिविर में 400 से अधिक बच्चों का नेत्र जांच एवं 40 शिक्षकों का नेत्र जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह जांच निशुल्क किया गया. इस शिविर के संयोजक मंच के स्वास्थ्य प्रभारी युवा अखिल टिकमानी एवं युवा राहुल मित्तल थे.

आक्रोश

वक्फ एक्ट में संशोधन के फैसल से मुस्लिम वर्ग में रोष, प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी

संयुक्त समिति के 21 सदस्यों में भाजपा के आठ, कांग्रेस के तीन

रेहान अहमद। रांची। लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति के गठन के लिए सदन के 21 सदस्यों को नामित करने तथा राज्यसभा से 10 सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी. इसके बाद विचारार्थ संयुक्त समिति का गठन किया गया, लेकिन इसमें भी चालाकी से काम लिया गया. संयुक्त समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है उनमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और कांग्रेस के तीन सांसद शामिल हैं. ऐसे में निष्पक्ष विचार संदेह के घेरे में है. इस पर प्रस्तुत है मुस्लिम वर्ग से की गई बातचीत के अंश.

तैयार किया जा रहा है अंबानी को फायदा पहुंचाने का आधार : शाहिद अय्यूब

एआईएमआईएम के रांची जिला महानगर अध्यक्ष मो शाहिद अय्यूब ने कहा कि जिस तरह एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बंदरगाह आर्मी की संपत्ति अडाणी, अंबानी को कूड़े के मोल पर दे दी गई, ठीक उसी तरह हमारे वक्फ की संपत्ति को भी अडाणी, अंबानी को देने की साजिश रची जा रही है. मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं, वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर अंबानी की भव्य एंटीलिया खड़ी है, महाराष्ट्र हाईकोर्ट में वक्फ बोर्ड के पक्ष में जल्द ही फैसला आने वाला है, यह भी एक कारण हो सकता है. बीजेपी अपने मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए हमारी वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर संशोधन के नाम पर साजिश कर रही है. लेकिन मुसलमान इस सरकारी साजिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे. जरूरत पड़ेगी तो हम सड़कों पर आएंगे, वक्फ बोर्ड वैसी ही संस्था है, जैसे सिखों में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी या हिंदुओं में तिरुपति देवस्थानम बोर्ड है, या ऐसी दूसरी संस्था जो धार्मिक महत्व के संस्थानों का प्रबंधन करती है, क्या मुसलमानों ने इन संस्थानों पर अपना हक अधिकार जमाया है, तो फिर सरकार ऐसा कानून क्यों?

लोकसभा में वक्फ विधेयक का विरोध किया जाना उचित है: शानुल हक

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग झारखंड प्रदेश के महासचिव शानुल हक ने झारखंड में वक्फ के मसले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकसभा में प्रस्तावित वक्फ बिल देश की वक्फ संपत्ति और मुसलमानों के हकों को खत्म करने की एक साजिश है. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित वक्फ बिल, वक्फ अधिनियम 1995 में कुछ ऐसे परिवर्तन लाने का प्रस्ताव करता है, जो वक्फ की स्वतंत्रता और उसके लिए रखी गई जमीन और संपत्ति पर सरकारी दखल को बढ़ावा देगा. यह मुसलमानों के धार्मिक और सामाजिक हकों और संवैधानिक मूल्यों के भी खिलाफ आर्टिकल 14,15,25,26 और 30 का उल्लंघन है. आईयूएमएल का स्पष्ट स्टैंड है कि इस बिल को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श होना चाहिए. सांसद मोहम्मद बशीर ने संसद में बिल के खिलाफ जमकर विरोध दर्ज करवाया.

वक्फ एक्ट में संशोधन नहीं, बल्कि इसे और मजबूत करने की जरूरत है : अकरम

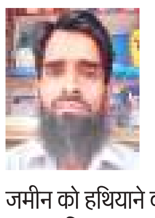

जन सूचना अधिकार मंच के संयोजक मो अकरम रशीद ने कहा कि केंद्र सरकार की वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करना कहीं ना कहीं संपत्तियों को अपने अंदर लेने की कोशिश और प्रयास करने का है, क्योंकि भारत में रेलवे और आर्मी के बाद सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास में है यह केंद्र सरकार अच्छी तरह से जानती है. इसलिए वक्फ बोर्ड को कमजोर कर जमीन को हथियाने की साजिश रची जा रही है, इस कानून को लाकर, हिंदुस्तान का हर एक मुस्लिम इमाम इस कानून में बदलाव नहीं चाहते हैं क्योंकि इस संपत्ति से मिलने वाले रिवेन्यू से गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं लिखते हैं और इलाज में उनकी मदद भी होती है. हम केंद्र सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि इस कानून में बदलाव न करके इस कानून को और मजबूत करें, ताकि जिन्होंने वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर कब्जा कर रखा है, वे कानून को मजबूत होने के बाद उस जमीन को कानून के डर से खाली कर देंगे.

वक्फ एक्ट संविधान के अधिकार के तहत है : कुर्बान

दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल के कुर्बान अली ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपनी निजी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दान कर दिया और उन्होंने इसे इस्लामी कानून के तहत वक्फ का बना दिया. हमारे पास पहले से ही वक्फ अधिनियम 1995 है, संविधान के अधिकार के तहत है इस लिये वर्तमान में हमें नहीं लगता कि इस वक्फ अधिनियम में किसी भी प्रकार के संशोधन की जरूरत है. वक्फ से आने वाले फंड से गरीब बच्चों को अच्छी तालीम मुहैया कराई जाती है, ताकि गरीब बच्चे भी उच्च शिक्षा हासिल कर सके. इस लिये मेरा सरकार से आग्रह है कि इसमें संशोधन ना कर इसे और मजबूती प्रदान किया जाये.

अल्लामा अरशदुल कादरी के उर्स के मौके पर 22 को जलसे की तैयारी

बैठक में शामिल एदारा ए शरिया झारखंड के सदस्य.

संवाददाता। रांची

एदारा ए शरिया झारखंड व सुन्नी बरैली सेंट्रल कमेटी की बैठक मस्जिद ए रजा गुदड़ी कुरैशी मुहल्ला में एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी की अध्यक्षता में हुई. सर्वसम्मति से सुन्नी बरैली सेंट्रल कमेटी की ओर से कायदे अहले सुन्नत अल्लामा अरशदुल कादरी के उर्स के अवसर पर 22 अगस्त को जलसा आयोजित करने का निर्णय लिया गया.

मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के पूर्व राज्य सभा सांसद गुलाम रसूल बलियावी शामिल होंगे. आगामी माह में निकाले जाने वाली ईद-मिलादुन्नबी के जुलूस पर भी चर्चा की गई. अगली बैठक एक सितंबर को होगी. बैठक की शुरुआत कलाम पाक की तिलावत से हुई. मौके पर सुन्नी बरैलवी सेंट्रल कमेटी के अध्यक्ष मौलाना डॉ. ताजुद्दीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो इस्लाम, मौलाना मसूद फरीदी शहर काजी, मौलाना मो आबिद, मौलाना मोबीन नाजिश, मौलाना अब्दुल सलाम रिजवी, मौलाना तालिब रजा, मौलाना नौशाद आलम, मौलाना इरफान सादिक रिजवी, मौलाना तालिब रजा, मौलाना समशाद आलम रिजवी, मौलाना मो हुसैन रिजवी आदि शामिल थे.

झारखंड, असम और बांग्लादेश

छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों' को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है.

• देश-काल

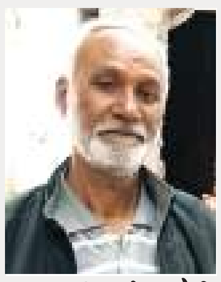

श्याम किशोर चौबे

आषाढ़ तपने के बाद सावन ने हिमालय से लेकर किष्किंधा तक, केदारनाथ से लेकर दिल्ली, रांची, वायनाड तक ऐसा पानी-पानी कर दिया कि 'विकास' को बाल्टियों से उलीचना पड़ा. इसी दौर में विश्वपटल पर एक प्रलयंकारी घटना बांग्लादेश में तख्तापलट के रूप में सामने आयी. पिछली जनवरी में चौथी बार वहां की वजीरेआजम बनीं शेख हसीना वाजेद को बहुत हड़बड़ी में पांच अगस्त की दोपहर महज दो सूटकेस लेकर भारत भागना पड़ा. उनकी कई कहानियां हैं. आयरन लेडी बनने से लेकर तंगहाल बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था ऊंचाइयों पर ले जाने तक, विपक्षी नेताओं को जेलबंद कर चुनाव जीतने तक और काफी हद तक तानाशाह बन जाने तक, पाकिस्तान, चीन, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे अमित्र देशों से घिरे भारत से मित्रता निभाने तक. अवामी लीग लीडर हसीना को सत्ता से बेदखल करने का प्रत्यक्ष तौर पर युवाओं का आरक्षण विरोधी प्रचंड आंदोलन बांग्लादेश में चल रहा था, जिसे उनके द्वारा दुश्मनी की हद तक विरोधी बनाये जा चुके बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के अलावा 2007 में नागरिक शक्ति नामक राजनीतिक दल के संस्थापक नोबेल प्राइज विजेता मशहूर अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस का परोक्ष समर्थन प्राप्त था. उन्हीं यूनुस को फिलहाल अंतरिम सरकार चलाने की जवाबदेही सौंपी गई है, जबकि हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के साथ उनकी प्रबल प्रतिद्वंद्वी पूर्व प्रधानमंत्री बीएनपी चीफ खालिदा जिया की जेल से रिहाई कर दी गई. ये वही हसीना वाजेद हैं, जिनके देश से बंगाल, झारखंड, बिहार, असम आदि में व्यापक पैमाने पर घुसपैठियों के घुस आने की खबरें सियासी माहौल में सालोंसाल से तैरती रही हैं. झारखंड में अगले कुछ ही महीनों में विधानसभा का चुनाव होनेवाला है और देश की सत्ता पर लगातार तीसरी मर्तबा काबिज किंतु झारखंड में विपक्ष की भूमिका अदा कर रही भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठ को बड़ा एजेंडा बनाये हुए है.

मुख्तसर सी चर्चा असम की. छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों' को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है. उसी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हैं और संतालपरगना में घुसपैठ तथा मतांतरण मामला वे जोरदारी से उठाते हैं. यह कहना ठीक नहीं होगा कि पहले असम को संभालें, लेकिन घुसपैठ गंभीर समस्या है, जिससे सभी को मिलजुलकर निपटना होगा. केंद्र सरकार को विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि बांग्लादेश से अपनी तकरीबन 4,096 किमी सीमा लगी हुई है, जबकि सभी पड़ोसियों संग हमारी 15 हजार किलोमीटर से अधिक तक की सीमाएं जुड़ी हुई हैं. इतनी बड़ी सीमाओं की निगरानी कतई आसान नहीं है, लेकिन करनी तो पड़ेगी.

झारखंड में बांग्लादेशी नहीं हैं, यह नहीं कहा जा सकता. 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान जब पाकिस्तान को हराकर भारत ने बांग्लादेश की स्थापना कराई थी, उस दौर में तकरीबन एक करोड़ शरणार्थी भारत आए थे. बाद के दिनों में भी काम की तलाश में अनेक बांग्लादेशी आते रहे. बिलाशक इनमें से अनेक संताल परगना में भी आते रहे होंगे, क्योंकि इस परगने की सीमाएं बरास्ता बंगाल बांग्लादेश के करीब हैं. बंगाल की 2,216 किमी सीमा बांग्लादेश से जुड़ती है. ऐसे ही, एक अनुमान के अनुसार साढ़े चार लाख झारखंडी बांग्लादेश में दशकों से रह रहे हैं. अवैध तरीके से सीमा पार कर आ बसने या बस जाने का जुगाड़ करनेवालों की शिनाख्त तो की ही जानी चाहिए. झारखंड में हर राजनीतिक गुण-धर्म की सरकारें रही हैं. इसलिए घुसपैठ का दोष किसी एक पर मढ़ना कतई जायज नहीं होगा. सियासी फायदे के लिए ऐसा किया जाता है तो लोकशाही का तकाजा है कि कल के गये यह अगले का भी सिरदर्द साबित होगा. बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट के न्याय निर्णय के बावजूद '71 के संग्रामियों के वारिसों के नाम पर शेख हसीना ने आरक्षण का विष वृक्ष पुराने ढर्रे पर पोषित करते रहने का जो दुस्साहस किया, उसका परिणाम जगजाहिर है. अपने पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान, मां और तीन भाइयों की 1975 में विरोधियों द्वारा हत्या के बाद छह वर्षों तक भारत में निर्वासित सा जीवन बितानेवाली हसीना का 1981 में ढाका में अपार भीड़ ने खैरमकदम किया था. प्रायः 43 वर्षों बाद ठीक विपरीत गुस्सैल मजमों के डर से 76 की उम्र में उनको घर-बार, शान-ओ-शौकत छोड़कर निकल भागने की मोहलत मिल गई, यही क्या कम है?

... और अंत में: सरयू राय चार अगस्त को जदयू के हो गये. भाजपा त्यागकर 2019 में उन्होंने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार भाजपा के स्टॉलवार्ट नेता, तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को हराया था. बदले सियासी हालात में उन्होंने आजसू, एनसीपी और एक निर्दलीय विधायक संग मिलकर पांच विधायकों का भारतीय लोकतांत्रिक मोर्चा बनाया, लेकिन उसका अस्तित्व नजर नहीं आया. फिर उनकी पहचान भारतीय जनतंत्र मोर्चा नामक राजनीतिक संगठन के संयोजक के तौर पर बनी. इसी के बैनर तले वे हालिया लोकसभा चुनाव धनबाद से लड़ना चाहते थे, लेकिन विधानसभा चुनाव आते-आते वे तीर छापी हो गये. झारखंड में जदयू अस्तित्व का संकट झेल रहा है. जदयू के प्रतीक पुरुष और सरयू के घनिष्ठ मित्र नीतीश कुमार ने दिल से साथ दिया तो बहुत संभव है कि इस बार के भी विधानसभा चुनाव में सरयू का तीर जमशेदपुर में चल जाए, राज्य में जदयू का जो होना होगा सो होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वक्फ विधेयक और सियासत

संसद के जारी मानसून सत्र में केन्द्र सरकार ने वक्फ़ बोर्ड कानूनों में संशोधन करने के उद्देश्य से गुरुवार को विधेयक पेश किया, जिसका विपक्ष ने जबर्दस्त विरोध किया. इसके साथ ही सरकार में सहयोगी दल टीडीपी का रवैया भी खुलकर समर्थन देने वाला नहीं रहा. बल्कि टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विधेयक के लिए अपनी पार्टी का सशर्त समर्थन करते हुए कहा कि अगर वक्फ संशोधन विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा जाता है तो वे इसका विरोध नहीं करेंगे. टीडीपी के इस हस्तक्षेप और इंडिया ब्लॉक के कड़े विरोध के बाद इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने का फैसला लिया गया. यह एक तरह से संसद में मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है. सरकार का कहना है कि संशोधन कानून के जरिये वक्फ़ बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों को नियंत्रित किया जायेगा, उसके कामकाज को पारदर्शी बनाया जायेगा और उसमें सभी वर्गों, खासकर महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाई जायेगी. दूसरी तरफ़ विपक्षी दलों का मानना है कि इसके पीछे सरकार की मंशा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की है और वक्फ़ बोर्ड की जमीनों को हथियाना है. इस पर चर्चा जारी है, लेकिन यदि संख्या बल के आधार पर सरकार इसे पास कराने में कामयाब होती है तो यह अल्पसंख्यकों में असंतोष और निराशा का एक और कारण बनेगा. मूलतः 1955 में लागू किये गये और साल 2013 में संशोधन के साथ जारी बोर्ड कानून में फिर से बदलाव के अनेक प्रस्ताव हैं. बेहतर कामकाज और संचालन के नाम से 44 संशोधन लाए जाने की सरकार की तैयारी है. सरकार के मुताबिक इस संशोधन द्वारा केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस के जरिये वक्फ़ के पंजीकरण को व्यवस्थित करना है. इसमें प्रस्ताव है कि किसी भी संपत्ति को वक्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को नोटिस देना होगा और इसमें राजस्व कानूनों के अनुसार कार्रवाई होगी. सरकार का तो कहना है कि संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्डों के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाना तथा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है. सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी. उनकी शक्तियों में कटौती होगी, जो धार्मिक कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप जैसा होगा. वक्फ़ बोर्ड कानून 2013 के संशोधन में वक्फ़ बोर्डों को व्यापक शक्तियां देता है. इसलिए भाजपा को इससे तकलीफ़ है. वक्फ़ अधिनियम, 1995 (2013 में संशोधित) की धारा 3 के तहत 'वकीफ़' (जो मुस्लिम कानून द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए संपत्ति समर्पित करता है) द्वारा 'औकाफ़' (दान की गई और वक्फ़ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को नियमित करने के लिए बना था. 1954 का अधिनियम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वक्फ़ के कामकाज हेतु प्रशासनिक संरचना देने के उद्देश्य से बना था. तब वक्फ़ बोर्डों के पास शक्तियां थीं, जिनमें ट्रस्टियों और मुतव़ल्लियों (प्रबंधकों) की भूमिकाएं भी शामिल थीं.

> सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी.

सुभाषित

परवाच्येषु निपुणः सर्वो भवति सर्वदा।
आत्मवाच्यं न जानीते जानन्नपि च मुह्मति।।

हर एक मनुष्य दूसरे के दोष दिखाने में प्रवीण होता है. अपने खुद के दोष या तो उसे नजर नहीं आते या फिर वह उन दोषों को अनदेखी करता है. यदि मनुष्य अपने दोषों को स्वयं देखकर मूल्यांकन करे और उसके अनुरूप आचरण करे तो सबका कल्याण हो.

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

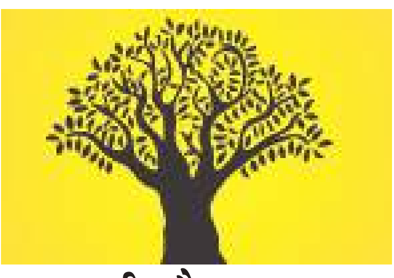

कार्य और कारण

एक व्यक्ति ने अपने बगीचे में आम का वृक्ष उगाया,जब उस पर आम लग गये तो, अपने पांच मित्रो को मीठे स्वादिष्ट फ़ल खाने के लिये आमंत्रित किया. सभी फलों का रसास्वादन करते हुए चर्चा करने लगे. वे पांचो अलग अलग मतवादी थे. चर्चा करते हुए प्रथम कालवादी ने कहा, आज जो हम इन मीठे फ़लों का आनंद ले रहे है वह समय के कारण ही सम्भव हुआ. जब समय हुआ पेड बना, काल पर ही आम लगे और पके, समय ही कारण है, हमे परिपक्व आम उपलब्ध हुए. तभी स्वभाववादी बोला, काल इसका कारण नहीं है, जो भी हुआ स्वभाव से हुआ. गुठली का गुणधर्म था आम का पेड बनना, पेड का स्वभाव था उस पर आम लगना, स्वभाव से ही उसमें मधुर रस उत्पन्न हुआ. स्वभाव ही मात्र कारण है. नियतिवादी दोनों की बात काटते हुए बोला, न तो काल ही इसका कारण है न स्वभाव. कितना भी गुठली के उगने का स्वभाव हो और कितना भी काल व्यतीत हो जाय, अगर गुठली के प्रारब्ध में उगना नहीं होता तो वह न उगती, वह सड़ भी सकती थी, किस्मत न होती तो पेड़ अकाल खत्म भी हो सकता था. उसी समय कर्मवादी ने अपना मंतव्य रखते कहा, न काल, न स्वभाव, न नियति ही इसका कारण है, सभी कुछ कर्म-सत्ता के अधीन है. कर्मानुसार ही गुठली का उगना, पेड़ बनना व फ़ल में परिवर्तित होना सम्भव हुआ. हमारे कर्म थे, जिससे इन फ़लों का आहार हम कर रहे हैं, गुठली का वृक्ष रूप उत्पन्न होकर फ़ल देना कर्म-प्रबंध के कारण होते चले गये. अतः कर्म ही मात्र कारण है. अब पुरुषार्थवादी की बारी थी, उध्यमवादी ने कहा, भाइयो, हमारे इन बागानस्वामी ने सारी मेहनत की उसमें ये काल, स्वभाव, नियति और कर्म कहां से आ गये. इन्होंने श्रम से बोया, रखवाली की, खाद व सिंचाई की. सब इनके परिश्रम का ही फ़ल है. बिना श्रम के इन मीठे फ़लों का उत्पन्न होना सम्भव ही नहीं था. जो भी कार्य होता है वह पुरुषार्थ से ही होता है. पांचों ही अपनी अपनी बात खींच रहे थे. तभी बागानस्वामी ने कहा मित्रों आप सभी अपनी अपनी बात पकड कर गलत, मिथ्या सिद्ध हो रहे हो, यदपि आप पांचो का अलग स्वतंत्र अभिप्राय मिथ्या है तथापि आप पांचो के मंतव्य सम्मलित रूप से सही हैं , इन पाँचों कारणो का समन्वय ही सत्य है, कारणभूत है. कोई एक कारण प्रधान हो सकता है और अन्य चार गौण किन्तु पांचों का होना अनिवार्य है.

मध्यवर्ग, कॉरपोरेट सेक्टर और राजनीति

• बजट चर्चा

प्रो. अरुण कुमार

कॉरपोरेट सेक्टर और पिंक पेपर्स ने केंद्रीय बजट 2024-25 का बड़े पैमाने पर स्वागत किया है. कोई हमेशा और अधिक पाने या चाहने की कामना कर सकता है, लेकिन अगर कोई नुकसान नहीं होता है और कोई ठहराव नहीं होता है तो यह राहत की बात होगी. उम्मीद यह की गई थी कि हाल ही में हुए चुनाव नतीजों के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की अगुआई वाली सरकार बजट में ऐसे उपाय पेश करेगी, जिससे वह आबादी के असंतुष्ट तबके को अपने पाले में वापस ला पाए. इसके लिए बजट का जनता के पक्ष में होना ज़रूरी था-और हमेशा इस किस्म के बजट को भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर व्यापार विरोधी बजट के रूप में पेश करता है. उन राज्यों के लिए भी बड़े पैकेज की उम्मीद की गई थी, जहां से सरकार में सत्तारूढ़ पार्टी को समर्थन देने वाले दो प्रमुख गठबंधन सहयोगी आते हैं, अर्थात आंध्र प्रदेश और बिहार. कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी. संक्षेप में, अतिरिक्त राजस्व संगठित क्षेत्र से मिलने की उम्मीद थी, जो वैसे भी अधिकांश करों का भुगतान करता है और सरकार को गैर-कर संसाधन उपलब्ध कराता है. इसके अलावा, महामारी के बाद संगठित क्षेत्र में वृद्धि हुई है, जैसा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से पता चलता है, इसलिए अर्थव्यवस्था में इसकी आय का हिस्सा बढ़ गया है और यह अधिक करों का भुगतान करने में सक्षम है. छिपे हुए इरादेइन सब बातों को देखते हुए, चुनाव के बाद का बजट चुनाव-पूर्व बजट से अलग होने की उम्मीद थी. 1 फरवरी, 2024 को पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट का इस्तेमाल प्राथमिकताओं में आए बदलावों का आकलन करने के लिए किया जा सकता है. नई प्राथमिकताओं को समायोजित करने के लिए, यदि कोई प्राथमिकता हो भी तो बजट का समग्र आकार बहुत बड़ा होना चाहिए था. 47.66 लाख करोड़ से 48.20 लाख करोड़ तक की वृद्धि का मतलब केवल एक प्रतिशत की वृद्धि है – यह शायद ही कोई बदलाव कहलाएगा. मान लीजिए कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि वित्तीय घाटा न बढ़े. उस स्थिति में, फिर से पुनः प्राथमिकताओं को तय करने की जरूरत थी - प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आवंटन में पर्याप्त वृद्धि और अन्य व्यय में कटौती करनी थी. लेकिन ऐसा शायद ही देखने को मिले. इस बदलाव की कमी को बड़े बदलावों का दिखावा करके छिपाया जाना था. इसके लिए एक मानक तकनीक यह है कि पांच साल के व्यय लक्ष्य की घोषणा की जाए, जबकि मौजूदा बजट में बहुत कम आवंटन किया जाए. उदाहरण के लिए, बहुत धूमधाम से यह घोषणा की गई है कि 500 सबसे बड़ी कंपनियां एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करेंगी. सुनने में तो बहुत बढ़िया लग रहा है. लेकिन पांच साल से भी ज़्यादा हो गए हैं. इसके अलावा, चूंकि इस योजना को अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है, इसलिए मौजूदा बजट से शायद ही किसी फंड की ज़रूरत होगी. इसलिए, 10,000 करोड़ रुपये के आवंटन की बिना पर रोज़गार पर काफ़ी चर्चा हुई है. दूसरी तकनीक ऐसी योजनाओं की घोषणा करना है, जिनके लिए बजट में कोई धनराशि नहीं दी जाती है. इन्हें वित्तीय एजेंसियों से ऋण लेकर वित्तपोषित किया जाता है. इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण आंध्र प्रदेश की अमरावती राजधानी परियोजना के लिए घोषित 15,000 करोड़ रुपए की घोषणा है. यह केंद्र सरकार द्वारा सुविधा प्रदान की गई बहुपक्षीय एजेंसियों से ऋण लेना जैसा होगा. इसलिए बजट में कुछ भी आवंटित करने की जरूरत नहीं है. इसी तरह, बिहार और आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़ी घोषणाओं के लिए अब ज्यादा धन की जरूरत नहीं है. उनके लिए काम शुरू करने के लिए योजनाएं बनानी होंगी और उन्हें पूरा होने में सालों लग सकते हैं. इसलिए, बाद में धन आवंटित करना पड़ सकता है. दरअसल, बताई गई कुछ योजनाएं पहले की हैं जो सुस्त पड़ी थीं और वे आगे भी सुस्त ही रहेंगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी.

जब परेशान करे बच्चों की अति चंचलता

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

बच्चों का स्वभाव कई तरह का होता है. कुछ बच्चे बहुत शांत प्रकृति के होते हैं तो कुछ बच्चे बहुत चंचल प्रवृत्ति के, किंतु बच्चों का चंचल स्वभाव अत्यधिक होना जब माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाता है तो ऐसी स्थिति में बच्चा एक मेडिकल कंडीशन में होता है जिसे हम अटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर कहते हैं. इसे ध्यान अभाव सक्रियता विकार नाम से भी जाना जाता है. यह लंबे समय से चल रही ऐसी स्थिति है, जिसमें ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होता है. साथ ही, इस स्थिति से ग्रस्त बच्चे बहुत ज़्यादा सक्रिय रहते हैं और बिना सोचे-समझे आवेग में काम करते हैं. एडीएचडी अक्सर बचपन में ही शुरू हो जाता है और वयस्क होने के बाद भी बना रह सकता है. एडीएचडी एक मानसिक स्वास्थ्य विकार है, जो व्यवहार में अति-सक्रियता पैदा कर सकता है. इससे ग्रस्त लोग एक कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित करने या लंबे समय तक एक जगह बैठने में परेशानी का सामना कर सकते हैं. लड़कियों की तुलना में लड़को में एडीएचडी की समस्या आम होती है. एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं. एडीएचडी के लक्षण जैसे ध्यान न देना जरूरत से अधिक सक्रियता, असंतोष, चीजें याद रखने में परेशानी, अत्यधिक बातूनी होना, अक्सर दिन में सपने देखना इत्यादि हैं. एडीएचडी का कारण आनुवंशिकता, दिमाग में परिवर्तन, गर्भावस्था के दौरान खराब पोषण, मस्तिष्क की चोट और मिर्गी हो सकता है. एडीएचडी का उपचार मेडिसिन, साइकोथेरेपी, एजुकेशन या ट्रेनिंग से किया जा सकता है. एडीएचडी से पीड़ित बच्चों को ऐसे संभालें. अच्छे काम पर प्रशंसा करने या इनाम देने से बच्चों के व्यवहार को पॉजिटिव किया जा सकता है. यदि ऐसा दिखे कि बच्चा आपा खो रहा है, तो उस पर ध्यान दें और उसे किसी अन्य एक्टिविटी में बिजी कर दें. अन्य बच्चों के साथ खेलने दें. इससे बच्चे को मिलने-जुलने में आसानी होगी, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि बच्चा स्वयं पर नियंत्रण न खोए. अपने बच्चे को अच्छी नींद सोने दें. ऐसे बच्चों को कभी-कभी ध्यान देने, सुनने और निर्देशों का पालन करने, शांत बैठने या अपनी बारी का इंतज़ार करने में संघर्ष करना पड़ता है, जो बच्चे असावधान (आसानी से विचलित) होते हैं, उन्हें अपना ध्यान केंद्रित करने, एकाग्रता करने और काम पर टिके रहने में परेशानी होती है. वे निर्देशों को ठीक से नहीं सुन सकते हैं, महत्वपूर्ण विवरणों को याद कर सकते हैं और जो शुरू करते हैं, उसे पूरा नहीं कर सकते हैं. वे दिवास्वप्न देख सकते हैं या बहुत अधिक आलस्य कर सकते हैं. वे विचलित या भुलक्कड़ लग सकते हैं और अपनी चीजों पर ध्यान नहीं दे सकते हैं. अति सक्रिय बच्चे आसानी से ऊब जाते हैं. उन्हें स्थिर बैठने या ज़रूरत पड़ने पर चुप रहने में परेशानी हो सकती है. वे जल्दबाजी में काम कर सकते हैं और लापरवाही से गलतियां कर सकते हैं. वे तब चढ़ सकते हैं, कूद सकते हैं या जब उन्हें नहीं करना चाहिए, तब भी शरारत कर सकते हैं. बिना सोचे-समझे, वे ऐसे काम कर सकते हैं, जिससे दूसरों को परेशानी हो. जो बच्चे आवेगशील होते हैं, वे सोचने से पहले ही बहुत जल्दी काम कर लेते हैं. वे अक्सर बीच में टोकते हैं, धक्का दे सकते हैं या पकड़ सकते हैं और उन्हें इंतज़ार करना मुश्किल लगता है. वे बिना अनुमति के काम कर सकते हैं. ऐसी चीज़ें ले सकते हैं, जो उनकी नहीं हैं या ऐसे तरीके अपना सकते हैं, जो जोखिम भरे हों. उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं ऐसी हो सकती हैं, जो स्थिति के लिए बहुत तीव्र लगती हैं. कभी-कभी माता-पिता और शिक्षक बच्चे में एडीएचडी के लक्षण तब देखते हैं, जब वह बहुत छोटा होता है, लेकिन छोटे बच्चों का विचलित, बेचैन, अधीर या आवेगी होना सामान्य बात है-इन बातों का हमेशा यह मतलब नहीं होता कि बच्चे को एडीएचडी है. जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, ध्यान, गतिविधि और आत्म-नियंत्रण धीरे-धीरे विकसित होते हैं. बच्चे माता-पिता और शिक्षकों की मदद से ये कौशल सीखते हैं, लेकिन कुछ बच्चे ध्यान देने, शांत रहने, सुनने या प्रतीक्षा करने में बहुत बेहतर नहीं होते हैं. जब ये चीजें जारी रहती हैं और स्कूल, घर और दोस्तों के साथ समस्याएं पैदा करने लगती हैं तो यह एडीएचडी हो सकता है. अगर आपको लगता है कि आपके बच्चे को एडीएचडी है तो डॉक्टर से मिलें.

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

जम्मू-कश्मीर में चुनावों की आहट

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के सिलसिले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु ने श्रीनगर में राजनीतिक दलों के नेताओं से बातचीत शुरू कर दी है. अब यह तय है िक जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अगले महीने सितम्बर में होंगे. केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जम्मू में आयोजित भाजपा के एकात्म महोत्सव रैली को सम्बोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर में सितम्बर में चुनाव कराए जाने की बात कही है. चुनाव की तिथियां निर्वाचन आयोग ही तय करेगा. जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के 6 वर्ष बाद चुनाव होने जा रहे हैं. पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था और 2018 में उसे भंग कर िदया गया था. अनुच्छेद 370 हटाए जाते समय जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया था और जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर उसे भी केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल चुनाव आयोग को 30 सितम्बर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश दिया था. निर्वाचन आयोग ने पहले ही स्पष्ट कर िदया था कि राज्य विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के बाद ही कराए जाएंगे. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में 107 विधानसभा सीटों का प्रावधान था, जिसमें 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) की खाली रखी जाती थी. बाद में डीलिमिटेशन में सीटों की संख्या बढ़ाकर पीओके की 24 सीटों के साथ 114 कर दी गई. जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल चुनावों को लेकर अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं लिकन चुनावों को लेकर बहुत सारे सवाल भी उठ रहे हैं. चुनावी परिदृश्य अभी भी स्पष्ट होना बाकी है. क्योंकि अभी भी बहुत सारी दुविधाएं मौजूद हैं. भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद ही चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी थीं. जम्मू-कश्मीर की 5 लोकसभा सीटों पर 35 वर्ष बाद 58 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई जिससे यह स्पष्ट हो गया कि जम्मू-कश्मीर की आवाम की लोकतंत्र में गहरी आस्था है और वह राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग नहीं रहना चाहते. जम्मू-कश्मीर की 5 में से सिर्फ 2 लोकसभा सीटें हिन्दू बाहुल्य सीट ऊधमपुर और जम्मू से ही अपने उम्मीदवार उतारे थे और दोनों पर ही उसे जीत हासिल हुई थी. भाजपा ने घाटी की 3 सीटों पर कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था. लोकसभा चुनावों में दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को बारामूला, अनंतनाग से करारी हार का सामना करना पड़ा था. इस बार लोकसभा चुनाव बीजेपी और एनसी ने एक समान दो-दो सीटों पर जीत हासिल की है. हालांकि वोटिंग शेयर के मामले में बीजेपी 24.32 फीसदी के साथ अव्वल रही है, इसके बाद अन्य उम्मीदवारों ने 23.89 फीसदी वोट शेयर किए जबकि नेशनल कांफ्रेंस ने 22.42 फीसदी वोट शेयर किया. **(पंजाब केसरी)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

झाड़/झाड़ी/झार/झारी

मैंने तो बात बदल कर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन वहां जाने पर मुझे झाड़ सुननी पड़ेगी. प्रदूषण उस बाघ के समान है, जो घात लगाए झाड़ी में छिपा बैठा है और कभी भी हम पर हमला करके सब कुछ तहस-नहस कर सकता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार झाड़ का स्त्रीलिंग के रूप में मतलब है झाड़ने की क्रिया या भाव, गलती हो जाने पर मिलनेवाली फटकार, डांट-डपट, प्रेतबाधा या सांप के जहर को उतारने के लिए मंत्र पढ़ते हुए झाड़ने-फूंकने की क्रिया. वहीं पुल्लिंग के रूप में झाड़ का मतलब है झाड़ी का एक रूप, वह वृक्ष जिसकी डालियां जमीन के पास चारों ओर फैलती हैं, कांटेदार क्षुप, गुंजान, उजाले के लिए प्रयोग किये जानेवाले कांटे से बना झाड़ की आकृति का फानूस, जो छत या शामियाने में लटका कर जलाया जाता है. उक्त आकार का रोशनी करने का शीशे का वह उपकरण जो छत पर सजावट के लिए लटकाया जाता है, आतिशबाजी. झाड़ी तो निश्चित रूप से संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द ही है. झाड़ी की लोकप्रियता झाड़ से अधिक है. कोई भी हिंदी भाषी झाड़ी को छोटे झाड़, झुरमुट, कूची, बलौंछी, एक प्रकार धने उगे हुए कंटीले छोटे वृक्षों या पौधों के समूह के रूप में जानता है. इससे बना शब्द झाड़ीदार विशेषण है. इसका सीधा मतलब है झाड़ीयुक्त, आकार, रूप आदि में छोटे झाड़ की तरह, कंटीला, कांटेदार, वह स्थान जहां झाड़ियां अधिक हों. झाड़ से मिलता जुलता शब्द है झार. झार का मतलब संज्ञा पुल्लिंग के रूप में झुंड, दल, समूह, रसोई का झरना या पौना नामक उपकरण, एक प्रकार का पेड़, संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में स्वाद में तीखे होने की अवस्था या भाव, आग की ज्वाला, लपट, ताप, जलन, मन-संताप और अव्यय के रूप में निपट, निरा, केवल, एक सिरे से, एकदम. इसी शब्द से बनता है झारी, जिसका मतलब है पानी रखनेवाला टोंटीदार बरतन, पानी में अमचूर, जीरा, नमक आदि मिलाकर बनाया जानेवाला स्वादिष्ट पेय.

सुर्खियों में काली स्याही का कमाल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

ऐसा बहुत कम होता है कि काली स्याही सुर्ख़ियों में हो. लेकिन आजकल है. काली स्याही का सुर्ख़ियों में होना, बड़ी विरोधाभासी चीज़ है. जो स्याह रंग हो, वही तो स्याही है. एक तो स्याही के लिए काली स्याही कहना अपने आप में ही उसके काले होने को अनावश्यक तूल देना है और फिर स्याह को सुर्ख बना देना और भी अजीब लगता है! लाल रंग अपनी चमक से हमारा ध्यान तुरंत खींच लेता है, लेकिन काली स्याही कुछ ऐसा करतब कर बैठे कि हमारा ध्यान उसकी ओर जाए बिना न रहे, तभी काली स्याही का सुर्ख हो जाना समझ में आने वाली बात है –जैसे काली स्याही से लिखने की बजाय, किसी का मुंह काला कर दिया जाए! ऐसा हो सकता है. ऐसा किया जा रहा है. वैसे 'मुंह काला हो जाना', लेकिन यह तो प्रतीकात्मक बात हुई, कोई व्यक्ति जब कोई वर्जित काम, जिसकी स्वीकृति समाज नहीं देता, करता है, तो कहा जाता है कि उसने ऐसा करके अपना मुंह काला कर लिया. मुंह वास्तव में काला नहीं होता, जिस रंग का है –गोरा, भूरा. श्यामला- उसी रंग का बना रहता है. पर लोग हैं कि उन्हें इतने भर से चैन नहीं! वे मुंह काला होने के केवल प्रतीकात्मक अर्थ से संतुष्ट नहीं होते. वे कभी कभी, भले ही अपने मूल प्रतीकात्मक अर्थ में मुंह काला न हो पाए, काली स्याही पोतकर वास्तव में अपनी झल्लाहट के चलते किन्हीं लोगों के मुंह पर काली स्याही पोत देते हैं. गांधी जी ने सत्याग्रह करने के लिए विरोध करने के हमें कई अहिंसात्मक तरीके बताए थे. इन तरीकों में आजकल लगातार इजाफा हो रहा है. काली स्याही सुर्ख़ियों में है. लोगों ने विरोध का यह एक नया अंदाज़ अपना लिया है. कहा जा रहा है कि मुंह पर काली स्याही पोतना भी विरोध करने का एक अहिंसात्मक तरीका है. गोली-बारी से, मार-पीट से, जूतम-पैजार से, यहां तक कि गाली-गलौज से भी यह अधिक अहिंसात्मक है! अधिक प्रजातंत्रात्मक है. यह एक ऐसा तरीका है, जिससे व्यक्ति की काली करतूतें उसके चेहरे पर आ जाती हैं. आ जानी चाहिए. लेकिन अगर काली करतूतें हैं ही नहीं तो भला वे चेहरे पर आ ही कैसे सकती हैं? सोचने की बात है. 'गांधीगीरी' का सोच से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा. हमारे देश में कुछ इसी प्रकार की गांधीगीरी इन दिनों चल रही है. खूब गालियां बको, उलटा-सीधा कहो, एक दूसरे को नीचा दिखाओ, नंगई पर उतर आओ, विरोध के ये सभी अहिंसात्मक तरीके मान लिए गए हैं. ईसा मसीह का अनुसरण करते हुए गांधी ने कहा था, अपने पड़ोसी से प्रेम करो. लेकिन उसका यदि विरोध करना हो तो? बहिष्कार कर दो उसका. भले ही फिर वह गुलाम अली जैसा गायक ही क्यों न हो. विरोध का यही अहिंसात्मक तरीका है. पाकिस्तानी लेखक की किताब का विमोचन हो. पूरी कोशिश करो कि वह न हो पाए. विमोचन करवाने वाले के मुंह पर कालिख पोत दो. विरोध का विनम्र तरीका है. ताज्जुब है, विरोध के इन तरीकों में विरोधाभास किसी को नज़र ही नहीं आ रहा है.

हस्ताक्षर

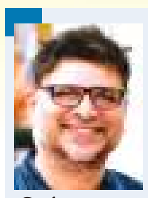

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म समीक्षक

फिल्म समीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले विनोद अनुपम को हाल ही बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम में परामर्शी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है. शुभम संदेश इनकी लेखनी से समृद्ध होता रहा है. इस विशेष उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं व बधाई.

देवरिया से फिल्मी दुनिया में पहुंचे मोती अपने साथ भोजपुरी की मिठास और माटी की महक की सौगात लेकर गए. उनके लिखे गीतों में भोजपुरी संस्कृति का सौन्दर्य खिलता-उभरता और इस नए आस्वादन से फिल्म जगत के श्रोता मुग्ध से हो गए. आठ साल में अस्सी फिल्मों के लिए गीत लिखा और फिर अपने गांव लौट कर आजीवन अपनी भाषा को समृद्ध करते रहे.

मोती के गीतों ने सिनेमा तक पहुंचायी माटी की महक

हिंदी सिनेमा के पुराने गीतों के प्रशंसकों की सूची में एक फिल्म का नाम आमतौर पर आज भी शामिल दिखता है, "नदिया के पार". यह "नदिया के पार" 1948 में रिलीज हुई थी, जब फिल्मिस्तान लोकप्रियता के शिखर पर था, किशोर साहू निर्देशित इस फिल्म में मुख्य भूमिका दिलीप कुमार और कामिनी कौशल ने निभायी थी. कहा जाता है यह फिल्म मोती बीए के कहने पर दिलीप साहब की पहल से बनी थी. सुदूर देवरिया से साहित्य की दुनिया छोड़ कर सिनेमा में गीत लिखने के उद्देश्य से मुंबई पहुंचे मोती बीए के गीतों को प्रतिष्ठित होने में देर नहीं लगी. दिलीप साहब उनकी बात टाल नहीं सके जब उन्होंने प्रस्ताव रखा कि वे ऐसी फिल्म में काम करें जिसके सभी गीत भोजपुरी में हों. दिलीप साहब ने हामी भरी, इस शर्त के साथ कि उस फिल्म के सारे गीत मोती बीए ही लिखेंगे. मोती ने उस फिल्म के लिए आठ गीत लिखे, शीर्षक गीत "मोहे राजा जी ले चल नदिया के पार" को रफी और ललिता ने आवाज दी थी. लोकशैली और पश्चिमी वाद्य के प्रयोग ने इन गीतों से हिंदी सिनेमा को एक नया आस्वाद दिया. उल्लेखनीय है कि "नदिया के पार" में संगीत दिया था, सी. रामचंद्र ने जो पाश्चात्य धुनों के लिए जाने जाते थे.

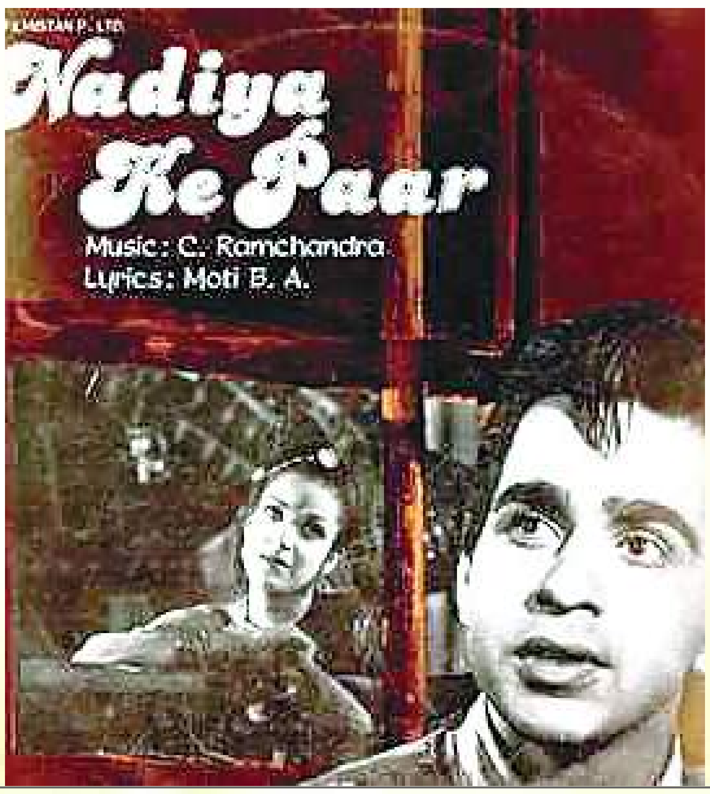

कवि सम्मेलन में मिली उपाधि

पढने लिखने में जहीन मोती का हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत पर समान अधिकार था. बनारस में पढ़ाई करते हुए ही मोती की साहित्यिक अभिरुचि विकसित हुई. इसी समय नागरी प्रचारिणी सभा में आयोजित कवि सम्मेलन में उन्होंने काव्य-पाठ किया और बच्चन जैसे कवियों द्वारा प्रशंसित हुए. यहीं इनके नाम के साथ बीए की उपाधि ऐसी जुड़ी कि,तमाम उपलब्धियां पीछे छूट गईं. मोती ने बनारस में ही पत्रकारिता और सम्पादन की दुनिया में कदम रखा. सन् बयालीस के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें नज़रबंद भी किया गया. इसी दौरान उनके गीतों की ख्याति सिनेमा तक पहुंची और फिल्मकार दलसुख एम पंचोली ने उन्हें अपनी अगली फिल्म "सुभद्रा" के गाने लिखने मुंबई बुला लिया. माटी की महक और साहित्य की पृष्ठभूमि ने उनके गीतों को एक अलग ही पहचान दी. बाद में वे फ़िल्मिस्तान से भी जुड़े और किशोर साहू के प्रिय गीतकारों में शामिल रहे.

अस्सी फिल्मों के लिए हिट गाने

मोती बीए ने हिंदी सिनेमा के लगभग आठ वर्षों की यात्रा में 80 फिल्मों के लिए गीत लिखे, जिनमें "राजपूत", "साजन", "सिंदूर", "रिमझिम", "राम विवाह", "निर्मल" जैसी फिल्म भी शामिल है. "निर्मल" के सभी आठ गीत मोती ने ही लिखे. शंकर थियेटर मुंबई से बनी इस फिल्म में संगीत बुलो सी रानी ने दिया था. फिल्म के सभी गाने हिट थे, जिसे शमशाद बेगम, गीता दत्त जैसे गायिकाओं ने आवाज दी थी. "रामविवाह" में संगीतकार शंकर राव व्यास ने राजकुमारी से उनके सर्वाधिक हिट गीतों में एक गवाया, जिसे लिखा था मोती ने- हे चंद्रवदन, चंदा की किरण, तुम किसका चित्र बनाती हो....दरबारी पर आधारित यह गीत इतना मेलोडी प्रधान है कि आज भी सुनने वाले ठहर जाते हैं. किशोर साहू की ही फिल्म "साजन" से चार गीतकार जुड़े थे, लेकिन सबसे लोकप्रिय मोती रचित रागविहाग में यह प्रस्तुति थी, "तुम हमारे हो न हो, हमको तुम्हारा ही आसरा..."

और घर लौट आए मोती

लेकिन मोती तो मोती ठहरे, ऐसा लगा जैसे हिंदी सिनेमा को भोजपुरी से परिचित कराने के बाद उन्होंने अपनी जवाबदेही पूरी मान ली, इन शब्दों के साथ वे गांव लौट आए, "बीज बनकर मैं भी बम्बई में तपा, गला, और खपा. अंकुरित भी हुआ, विकसित भी; पर फला-फूला नहीं, मैं घर छोड़कर फलना-फलना नहीं चाहता. घर का नहीं हुआ तो मैं किसी का कैसे हो सकता हूं?" देवरिया लौटकर उन्होंने स्कूल शिक्षक की नौकरी की और जीवनपर्यंत भोजपुरी को समृद्ध बनाने की अनथक कोशिशों में लगे रहे. अद्भुत थी अपनी भाषा को पहचान दिलाने की यह जिद.

बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन को अब घर बैठे ओटीटी पर भी देखा जा सकता है. शुक्रवार को यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है. कबीर खान लिखित और निर्देशित चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दर्शकों ने इसे खूब पसंद भी किया था.

अब आपके घर पहुंचा "चंदू चैंपियन"

शुक्रवार को 'चंदू चैंपियन' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई है. मुरलीकांत पेटकर साल 1965 में भारत-पाक के युद्ध के दौरान एक सैनिक थे और इस दौरान वह घायल हो गए थे. हालांकि, कई बड़ी चुनौतियों का सामना करने के बाद भी पेटकर ने कई स्पोर्ट्स में चैंपियन बन कर 1972 में भारत का पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया था.

'चंदू चैंपियन' में मुरलीकांत पेटकर के किरदार को निभाने को लेकर कार्तिक आर्यन ने ,एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि "मुरलीकांत पेटकर का रोल निभामा मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और मेरे जीवन में बड़ा बदलाव वाला रहा है. इस किरदार के लिए कुछ समय तक मैंने चीनी बिल्कुल बंद कर दी थी और एक स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करी थी. यह मेरे फिल्मी करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है, जिसमें मैंने एक आठ-मिनट का वॉर सीन का टेक दिया है, इसके साथ ही रेसलिंग, स्विमिंग और बहुत कुछ किया है.

वहीं निर्देशक कबीर खान ने कहा, "मैं बेहद लकी हूं कि ये कहानी मुझे मिली. यह एक ऐसे इंस्पायरिंग इंसान की कहानी है, जो कभी हार नहीं मानता. हम इसे सेलिब्रेट करना चाहते थे और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते थे. प्राइम वीडियो की बड़ी पहुंच के साथ, हम उत्साहित हैं कि चंदू चैंपियन को दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा करने के लिए."

सारा अली खान 12 अगस्त को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगी. आइए, इस मौके पर जाने सारा की जिंदगी के कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट...

दिन में कई बार नेलपेंट चेंज करती हैं सारा अली खान

स्कूल टाइम से एक्टिंग में मास्टर

सारा अली खान ने भले ही केदारनाथ (2018) से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले कोलंबिया यूनिवर्सिटी से लॉ, हिस्ट्री और पॉलिटिकल साइंस की स्टूडेंट के रूप में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की हो, लेकिन एक्टिंग हमेशा स्टार के लिए एक जुनून था. फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा ने एक बार वोग इंडिया को बताया, "मैंने पहली बार उन्हें एक अभिनेता के रूप में तब देखा था जब वह मेरे बच्चों के साथ धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में थीं." मैं बिना किसी गलती के उसे इन लंबे मोनोलॉग्स को गाते हुए देखता था और यह इतना प्रभावशाली था कि मैं खुद से सोचता था, "वाह! मुझे आश्चर्य है कि क्या वह अभिनेता बनेगी?' और देखो, इतने वर्षों के बाद, वह यहां है."

स्कूल से जब हुईं सस्पेंड

एक वीडियो साक्षात्कार के दौरान सारा अली खान ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए इस घटना का जिक्र किया था और कहा था कि इस कारण उन्हें स्कूल से लगभग निलंबित कर दिया गया था! बहुत मुश्किल से उनकी कैंपस में वापसी हो पाई थी. आखिर क्यों भला, इस पर सारा ने हंसते हुए कहा कि "मैंने एक बार पंखे पर फेविकोल फेंक दिया और बोतल टूट गई, और हर जगह फेविकोल फैल गया.

मेकअप से वह पहला प्यार

मेकअप की दीवानगी के लिए सारा अली खान का पहला अनुभव प्रीति जिंटा से जुड़ा है. उन्हें प्रीति जिंटा के मेकअप के साथ खेलना याद है जब उनके पिता सैफ अली खान के साथ 2000 में वह क्या कहना के लिए शूटिंग कर रही थीं. सारा कहती हैं कि "मुझे याद है कि मैं उस दिन सेट पर गई तो सीधे प्रीति जिंटा के मेकअप रूम में गई और उसकी मेकअप टीम के साथ खूब मस्ती की. हर लिपस्टिक को आज़मा रही थी. यह बहुत मज़ेदार था."

और आज का मेकअप एडिक्शन

अच्छा मैनीक्योर किसे पसंद नहीं है? खान का मेकअप एडिक्शन आप नेलपेंट को कह सकते हैं. वह इसी प्रतिदिन और कभी कभी दिन में कई बार चेंज कर देती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद कहा था कि "मुझे नेल पेंट का शौक है. मैंने केदारनाथ में गाने के हर शॉट में इसे बदल दिया है."

ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्खे

सारा अपनी ब्यूटी के लिए पार्लर जाने की बजाय किचन में झांकना अधिक पसंद करती हैं. सारा का मानना है कि हमारी रसोई में सहजता से उपलब्ध चीजें हमारी स्किन केयर के लिए बेस्ट ऑप्शन है. ऐसा ही एक आसान तरीका है नाश्ते के बचे हुए फलों को फेस मास्क के रूप में उपयोग करना. बकौल सारा- "मैं ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्ख़े की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं, इसलिए मैं अक्सर घरेलू उपचार अपनाती हूं. मलाई और शहद मेरे पसंदीदा हैं. मैं अपने चेहरे पर फल भी लगाती हूं, मां के ऐसे ही ब्यूटी टिप्स मेरे लिए भरोसेमंद हैं."

इंस्टाग्राम पर है सीक्रेट अकाउंट?

इंस्टाग्राम पर सारा अली खान खूब एक्टिव हैं और उनके फैंस को यह अच्छी तरह पता है. लेकिन कम ही लोगों को पता है कि सारा अली खान एक दूसरे गुप्त इंस्टाग्राम एकाउंट के माध्यम से अप्रतिबंधित ऑनलाइन स्टॉकिंग का भी आनंद लेती हैं, जैसा कि वोग इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया. इंटरनेट का आनंद लेने का यह तरीका बेशक आसान है. सारा का फंडा है- "दुनिया में कोई भी चीज़ उतनी ही गंभीर है जितना आप उसे रहने देते हैं. मैं ऐसे कमेंट नहीं पढ़ती जो मुझे परेशान करती हों."

चूड़ियों की दीवानी

यह बात आपने भी नोटिस की होगी कि सारा के हाथों में अक्सर चूड़ियां खनकती रहती हैं. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद कहा कि "मैं अपने देश के जिस भी राज्य में जाती हूं वहां से जुनूनी तौर पर चूड़ियां खरीदती हूं."

आध्यात्मिक यात्रा

सारा अली खान ने एक बार एक साक्षात्कार में साझा किया था, "मुझे अपने देश में आध्यात्मिक स्थानों पर जाना बहुत पसंद है." असम के गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर और राजस्थान के अजमेर में अजमेर शरीफ दरगाह की उनकी हालिया यात्रा सारा की इस पसंदगी को ही बयां करती हैं.

फिल्मों में आदिवासी जनजीवन - एक अवलोकन

राकेश रमण

हालांकि देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाई लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं. आदिवासी संस्कृति में देश दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, जिसका अब तक सही संप्रेषण नहीं हो पाया है. बेशक झारखंड में बनी कुछ फिल्में आदिवासी जनजीवन की सार्थक प्रस्तुति करने में सफल रही हैं, लेकिन ये नाकाफी हैं.

वैसे तो मुख्य धारा की जो भारतीय फीचर फिल्में हैं, उनमें आदिवासी जनजीवन को बहुत स्थान या कहें यथेष्ठ नहीं मिल पाया है परंतु यदि बात करें झारखंड की तो झारखंड की डॉ विनोद कुमार द्वारा निर्देशित और निर्मित पहली हिंदी फीचर फिल्म 'आक्रांत' हो या फिर स्थानीय भाषा नागपुरी की डी एन तिवारी द्वारा निर्मित पहली पिक्चर फिल्म 'सोना कर नागपुर' हो - दोनों की पृष्ठभूमि में आदिवासी जनजीवन का समावेश हुआ है और उनके किरदार के साथ-साथ उनके दृश्य भी आदिवासी पृष्ठभूमि को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करते हैं.

मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया'

देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाए. मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया' भी उनमें एक रही है. लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं.

कहां दिखता झारखंड!

झारखण्ड की फीचर फिल्म 'आक्रांत' की पीड़ा आदिवासी पृष्ठभूमि में ही गढ़ी गई है. लेकिन इसके बाद यदि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर अशोक शरण द्वारा बनाई गई फिल्म 'उलगुलान' और फिर अन्य कुछ निर्देशकों द्वारा भी भगवान बिरसा मुंडा पर ही बनाए गए फिल्मों को छोड़ दें, तो आदिवासी पृष्ठभूमि पर फीचर फिल्मों की स्थिति झारखंड में न के बराबर ही दिखाई देती है. हां, अलबत्ता शॉर्ट फिल्में यहां काफी मात्रा में बनाई गई हैं. न सिर्फ हिन्दी बल्कि नागपुरी, संथाली, मुण्डारी, हो तथा खोरठा भाषा में भी बनने वाली लघु फिल्मों और वृत्त चित्रों में आदिवासी समाज, उनके विश्वास तथा उनके जीवन को दर्शाने का भरपूर प्रयास किया गया है. विशेषकर, स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी नायकों पर लघु फिल्में खूब बनी हैं. सराही गयी हैं और पुरस्कृत भी हुई हैं. कतिपय आदिवासी संस्कृतिकर्मियों के जीवन वृत्त को केन्द्र में रखकर भी फिल्में बनी हैं. कुछ जनजातीय तथा आदिम जनजाति के जीवन वृत्त को दर्शाती फिल्में भी बनायी गयी हैं.

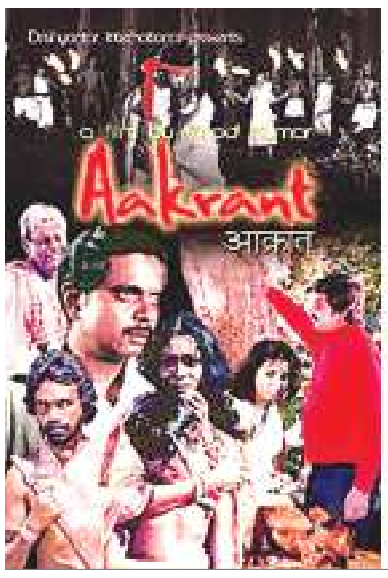

ये आदिवासी फिल्मकार सक्रिय

अब यदि झारखण्ड के आदिवासी फिल्मकारों की बात करें तो एक ओर बीजू टोप्पो, श्री लाल मुर्मू, दशरथ हांसदा, अनुराग लुगुन, सतीश मुण्डा जैसे आदिवासी पृष्ठभूमि के फिल्मकार कई लघु फिल्मों का निर्माण कर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार पा चुके हैं तो अब सामान्य विषयों पर फीचर फिल्म लेकर दीपक लोहार, विनोद महली, अनमोल खलखो जैसे युवक भी सामने आये हैं.

बहरहाल चूंकि झारखण्डी जन जीवन में आदिवासी संस्कृति रची बसी है, अत: झारखण्ड में बनने वाली स्थानीय फिल्मों से आदिवासी पृष्ठभूमि के चित्रण को पृथक् नहीं किया जा सकता, तथापि देश दुनिया के लिए आदिवासी समाज के पास देने को अभी बहुत कुछ है. आवश्यकता है कि फिल्म जैसे सशक्त माध्यम से उनको पकड़ा, सहेजा और समेटा जाय.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक की तैयारी के कारण काफी समय से सर्जरी टाल रहा था, अब फैसला लेना होगा : नीरज चोपड़ा

पीएम ने नीरज को दी बधाई, कहा- आप तो स्वयं गोल्ड हैं

भाषा। पेरिस

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है. नीरज पेरिस खेलों से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं. पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा को फोन कर सिल्वर मेडल के लिए बधाई दी. साथ ही उनके चोट के बारे में पूछा. साथ ही कहा कि मन से गोल्ड निकाल दीजिए, आप तो स्वयं गोल्ड हैं. नीरज ने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया. नीरज ने कहा, मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था. जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो

सिल्वर मेडल जीतने के बाद पेरिस में पीटी उषा से मिलते नीरज चोपड़ा.

मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है. मैं चोटिल नहीं होना चाहता था. जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी. उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था. ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है. अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने. उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है. नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, मैंने अब भी इसे जारी रखा है. खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है. आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा. इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते. अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे.

रजत पदक से भी बहुत खुश हैं नीरज चोपड़ा की मां, कहा-

नीरज के लिए खुश हूं, नदीम भी हमारा ही बच्चा है

भाषा। नयी दिल्ली

अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता. नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए. सरोज ने पानीपत के खंडरा गांव में 'पीटीआई वीडियो' को दिये इंटरव्यू में कहा, हम रजत पदक से बहुत खुश हैं, जिसने स्वर्ण पदक जीता वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत पदक प्राप्त किया वह भी हमारा बच्चा है... सभी एथलीट हैं, सभी कड़ी मेहनत करते हैं. उन्होंने गुरुवार देर रात को दिये इस इंटरव्यू में कहा, नदीम भी अच्छा है, वह अच्छा खेलता है, नीरज और नदीम में कोई अंतर नहीं है. हमें स्वर्ण और रजत पदक मिला, हमारे लिए कोई अंतर नहीं है. नीरज और नदीम दोनों प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. नीरज का 'देशी खाने' के प्रति लगाव जगजाहिर है.

सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया. हम उसका स्वागत 'चूरमा' से करेंगे जो उसका पसंदीदा है. मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे हैं.

नीरज भी मेरे बेटे की तरह : उधर, अरशद नदीम की मां ने नीरज के लिए कहा, वो भी मेरे बेट जैसें हैं. वो नदीम के दोस्त भी हैं और भाई भी. हार और जीत किस्मत की बात है. वो भी मेरे बेटे हैं. अल्लाह मियां उन्हें भी खुशियां दें. वो दोनों भाई हैं और दोनों के लिए दुआ करती हूं.

ओलंपिक में फिर से मेडल जीतने पर राष्ट्रपति, पीएम ने कहा

उत्कृष्टता का साकार रूप हैं नीरज चोपड़ा

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के विभिन्न वर्गों के लोगों ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए भाला फेंक के इस स्टार एथलीट को उत्कृष्टता का साकार रूप बताया. टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन चोपड़ा ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में रजत पदक जीता. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं. राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद व्यक्त की कि चोपड़ा आगे भी देश के लिए पदक जीतेंगे. राष्ट्रपति ने कहा, नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने और इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं.

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा, आगे और आगे. उन्होंने एक बार फिर से कर दिखाया और इस बार पेरिस में. नीरज चोपड़ा आप वास्तव में लाखों में एक हैं. ओलंपिक में एक और पदक के लिए बधाई. लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग ने कहा, हार्ट ऑफ गोल्ड ने आज हमें उम्मीद की किरण दी. नीरज चोपड़ा आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ता और सबसे ऊपर विनम्रता एक ऐसी चीज है जिसका सभी खिलाड़ियों को अनुकरण करने की जरूरत है.

लोकसभा अध्यक्ष और राहुल गांधी ने भी बधाई दी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रश्नकाल आरंभ होने से पहले पेरिस ओलंपिक में शुक्रवार को भारत को मिले इन दो पदकों को उल्लेख किया. उन्होंने कहा, आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी. बिरला ने कहा, हम खिलाड़ियों को उनकी भावी सफलता के लिए शुभकामना देते हैं. इसके बाद सदस्यों ने मेज थपथापाकर भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की.कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आप हमेशा ही चैंपियन हैं. नीरज चोपड़ा, आपकी अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी चोपड़ा की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. गांधी ने एक्स'पर कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने पर बधाई. उन्होंने कहा, आपने एक बार फिर भारत को बेहद गौरवान्वित किया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर कहा, नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से ओलंपिक में भारत का झंडा बुलंद करते हुए रजत पदक हासिल किया. देश के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का क्षण है.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	30	38	35	103
2. चीन	30	25	19	74
3. ऑस्ट्रेलिया	18	14	14	46
4. फ्रांस	14	19	22	55
5. ब्रिटेन	14	17	21	52
6. जापान	13	8	13	34
7. द. कोरिया	13	8	7	28
8. नीदरलैंड	11	6	8	25
9. इटली	10	11	9	30
10. जर्मनी	10	9	6	25
64. भारत	0	1	4	5

पेरिस ओलंपिक समापन के पहले आ सकता है विनेश पर फैसला

पेरिस। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक्स में डिसक्वालीफिकेशन के मामले पर अपील की थी. उनके मामले को लेकर 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स' (सीएएस) ने अहम अपडेट दिया है. सीएएस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया है कि विनेश के मामले को लेकर ओलंपिक खत्म होने से पहले फैसला आ जाएगा. सीएएस ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, इस मामले पर सुनवाई होगी और ओलंपिक्स गेम्स खत्म होने से पहले फैसला आने की उम्मीद है. यह ऐसा मामला है कि इस पर एक घंटे के अंदर फैसला नहीं लिया जा सकता है.

11 मुकाबलों में पहला अवसर है जब अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा को पीछे छोड़ा

नीरज से प्रतिद्वंद्विता अच्छी है, युवा प्रेरित होते हैं : नदीम

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत पर इतिहास रचने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम इस बात से खुश हैं कि भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के युवा प्रेरित होते हैं. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर ओलंपिक का नया रिकार्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता. चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया. यह 11 मुकाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा. व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला पाकिस्तानी खिलाड़ी बनने के बाद 27 वर्षीय नदीम ने पत्रकारों से कहा, जब क्रिकेट मैच या अन्य खेलों की बात होती है तो निश्चित तौर पर उसमें प्रतिद्वंद्विता शामिल होती है, लेकिन यह दोनों देशों के लिए अच्छी बात है जो हमारा और खेल के अपने आदर्श खिलाड़ियों का अनुसरण करके खेलों से जुड़ना चाहते हैं और अपने देश का नाम रोशन करना चाहते हैं. वह 1988 के सियोल ओलंपिक में मुक्केबाज हुसैन शाह के मिडिल-वेट में कांस्य पदक जीतने के बाद पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत पदक विजेता भी हैं.

नदीम और चोपड़ा मैदान पर कड़े प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. कुछ महीने पहले जब नदीम ने एक अच्छा भाला खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर धन राशि जुटाने की अपील की तो चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया था. नदीम ने कहा, मैं अपने देश का आभारी हूं. हर किसी ने मेरे लिए दुआ की और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद थी. पिछले कुछ समय से मैं घुटने की चोट से परेशान था लेकिन इससे उबरने के बाद मैंने अपनी फिटनेस पर काम किया. मैं कड़ी मेहनत जारी रखूंगा. मेरा लक्ष्य इससे भी दूर भाला फेंकना है.

नदीम ने कहा कि पहले वह क्रिकेटर बनना चाहते थे और उन्होंने टेबल टेनिस में भी हाथ आजमाया था. मैं पहले क्रिकेटर था और मैंने टेबल टेनिस भी खेली है और मैं एथलेटिक्स की अन्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता था, लेकिन मेरे कोच ने कहा कि जिस तरह की मेरी शारीरिक बनावट है उससे मैं भाला फेंक का अच्छा एथलीट बन सकता हूं. इसके बाद 2016 से मैंने अपना पूरा ध्यान भाला फेंक पर लगाया. मैं एक किसान परिवार से आता हूं और जब भी मैं पदक जीतता हूं तो अपने अतीत को याद करता हूं.

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं अरशद नदीम

भाषा। कराची

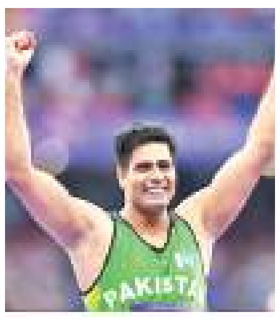

पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बोर्ड जब यह तय कर रहा था कि पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले सात खिलाड़ियों में से किसका खर्च वहन करना है तो उसे केवल अरशद नदीम और उनके कोच ही इस लायक लगे. नदीम और उनके कोच सलमान फैयाज बट भाग्यशाली थे, जिनके हवाई टिकटों का खर्च पीएसबी (पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड) ने वहन किया. पंजाब क्षेत्र के खानेवाल गांव के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को भाला फेंक में नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत कर उन पर दिखाए गए भरोसे को सही ठहराया. छह फुट तीन इंच लंबे नदीम ने ऐसा समय भी देखा था जब उनके पास अपने लिए भाला खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. नदीम के पिता मोहम्मद अशरफ ने पीटीआई से कहा, लोग नहीं जानते हैं कि अरशद इस मुकाम तक कैसे पहुंचा. उसके दोस्त, गांव के लोग और रिश्तेदार उसके लिए चंदा जुटाते थे, ताकि वह अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सके. पाकिस्तान ने कुल सात खिलाड़ियों को पेरिस भेजा और उनमें से छह अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे. नदीम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद से ही उनके घर में जश्न मनाया जाने लगा था व उनके माता-पिता गांव वालों में मिठाई बांटने लग गए थे. नदीम पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था. अपने करियर में कोहनी, घुटने और पीठ की समस्याओं से जूझने और दूसरे देश के खिलाड़ियों की तरह सुविधाएं नहीं होने के बावजूद नदीम ने यह कारनामा किया.

पेरिस ओलंपिक समापन समारोह

मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे श्रीजेश

भाषा। पेरिस

मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे. भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की. आईओए ने बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश संयुक्त ध्वजवाहक होंगे. आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे. श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम को ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह संन्यास ले लेंगे.

हॉकी खिलाड़ी प्रसाद को एक करोड़ का इनाम मिलेगा

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने शुक्रवार को हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की. प्रसाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम के सदस्य हैं. भारत ने गुरुवार को 52 साल में पहली बार स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के निवासी प्रसाद को बधाई दी. प्रसाद से टेलीफोन पर बातचीत में यादव ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था. पूरा देश आप सभी से खुश है. इस सफलता के लिए आपको और पूरी टीम को बधाई. मध्यप्रदेश सरकार इनाम के तौर पर आपके खाते में एक करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित करेगी.

जीत की खुशी

ओलंपिक में ब्रॉन्ज जीत के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लिया

श्रीजेश के लिए केरल का पारंपरिक खाना बनाऊंगी : अनीश्या

भाषा। नयी दिल्ली

लाखों भारतीयों की तरह पीआर श्रीजेश की प्रशंसक अनीश्या को मैदान पर भारतीय हॉकी की इस दीवार की कमी खलेगी लेकिन पत्नी होने के नाते उन्हें खुशी है कि हमेशा घर से दूर रहने वाले पति का अधिक समय उन्हें अब मिल सकेगा. पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के साथ ही महान गोलकीपर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया. उनकी पत्नी डॉक्टर अनीश्या ने केरल से भाषा से बातचीत में कहा, मैं उनकी पत्नी ही नहीं बल्कि प्रशंसक भी हूं. प्रशंसक होने के नाते दुखी हूं कि मैदान पर उन्हें नहीं देख सकूंगी लेकिन पत्नी को खुशी है कि अब पति का अधिक समय मिल सकेगा, तो खुशी और गम दोनों एक साथ हैं. यह पूछने पर कि भारत के लिये दो ओलंपिक पदक जीतने में सूत्रधार रहे श्रीजेश का स्वागत वह कैसे करेंगी, उन्होंने कहा कि वह उनके लिये केरल का पारंपरिक खाना बनायेंगी. उसे केरल का पारंपरिक खाना बहुत पसंद है. शाकाहारी और मांसाहारी दोनों. उसे बहुत याद आ रहा होगा और यहां आते ही मैं सबसे पहले वही पकाऊंगी. हमने जश्न के बारे में अभी सोचा नहीं है लेकिन उनके भाई कनाडा से सपरिवार यहां आये हैं और पूरा परिवार एकत्र है. हमारे लिये यह बड़ा पल है और अब उनका इंतजार है. अनीश्या ने कहा, कांस्य पदक का मैच देखने पूरा घर भरा हुआ था. बहुत लोगों को पता नहीं है कि पेरिस ओलंपिक के लिये श्रीजेश तीन खास स्टिक लेकर गए थे जिनमें से दो पर उनके बच्चों अनुश्री और श्रियांश का और एक पर पत्नी का नाम लिखा था. उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिये ये तीन स्टिक रखी थी. एक पेनल्टी शूटआउट के लिए जिस पर मेरा पसंदीदा रंग और नाम था और दो बाकी मैचों के लिए जिस पर बच्चों के नाम थेय ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में उन्होंने मेरे नाम वाली स्टिक का इस्तेमाल किया था. भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, अभी तक फोकस पेरिस ओलंपिक पर ही था लेकिन अब आगे के बारे में फैसला लेंगे. भारतीय हॉकी की युवा ब्रिगेड के रोलमॉडल श्रीजेश से उन्होंने क्या सीखा, यह पूछने पर उन्होंने कहा, मैंने उनसे सकारात्मकता सीखी है. वह हमेशा कहते हैं कि खेल में जीत हार और जिंदगी में उतार चढाव आते रहते हैं लेकिन अतीत को भूलकर आगे बढ़ना ही समझदारी है और शायद यही उनकी सफलता का राज भी है.

निशानेबाजी टीम स्पर्द्धा में ब्रॉन्ज जीतने वाले मनु भाकर-सरबजोत ने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात की.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन खुशनुमा और शाम सामान्य होगा. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मिथुन संतान के प्रति जिम्मेवारी पूर्ण होगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. समय का उपयोग होगा और लाभ का वातावरण बनेगा.

कर्क मानसिक शांति की आवश्यकता है. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आपके कार्य के प्रभाव से आय बनी रहेगी.

सिंह कार्य में गति मिलेगी, पर बेकार की बहस से बचें. कोई बड़ा कार्य होगा. पराक्रम का लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत ही अच्छा है. धन के आगमन से मन खुश रहेगा. साथ ही व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला मन प्रसन्न होगा. बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. इत्र दान करें.

वृश्चिक अधिक खर्च से मन खिन्न होगा. निद्रा में दिक्कत होगी. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजा ध्यान करें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर पिता का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ शनि को प्रसन्न करें. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं.

मीन चोट-मोच से बचना चाहिए. साथ ही बेकार के बहस से बचें. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. नए कार्य को लेकर जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

बांग्लादेश में हिंदु पर अत्याचार पर अधिवक्ता संघ ने विरोध जताया

लातेहार। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार का अधिवक्ता संघ, लातेहार ने विरोध किया है और इस मामले मे पीएम से हस्तक्षेप करने की मांग की है.लातेहार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा की आड़ में हिन्दुओं पर चुन चुन कर हमले हो रहे हैं. हिंदु मंदिर, दुकान व घरों को निशाना बनाया जा रहा है. इस मामले में प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए. अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि संघ के माध्यम से ह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते है कि तत्काल वह पड़ोसी देश बांग्लादेश पर कोई एक्शन ले, ताकि हिन्दुओं की रक्षा की जा सके. इस दौरान कई अधिवक्ता शामिल थे.

सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का किया विरोध

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के युवा नेता सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है. अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार मानवीयता के खिलाफ हैं, और इसके बावजूद दुनिया इस मुद्दे पर मौन है. उन्होंने भारत के विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जहां वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है, वहीं बांग्लादेशी हिंदुओं के प्रति हो रहे धार्मिक उत्पीड़न पर किसी ने अब तक एक शब्द तक नहीं कहा उनके इस बयान के बाद, हुसैनाबाद क्षेत्र के लोगों में भी इस मुद्दे को लेकर जागरूकता बढ़ी है.

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को मनेगा विभाजन विभीषिका दिवस

11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम : भाजपा

- 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा होगी

ब्यूरो। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपाई.

भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित करेगी. भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान हर घर तिरंगा कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रभारी डॉ गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, यह कार्यक्रम अब हर भारत वासी का कार्यक्रम बन चुका है. यह राष्ट्रीय भाव को जागृत करने का कार्यक्रम है. उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तीन प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे. इसके लिए प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक की टोली का गठन किया गया है. प्रदेश टीम के संयोजक प्रदेश महामंत्री व सांसद प्रदीप वर्मा है, जबकि विनय जायसवाल, शशांक राज, रघुराज पांडे, बबन गुप्ता व लक्ष्मी कुमारी को सह संयोजक बनाया गया है.

डॉ पासवान ने कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि युवा मोर्चा के नेतृत्व में 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसमे हजारों युवा तिरंगा ध्वज के साथ शामिल होंगे.आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यभर में स्थित युद्ध स्मारक एवम शहीदों की प्रतिमाओं की सफाई करते हुए प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी.

पासवान ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजित होंगे. देश की वर्तमान पीढ़ी को जानना यह आवश्यक है कि भारत के विभाजन के कारण कैसे 20 लाख लोगों की हत्याएं हुई और दो करोड़ से ज्यादा लोगो को अपना घर बार छोड़कर रिफ्यूजी बनने को विवश होना पड़ा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित चौथा कार्यक्रम है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर तक हर घर तिरंगा लगाने को प्रेरित करेंगे. प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, अविनेश कुमार सिंह, बबन गुप्ता एवम विनय जायसवाल भी उपस्थित रहे.

जादूगोड़ा : बाबूलाल ने शुभम संदेश अखबार की प्रशंसा की

अखबार पढ़ते झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन.

संवाददाता। जादूगोड़ा

झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन ने जादूगोड़ा अस्पताल चौक पर स्थित पार्टी कार्यालय में फुर्सत के वक्त लोकप्रिय अखबार शुभम संदेश पढ़ा व पूरे प्रदेश की खबर को एक ही अखबार में समेटने व पूरे घाटशिला विधानसभा की खबर को जगह देने पर खबरों की प्रशंसा की.

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह अखबार आदिवासियों की पीड़ा को मजबूती से उठाएगी. जिले में अव्वल जगह बनाएगी.

मंत्री ने किया 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण

वन अधिकार पट्टा वितरण में नंबर वन बना गढ़वा : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

लाभुकों को वन पट्टा वितरित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

वन अधिकार पट्टा वितरण में गढ़वा पूरे राज्य में नंबर वन गया है. शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने समाहरणालय के सभागार में अबुआ बीर अबुआ दिशोम वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस दौरान मंत्री ने 39 हजार एकड़ से अधिक 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण किया. इससे पूर्व मंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर मंत्री ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि दिशोम गुरू शिबु सोरेन ने जिस सोच के साथ झारखंड राज्य को अलग कराया था, उनका सपना अब हेमंत सोरेन पूरा कर रहे हैं. उन्हांने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस 1994 से मनाया जा रहा है. लेकिन झारखंड में वर्ष 2013-14 में हेमंत सोरेन ने इसकी शुरूआत की. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत परंपरागत रूप से वनों पर आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदाय के लोगों के जीवन यापन तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन भूमि पर साग सब्जी, तेंदूपत्ता, सेरोई, सुखी लकड़ियां, मछली, लघु वन उपज के संग्रहण के साथ-साथ खेल का मैदान, शमशान, कब्रिस्तान, सरना अथवा पूजा स्थल आदि के अति अनिवार्य आवश्यकता को विधिक मान्यता प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर 2023 में की गई थी. इसके तहत वर्ष 2024 में पूरे राज्य में वन पर परंपरागत रूप से निर्भर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य समुदायों को उनके हक और अधिकार को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य के सभी 24 जिलों में प्रथम चरण में अधिक से अधिक संख्या में सामुदायिक वन अधिकार पट्टा को वितरित करने का आदेश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिया था. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत गढ़वा जिले में वर्ष 2009 से दिसंबर 2023 तक 1224 व्यक्तिगत पट्टा एवं 320 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा 18286.21 एकड़ का वितरण किया गया था. जबकि आज विश्व आदिवासी दिवस पर वर्ष 2024-25 में कुल 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा कुल 39 हजार एकड़ से अधिक का वितरण किया गया. वनों पर परंपरागत रूप से आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदायों को उनके वनअधिकार को मान्यता देने का यह अब तक का सबसे बड़ा कदम है. जिसमें गढ़वा जिले ने पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है. मौके पर डीसी शेखर जमुआर ने भी विचार व्यक्त किया. मौके पर एसपी दीपक पांडेय, डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, डीएफओ दक्षिणी, जिला कल्याण पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रों से आये लाभुक सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

रिवॉल्वर के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता। केतार

केतार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रिवॉल्वर के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार युवक केतार थाना क्षेत्र के पचाडुमर निवासी विश्वनाथ मेहता का 24 वर्षीय पुत्र रामलाल मेहता है.

इसकी जानकारी डीएसपी सतेंद्र सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह व थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात्रि पुलिस गश्ती के दौरान परती रोड में बतो गांव के समीप सूर्य मंदिर के समीप बाइक से परती की ओर जा रहे रामलाल मेहता को रोक कर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान उसके पास एक अवैध रिवॉल्वर बिना कागजात के मिला. हालांकि पुलिस को देखकर सकपकाते हुए वो पीछे भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे शस्त्र बल ने धर दबोचा. पूछताछ के दौरान रामलाल मेहता ने बताया कि हम अपने पास रखते है और कभी कभार इसे लेकर चलते है. थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है.

मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.

10 अगस्त से खेलो इंडिया वुमेन लीग का आयोजन रांची में

रांची । रांची के खेलगांव के साइक्लिंग वेलोडर्म में 10 अगस्त से दो दिवसीय खेलो इंडिया वुमेन लीग (ईस्ट जोन) का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए झारखंड साइक्लिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने बताया कि इस लीग का उद्घाटन शनिवार को भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे. कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि कांके विधायक समरी लाल, इंडियन बैंक के निदेशक बालमुकुंद सहाय मौजूद रहेंगे. इस दौरान रांची साई के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे.

पेज एक का शेष

सभापति जगदीप धनखड़ से आर-पार...

क्यों नेम कर देंगे सर : सभापति ने कहा कि कोई इश्यू है, तो आप लिखित में दीजिए. भड़के सभापति ने जयराम रमेश को नेम करने की चेतावनी दी. इस पर अजय माकन ने कहा कि क्यों नेम कर देंगे सर, एक बात जो विपक्ष के नेता के साथ हुई वह बताने के लिए नेम कर देंगे. आप कहते हैं- हंस क्यों रहे हैं, मुस्कुरा क्यों रहे हैं, बैठे क्यों हैं. हाथ जोड़ कर कह रहे हैं प्लीज ऐसे मत कीजिए.

आप सेलिब्रिटी होंगी लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा : विपक्ष की तरफ से जया बच्चन ने कहा, मैं एक एक्टर हूं और बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेशन समझती हूं. मुझे माफ करिएगा सर, आपकी जो टोन है, ठीक नहीं है. हम लोग कलीग हैं, आप वहां हैं. आपकी टोन अस्वीकार्य है. इस पर भड़के सभापति ने कहा कि जया जी आपने महान उपलब्धि हासिल की है. आप जानती हैं कि एक एक्टर, डायरेक्टर का विषय है. उन्होंने कहा कि मैं हर रोज दोहराना नहीं चाहता. सभापति ने कहा कि हर दिन आपकी स्कूलिंग करना नहीं चाहता. आप मेरी टोन को लेकर बात कर रही हैं? बहुत अधिक है. मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा. उन्होंने कहा कि आप कोई भी हों, आपको डेकोरम मानना पड़ेगा. आप सेलिब्रिटी होंगी, लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा.

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित

राज्यसभा से ये सदस्य नामित : राज्यसभा से इस समिति में बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल (सभी भाजपा), सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीमुल हक (टीएमसी), वी विजय साई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), संजय सिंह (आप) और डी वीरेंद्र हेगड़े (मनोनीत) को शामिल किया गया है.

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत...

साथ ही ये भी कहा कि इस मामले में ज्यादातर सबूत भी जुटाए जा चुके हैं, इसलिए उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है. हालांकि, गवाहों को प्रभावित करने या डराने के मामले में उनपर शर्तें लगाई जा सकती हैं. सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को 10 लाख के मुचलके पर जमानत दी है. साथ ही दो बड़ी शर्तें भी लगाई हैं. पहली शर्त ये है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा. और दूसरी शर्त ये कि उन्हें हर सोमवार और गुरुवार को थाने में जाकर हाजिरी लगानी होगी.

सीबीआई-ईडी की अपील खारिज : फैसला सुनाए जाने के बाद सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल मामले की तरह ही शर्तें लगाने का अनुरोध किया था. एएसजी राजू ने कोर्ट से अपील की थी कि केजरीवाल की तरह ही सिसोदिया पर सचिवालय जाने पर रोक लगाई जाए. हालांकि, कोर्ट ने इस अपील को खारिज कर दिया.

हिजाब पर ही बैन क्यों?

अब इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी. बता दें, इससे पहले हाईकोर्ट ने 26 जून को चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज के प्रतिबंध वाले फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. साथ ही कहा था कि ऐसे नियम छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं.

18 नवंबर तक मांगा जवाब : पीठ ने चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक जवाब मांगा. उन्होंने कहा, छात्राओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता. मुस्लिम छात्रों के लिए ड्रेस कोड को लेकर उठे नए विवाद के केंद्र में कॉलेज प्रशासन से पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप अचानक यह जानकर जाग जाते हैं कि देश में कई धर्म हैं. अगर कॉलेज का इरादा छात्रों की धार्मिक आस्था को उजागर नहीं करने का है, तो कॉलेज ने ''तिलक'' और ''बिंदी'' पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया. पीठ ने शैक्षणिक संस्था की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा, क्या छात्रों के नाम उनकी धार्मिक पहचान का खुलासा नहीं करेंगे? अदालत ने हालांकि कहा कि कक्षा के अंदर लड़कियों द्वारा बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है. अदालत ने आगे कहा कि बुर्का, हिजाब पर उसके अंतरिम आदेश का दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए. मुंबई कॉलेज को दुरूपयोग के मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी गई है. जैनब अब्दुल कय्यूम सहित याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस और वकील अबीहा जैदी ने कहा कि प्रतिबंध के कारण छात्राएं कक्षाएं नहीं ले पा रही हैं.

शाह ने बनाई कमेटी

हिंदू और अल्पसंख्यक डर के साए में जी रहे : बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद उपद्रवी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं. इन बिगडे हालातों से निपटने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने ये साफ कर दिया है कि मोदी सरकार हरसंभव कोशिश करेगी, जिससे बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके. इस समिति को खासतौर से भारत-बांग्लादेश बार्डर पर सुरक्षा और स्थिति पर नजर बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह कदम हाल ही में बांग्लादेश में मची उथल-पुथल के बीच उठाया गया है.

खबरें बिहार की

ट्रेन के आगे कूदी पत्नी, बचाते वक्त पति की मौत, अस्पताल में महिला ने भी दम तोड़ा

संवाददाता। जमुई

घटनास्थल पर लगी भीड़.

जमुई में घरेलू विवाद को लेकर एक महिला चलती ट्रेन के आगे कूद गई, जिसे बचाने के दौरान पति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई. परिजनों द्वारा महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया. मामला किऊल-जसीडीह रेलखंड के टेलवा बाजार हॉल्ट का है. मृतकों की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के बलियाडीह गांव निवासी कृष्णा कुमार (24) और उसकी पत्नी सोनी कुमारी (20) के रूप में हुई है.

जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था, जिससे नाराज सोनी कुमारी एक सप्ताह पूर्व अपने मायके बांका जिले के कठहन बगांव गई हुई थी. उसे मनाने के लिए उसका पति दो दिन पूर्व अपने ससुराल कठहन गया था. तभी पति को देख पत्नी आग बबूला हो गई. फिर अपने छह महीने के बच्चे को लेकर गुरुवार की शाम वह जमुई जिले के सिमुलतला थानाक्षेत्र के सियांचक गांव में रिश्तेदार के यहां आ गई थी. उसके पीछे-पीछे उसका पति भी सियांचक आ गया था.

वहीं, शुक्रवार की सुबह सोनी अपने बच्चे को लेकर बलियाडीह जाने की बात कह कर टेलवा हॉल्ट ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंची थी. तभी वह बच्चे को प्लेटफॉर्म पर बैठाकर हावड़ा रक्सौल ट्रेन के आगे कूद गई. इस दौरान उसे बचाने के दौरान उसके पति कृष्णा कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि उसकी पत्नी सोनी कुमारी का एक पैर और एक हाथ कट गया. उसके बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान सोनी की भी मौत हो गई. इधर, घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

दोस्त ने फोन पर बुलाया और पीट-पीटकर मार डाला

नालंदा । नालंदा से एक सनसनीखेज मामला शुक्रवार की सुबह सामने आया, जहां बिंद थाना इलाके के नौरंगा गांव में एक युवक की हत्या कर शव को गांव से एक किलोमीटर दूर फेंक दिया गया. शुक्रवार सुबह शव को बरामद किया गया है. मृतक की पहचान राजेश केवट के 18 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इधर, घटना के बाद परिवार वालों में कोहराम मचा है. पुलिस ने मृतक के एक दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, घटना के संबंध में बताया जाता है कि दीपक रात में खाना खाने के बाद सोने गया मगर अचानक उसे किसी ने फोन कर बुलाया फिर दीपक अंधेरे में चला गया, मगर फिर वो वापस नहीं आया. देर रात तक खोजबीन की गई लेकिन पता नहीं चला. उसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई पुलिस भी रात भर खोजबीन में जुटी रही, लेकिन सुबह युवक का शव मिला. शव पर जख्म के निशान हैं. परिवार वालों ने कहा कि दोस्त ने बुलाकर पीट-पीटकर हत्या कर शव को फेंक दिया है.

खड्डे में पलटी बस, 13 बच्चे घायल, चालक गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के धमौल थाना के रेवार मोड़ के निकट शुक्रवार को बच्चों से भरी स्कूल बस सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई. जिससे 13 बच्चे घायल हो गए हैं. घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है. धमाल के थाना प्रभारी हिमांशु कुमार पप्पू ने बताया कि बस निकटवर्ती जमुई जिले के केरला इंग्लिश स्कूल का था, जो बच्चों को लेने नवादा जिले के धमाल थाना क्षेत्र के रेवार मोड़ के पास पहुंची थी. संतुलन खो जाने के बाद बस गड्ढे में पलट गई. जिसमें 13 बच्चे घायल हो गए हैं.

पलामू बाल गृह के एक बच्चे की मौत

मेदिनीनगर। पलामू बाल गृह के एक बीमार बच्चे की शुक्रवार को मौत हो गई. वह कई दिनों से बीमार था और कुछ महीने पहले उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. यहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर कर दिया था. रिम्स से इलाज के बाद उस बच्चे को वापस बाल गृह लाया गया था. बच्चे की शुक्रवार को अचानक तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया था. जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. शव का दंडाधिकारी की मौजूदगी में पंचनामा और मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम किया गया है.

निरीक्षण अभियान सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा

वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह : निरीक्षण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता। रांची

सीसीएल के सतर्कता विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

खास बातें
- आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलेगी यह अभियान
- संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया

कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के मार्गदर्शन में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सतर्कता विभाग ने सभी कमांड क्षेत्रों में वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह नामक एक व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया. आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य सड़क के तौल पुलों के उचित संचालन और रखरखाव के बारे में अधिकारियों, कर्मचारियों और हितधारकों को जागरूक करना है. पूरे सप्ताह के दौरान, परिचालन मानकों और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा.

जागरूकता अभियान में तौल पुलों के संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा, जिसका उद्देश्य निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए अपनाई जाने वाली प्रथाओं के बारे में ज्ञान पैदा करना है. गौरतलब है कि कोयला कंपनियों में वे ब्रिज एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसका उपयोग कोयला ले जाने वाले लोडेड और खाली वाहनों के वजन को मापने के लिए किया जाता है. यह प्रणाली परिवहन किए गए कोयले का सटीक माप सुनिश्चित करने में मदद करती है और परिवहन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकता है और इन्वेंट्री को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है. सीसीएल न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि कोयले के उचित संचालन, परिचालन मानक और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा दे रहा है.

▼ ब्रीफ खबरें

विनेश को न्याय दिलाने खाप पंचायतें एकजुट

भिवानी। पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में डिसक्वालीफाई होने वाली पहलवान विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग के साथ यहां शहीद स्मारक में शुक्रवार को नौगामा खाप की पंचायत हुई. इसमें विनेश को डिसक्वालीफाई किये जाने को साजिश बताया गया. नौगामा खाप प्रवक्ता उमेद सिंह जागलान ने कहा कि पंचायत में इस मामले पर खेल मंत्री से उचित जांच करने की मांग की गई. मामले में जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्रवाई कर सजा दिलाई जाए ताकि विनेश को न्याय मिल सके. विनेश को न्याय नहीं मिला तो नौगामा खाप आंदोलन करने से भी पीछे नहीं रहेगी और जींद की सभी खापें विनेश को न्याय दिलाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी.

पूजा खेडकर के पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुणे। पुलिस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ पुणे जिले में एक होटल सेवक को धमकाने और उनके काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है. पुणे जिलाधिकारी कार्यालय के एक तहसीलदार स्तर के अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बंडगार्डन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. सहायक जिलाधिकारी के रूप में पूजा खेडकर की तैनाती के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारी दिलीप खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया था और उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने को कहा था.

जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई. जंगली हाथी ने बृहस्पतिवार सुबह एक अन्य महिला की जान ली थी. अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत खैरभवना गांव में जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं तीजकुंवर (63) और सुरजा (43) की मौत हो गई. कोरबा वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र में तीन दिन पहले आठ हाथियों का दल विचरण कर रहा था. इसमें से एक हाथी अपने झुंड से अलग हो गया. अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात वह हाथी रलिया गांव पहुंचा और उसने बृहस्पतिवार सुबह सैर पर निकली गायत्री राठौर (55) को कुचल दिया.

सेना कमांडर लद्दाख में अग्रिम क्षेत्र पहुंचे

जम्मू। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने लद्दाख में अग्रिम इलाकों का दौरा किया और भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल एवं पेशेवर रुख बनाये रखने के लिए सैनिकों की सराहना की. उत्तरी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और उन्हें अत्याधुनिक तकनीकी एकीकरण और परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई.' इसमें कहा गया है कि सेना के कमांडर ने सैनिकों की सराहना की तथा सभी रैंक के कर्मियों से भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल और पेशेवर रुख बनाए रखने का आह्वान किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की 'चाय पर चर्चा'

दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया, सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में संसद सत्र स्थगित होने के बाद शुक्रवार को अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक दूसरे का अभिवादन किया. इस दौरान दोनों ही नेताओं ने गर्मजोशी से नमस्ते किया. इस दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की हालातों के बारे में पूछा, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस पर कड़ी नजर रख रहा है. लोकसभा सदन की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है. पिछले महीने 22 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की कार्यवाही को 12 अगस्त तक चलना था. मगर, इसका समापन शुक्रवार को ही कर दिया गया. इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने के लिए प्रधानमंत्री, संसदीय कार्य मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न दलों के नेताओं और सांसदों के प्रति आभार भी व्यक्त किया.

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं : ओम बिरला

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी, जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन के काम की उत्पादकता 136 प्रतिशत रही.

बजट पर चर्चा में 181 सदस्य हुए शामिल

अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी. जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया. अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया.

चाय पर चर्चा में कौन कौन सदस्य रहे शामिल?

संसद सत्र स्थगित होने के बाद अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कई बड़े नेता मौजूद रहे. जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, पियूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू, लोजपा नेता चिराग पासवान, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

बांग्लादेश : लोगों को उम्मीद- यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी

सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी सरकार का स्वागत

- देशवासियों की अपेक्षा, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी सरकार

एजेंसी। ढाका/संयुक्त राष्ट्र

बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है. लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी. इसी बीच, ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं. यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी. उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है. शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं. यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली. महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख एएफएम खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं. ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है. डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, 'दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है.' प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, 'जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है.'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद के सदस्यों में विभागों की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को नवनियुक्त सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की और रक्षा सहित 27 मंत्रालयों का प्रभार अपने पास रखा तथा अनुभवी राजनयिक मोहम्मद तौहीद हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया. अन्य सलाहकारों का चयन छात्र नेताओं, सेना और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के परामर्श से किया गया. एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन को गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है. हुसैन 2001 से 2005 तक कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त थे और 2006 से 2009 तक बांग्लादेश के विदेश सचिव रहे. बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर सलाहुद्दीन अहमद वित्त और योजना मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पूर्व अटॉर्नी जनरल ए एफ हसन आरिफ स्थानीय सरकार मंत्रालय का प्रभार संभालेंगे. अंतरिम मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' के दो समन्वयकों एम नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को क्रमशः दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्रालयों का प्रभार दिया गया. समूह ने पिछले महीने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली में सुधार के लिए सबसे पहले सड़क पर आंदोलन चलाया, जो बाद में एक सार्वजनिक विद्रोह में तब्दील हो गया और हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर अंतरिम सरकार स्थापित की, जिसे सेना का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था. सलाहकार परिषद के तीन सदस्य बृहस्पतिवार रात राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में शपथ नहीं ले सके, क्योंकि वे राजधानी से बाहर थे और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि यूनुस उन्हें 27 विभागों में से कुछ दे सकते हैं. इन तीनों में ज्यादातर नागरिक संस्थाओं के लोग हैं.

अनुराग का राहुल पर हमला गाजा की चिंता है, लेकिन बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकल रही है आवाज

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बांग्लादेश के मुद्दे पर घेरने की कोशिश की. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की चिंता नहीं है. अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं. उन्होंने कहा, "हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उससे हम सभी चिंतित हैं. सभी दलों ने एक स्वर में वहां के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई. लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के नेता को बधाई देते हुए हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बारे में बात नहीं की. आखिर उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में क्यों कुछ नहीं कहा? आप गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं." शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद पड़ोसी मुल्क में सत्ता परिवर्तन हुआ.

हम नस्ली आधार पर हमले और हिंसा के खिलाफ : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.

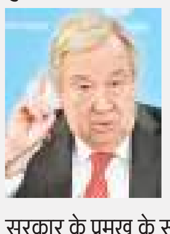

महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए. निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.' वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमले के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे. सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई. मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की 'सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया' की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, 'हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं. शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है.'

हरियाणा के स्कूलों में 15 अगस्त से 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद'

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा में इस स्वतंत्रता दिवस से सभी स्कूलों में 'गुड मॉर्निंग' के स्थान पर अब 'जय हिंद' का प्रयोग किया जाएगा. एक सरकारी परिपत्र में इसकी जानकारी दी गयी है. प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र में कहा गया है कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में 'देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना उत्पन्न करना' है. परिपत्र में कहा गया है कि 'जय हिंद' का नारा सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिया था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में स्वीकार किया गया था. स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को यह परिपत्र भेजा है. परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में अब 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद' का उपयोग किया जाएगा, ताकि हर दिन छात्रों को 'राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित किया जा सके' और देश के 'समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान' व्यक्त किया जा सके. इसमें कहा गया है कि देशभक्तिपूर्ण अभिवादन 'जय हिंद' छात्रों को देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करेगा. इसमें कहा गया है कि 'जय हिंद' क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देता है.

स्कूल ने 'मांसाहारी भोजन नहीं' देने का संदेश भेजा

नोएडा। नोएडा के एक नामी स्कूल ने दोपहर के भोजन में बच्चों को 'मांसाहारी खाद्य पदार्थ नहीं देने' के लिए अभिभावकों को संदेश भेजा, लेकिन इस पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल प्रबंधन ने बचाव करते हुए कहा कि यह सिर्फ अनुरोध है. नोएडा के सेक्टर-132 स्थित 'दिल्ली पब्लिक स्कूल' ने बुधवार को अभिभावकों को व्हॉट्सएप के जरिए संदेश भेजा जिसमें कहा गया कि वे बच्चों को दोपहर के भोजन में मांसाहारी खाना न भेजें. संदेश में कहा गया है, 'जब दोपहर के भोजन के लिए सुबह मांसाहारी भोजन पकाया जाता है तो उसके खराब होने की संभावना रहती है. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है.' इसमें यह भी कहा गया है, 'स्कूल, छात्रों की विविधता और समावेशिता को महत्व देता है. ऐसे में सभी छात्र अपने भोजन की प्राथमिकताओं की परवाह किए बिना एक साथ बैठकर भोजन कर सकें, इसके लिए हम शाकाहारी वातावरण मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि सभी सहज महसूस कर सकें.' इस मुद्दे पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल की प्रधानाचार्य सुप्रीति चौहान ने कहा, 'यह सिर्फ अनुरोध है.'

पांचवीं मंजिल से बच्ची पर गिरा पालतू कुत्ता, लड़की की मौत, मालिक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक इमारत की पांचवीं मंजिल से एक पालतू कुत्ता चार साल की बच्ची पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि ठाणे शहर के मुंब्रा इलाके में मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे यह घटना हुई थी. पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार किया. इस घटना के संबंध में तीन अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है. मुंब्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'छह अगस्त को एक इमारत की पांचवीं मंजिल से पालतू कुत्ता नीचे सड़क पर टहल रही बच्ची पर गिर गया. इस घटना में बच्ची को गंभीर चोटें आईं. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने पालतू कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया.' उन्होंने बताया कि कुत्ते के मालिक और तीन अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुरू में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था. सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी आया है.

बुद्धदेव को सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

एजेंसी। कोलकाता

- बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए हमेशा याद किया जाएगा

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को यहां माकर्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य मुख्यालय में शुक्रवार को अंतिम विदाई देने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे. माकर्सवादी नेता का बृहस्पतिवार को यहां उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था. भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा. शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबकि कइयों ने मुट्ठी बांधकर लाल सलामी के जरिये भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिए हुए थे. माकपा के राज्य मुख्यालय में अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर लाल झंडे में लिपटा और फूलों से ढका हुआ था. पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ अनुभवी नेताओं से लेकर युवा राजनेताओं ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. भीड़ में ऐसे लोग भी शामिल थे, जो उनकी उद्योग समर्थक नीतियों से प्रभावित थे. पार्टी मुख्यालय पर मौजूद लोगों ने भट्टाचार्य को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक विकास में सुधार के दिशा में उनके प्रयासों को याद किया और बताया कि कैसे उनके दृष्टिकोण ने भविष्य की प्रगति के लिए आधार तैयार किया था. माकपा के दिग्गज नेता ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उन्होंने राज्य के औद्योगीकरण के प्रयासों के लिए जाना जाता था. हालांकि भट्टाचार्य के नेक प्रयासों और इरादों के बावजूद, पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों के निर्बाध शासन के बाद अंततः वाम मोर्चा सरकार का पतन हो गया.

ऐलान किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने को प्रतिबद्ध : सीईसी

एजेंसी। जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का "पुरजोर समर्थन" कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी." कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर है. प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस. संधू भी शामिल हैं. अधिकारियों ने बताया कि शहर में सुरक्षाकर्मी के साथ यात्रा के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन से मुलाकात की.

आतंकी हमले के खतरे से नहीं रोक सकते प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के बावजूद चुनाव कराने की तैयारियों पर जोर देते हुए कहा, "जब अच्छे परिणाम आते हैं, तो कुछ शरारती तत्वों को तकलीफ होती है, लेकिन हम चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. किसी भी आतंकी हमले या खतरे से चुनाव प्रक्रिया को नहीं रोका जा सकता." जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, और 20 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा. चुनाव आयोग ने सभी दलों की मांगों को ध्यान में रखते हुए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का आश्वासन दिया है. जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं. साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे.

ओडिशा में महानदी का जलस्तर बढ़ने पर 10 जिलों के लिए अलर्ट जारी

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) सत्यव्रत साहू ने शुक्रवार को हीराकुंड बांध से पानी छोड़े जाने पर महानदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण 10 जिलों के जिला अधिकारियों को एहतियाती तौर पर सतर्क रहने के लिए कहा है. जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है उनमें संबलपुर, सोनेपुर, नयागढ़, अंगुल, बौध, पुरी, कटक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा शामिल हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मुंडाली के पास महानदी में कुल 5.78 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया और वर्तमान में बांध के 14 द्वार खोल दिए गए हैं. जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भक्त रंजन मोहंती ने बताया कि कुछ नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद भी किसी क्षेत्र में बाढ़ की आशंका नहीं है, लेकिन कई खबरों में कहा गया है कि कटक और खुर्दा जिले के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहले ही प्रवेश कर चुका है.

श्रद्धालुओं की जीप नाले में बही, नाबालिग लड़की की मौत

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित पूर्णागिरी धाम की ओर जा रहे श्रद्धालुओं की एक जीप के शुक्रवार को बारिश से उफनाए एक नाले में बह जाने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गयी और पांच अन्य लोग घायल हो गए. घटनास्थल पर पहुंचे चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि किरोड़ा नाले के तेज बहाव में बही जीप में सवार दो अन्य श्रद्धालु लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं. हादसे के समय वाहन में नौ लोग सवार थे. पांचों घायलों का टनकपुर उप जिलाचिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है. दुर्घटना का शिकार हुए श्रद्धालु ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा के रहने वाले थे. मृतका की पहचान 14 वर्षीय बलविंदर कौर के रूप में हुई है जबकि घायलों में मृतका की छोटी बहन सीमा (पांच) के अलावा दो सगी बहनें पवनदीप कौर और अमनदीप कौर, 12 वर्षीय गीता कटैत और जीप चालक उवैश (20) शामिल हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)